www.uou.ac.in

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act. No. 23 of 2005)
उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय
द्यालय मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे (तीनपानी बाईपास) हल्द्वानी–263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड
sity Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani-263139, Nainital, Uttarakhand
Phone : 05946-261122, **Fax :** 05946-26432

वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report 2016-17

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2016-17

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act. No. 23 of 2005)

कुलपति की कलम से .....

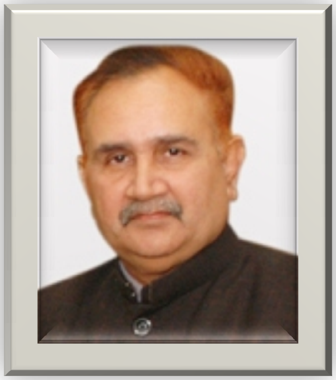

भारतवर्ष में ज्ञान-विज्ञान की परम्परा वैदिक काल से सम्प्रत्यावत् अविच्छिन्न रूप से गतिमान है। ज्ञान की इस परम्परा में शिक्षा व्यक्ति को प्रकृति से संस्कृति, अन्धकार से प्रकाश व अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाने वाली प्रक्रिया है। भारतीय मनीषा ने जीवन का उत्कृष्ट मूल्य बतलाया है– त्याग और परमार्थ की भावना। दया, प्रेम, शुचिता, त्याग, सहिष्णुता, परस्पर सद्भाव, सत्य, अहिंसा, परोपकार आदि भावों की प्रतिष्ठा शिक्षा के माध्यम से ही परिपक्व की जाती है, जिससे सामाजिक समायोजन में विद्यार्थी को बल मिले और अनुशासित जीवन के लिए उसकी पृष्ठभूमि तैयार हो। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का प्रतीक वाक्य है–''श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्''। विश्वविद्यालय अपने इस प्रतीक वाक्य को सार्थक करने की दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील है।

शिक्षा व्यक्ति की अंतर्निहित क्षमता तथा उसके व्यक्तित्त्व की विकसित करने वाली प्रक्रिया है। अत: इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों को सक्षम बनाने की दृष्टि से मूल्यपरक व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी आवश्यक है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समाज के प्रत्येक वर्ग को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए कटिबद्ध है। मेरा ध्यय है कि यहाँ के शिक्षार्थी अपनी उपाधि प्राप्त कर न केवल रोजगार की प्राप्ति करें, अपितु उनका चरित्र भी उज्जवल हो, जो कर्तव्य परायण और मूल्यनिष्ठा से ओत-प्रोत हों। जिसके परिणामस्वरूप यह विश्वविद्यालय केवल अर्जित ज्ञान के स्तर को प्रमाणित कर डिग्रियाँ देने वाली संस्था मात्र न होकर सुयोग्य और सच्चरित्र नागरिकों की पौधशाला भी होगा।

विश्वविद्यालय द्वारा उसके उद्देश्यों की पूर्ति एवं दिशा के साथ-साथ राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के महत्वपूर्ण सात मानकों — पाठ्यक्रम पक्ष, शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन, शोध, परामर्श एवं प्रसार अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन, छात्र समर्थन एवं प्रगति, शासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें – को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2016-17 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

दूरस्थ शिक्षा समाज के उन वर्गों के सशक्तिकरण का एक प्रभावशाली माध्यम है, जो विभिन्न कारणों से औपचारिक शिक्षा से वंचित रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति छात्र केन्द्रित शिक्षण व्यवस्था है। इसमें छात्र को सभी सहायता सेवायें उन्हें केन्द्र में रखकर प्रदान की जाती है। दूरस्थ शिक्षा में मूल्यपरक शिक्षा हेतु गुणवत्तापूर्ण पाठ्यसामग्री निर्माण की जाती है, क्योंकि यह पाठ्यसामग्री आधारित शिक्षा है। इसमें गुरू अपना ज्ञान पाठ्यसामग्री में लेखन के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुँचाता है।

सम्प्रति मुझे हर्ष है कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मैं इसके लिये सभी अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई देता हूँ, जिनके निरन्तर सहयोग से विश्वविद्यालय का सर्वतोमुखी विकास सम्भव हो सका है। इस वार्षिक प्रतिवेदन को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मापदण्ड के अनुरूप तैयार करने का प्रयास किया गया है। इसके लिये वार्षिक प्रतिवेदन के सम्पादक मण्डल के सभी सदस्य विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं।

प्रोफेसर नागेश्वर राव
कुलपति

आमुख (Preface)

मानवीय सभ्यता के विकास क्रम में मनुष्य ने शिक्षा देने के विभिन्न 'अनुशासनों' की खोज की है। शिक्षा चूँकि ज्ञान के साथ ही 'अनुशासन' और 'पद्धति' भी है, इसलिए इसमें 'माध्यम' का प्रश्न भी प्रमुख हो जाता है। प्राचीन शिक्षा पद्धति से अब तक क्रमश: परिवर्तन होता रहा है। यह परिवर्तन समसामयिक युग की आवश्यकताओं के अनुकूल और युग की सम्भावनाओं में "सृजनात्मक विकल्प" की निरन्तर खोज के बीच उभरा है।

वर्तमान में शिक्षा 'विकास के औजार' की परिभाषा से आगे जाकर विकास के एक अंग के रूप में स्थापित हो गई है। अत: ज्ञान के इस युग में शिक्षा, बल्कि उपयुक्त शिक्षा के बिना विकास सम्भव नहीं है, और विकास के अन्य अवयवों की तुलना में उपयुक्त शिक्षा अधिक सशक्त कारक है।

भारत जैसे व्यापक देश में विशेषकर उच्च शिक्षा का पारम्परिक ढाँचा (face to face teaching) वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकता है। साथ ही आर्थिक दबावों के कारण काम करते हुए पढ़ सकने की आवश्यकता (Earning while Learning) के दृष्टिगत भी वैकल्पिक माध्यम सशक्त हुआ है। यह वैकल्पिक माध्यम है, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली Open and Distance Learning (ODL)। यह प्रणाली 'डिजिटल' युग में 'दूरस्थ' शब्द को निष्प्रभावी बना देती है और वस्तुत: 'डिजिटल' माध्यमों से शिक्षक एवं शिक्षार्थी के बीच की दूरी सिमट जाती है और वे नियमित सम्पर्क में रह सकते हैं। यह प्रणाली विशुद्ध रूप से शिक्षार्थी- केन्द्रित है और समय तथा धन दोनों दृष्टियों से कम खर्चीली है। परम्परागत शिक्षा पद्धति "प्रत्यक्ष शिक्षा पद्धति" है,जो गुरू-शिष्य संवाद पर आधारित है, जबकि मुक्त शिक्षा पद्धति में गुरु का स्थान पुस्तकें ले लेती हैं। यह गुरु का विषय में रूपांतरण है....यह कहने का लिखने में रुपांतरण है...यह ध्वनि का दृश्य में रूपांतरण भी है...यह माध्यम के बदलने जैसा है.... इस प्रकार यह छात्र को विषय के करीब ले जाने वाला अनुशासन है।

वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अनेक व्यावसायिक एवं कौशलपरक पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इनके अन्तर्गत कुछ ऐसे पाठ्यक्रम भी हैं जो विषय के विशिष्टतम उपयोगों की ओर अभिमुख हैं। वे लोग जो दुर्गम एवं दूरवर्ती स्थानों में निवास करते हैं, जिनका सम्पूर्ण जीवन हाशिए पर रहा है, तथा जो समाज की मुख्य धारा से वंचित रहे हैं, ऐसे सभी वर्गों को दूरस्थ शिक्षा पुनः केन्द्र में लाकर एक सम्माननीय शैक्षिक जीवन जीने के लिए सशक्त करती है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने अनेक नूतन, समसामयिक एवं उपयोगी शैक्षणिक कार्यक्रमों को सम्प्रेषण के नवीनतम प्रयोगों तथा सम्पर्क-सत्रों द्वारा अधिक सुदृढ़ बनाता रहा है। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य इस राज्य के त्वरित विकास एवं उन्नयन हेतु प्रशिक्षित एवं विभिन्न कौशलों में दक्ष उपयोगी मानव संसाधनों का विकास करना है तथा यह निरन्तर प्रयास है कि शिक्षा की गुणवत्ता में कभी किसी भी स्तर पर कोई समझौता न किया जाय। व्यावसायिक एवं कौशलपरक शिक्षा में तीव्रता से हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अपने पाठ्यक्रमों को इस प्रकार पुनर्गठित किया है कि रोजगार एवं स्व-रोजगार के नित्य नए अवसर उपलब्ध हो सकें।

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय द्वारा द्वितीय वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष - 2016-17) राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के महत्वपूर्ण सात मानकों के अनुरूप निर्मित किया गया है। इसके लिए मैं सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को बधाई देता हूँ।

प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र
कुलसचिव

विश्वविद्यालय: एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, उत्तराखण्ड शासन के एक्ट 23, 2005 द्वारा विधानसभा में पारित प्रस्ताव के माध्यम से हुई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा का प्रदान करना, शिक्षा को रोजगारपरक एवं तकनीकी रूप में सर्वजन सुलभ ढंग से उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों तक के निवासियों तक पहुँचाना तथा शिक्षा को सर्वजन सुलभ बनाना है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना को 11 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन 11 वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने प्रगति की नित्य-नवीन ऊँचाइयों को छुआ है। सीमित अवधि और अल्प संशाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुदूर क्षेत्रों तक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानी के अतिरिक्त देहरादून में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 229 अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है। मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र और विकेन्द्रीकरण का अद्भूत समन्वय होता है। एक ओर इसकी अपनी संदृष्टि और कार्य–उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न केन्द्र होते है अर्थात् एक केन्द्र और फिर उसके बहुकेन्द्र। इस प्रक्रिया में केन्द्रीयता भी होती है और जनबद्ध-बोझिल एकरूपता का अभाव भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों पर संचालित होने वाले कार्यक्रम इसकी लोकधर्मिता, संजीवता व व्यापक प्रकार की ही प्रतिध्वनि हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में 80 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान आदि विषयों से लेकर प्रबन्धन, पर्यटन जैसे रोजगारपरक विषय भी हैं। सत्र 2016-2017 विश्वविद्यालय के लिए विशेष उपलब्धियों से युक्त रहा हैं।

- विश्वविद्यालय में सत्र 2016-17 में प्रथम बार दीक्षान्त समारोह का आयोजन हुआ। यह न केवल उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के लिए अपितु हल्द्वानी के लिए भी ऐतिहासिक क्षण था। यह दीक्षान्त समारोह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव के अद्वितीय प्रयासों की फलश्रुति है। शहर के इस प्रथम दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तराखण्ड सरकार डॉ0 के0के0 पॉल तथा विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मन्त्री माननीया डॉ0 इन्दिरा हृदयेश की उपस्थिति विशेष गौरवमयी रही। इस दीक्षान्त समारोह में राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों के कुलपति, मिडिया जगत के प्रमुख पत्रकार बन्धु एवं शहर के गणमान्य व्यक्तियों की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के माननीय सदस्यों की उपस्थिति ने भी इसे गरिमामय बनाने में विशेष भूमिका अदा की।
- उत्तराखण्ड राज्य की प्रथम आई.टी. अकादमी की स्थापना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर में माननीया उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ0 इन्दिरा हृदयेश तथा प्रोफेसर पुष्पेश पन्त की गौरवमयी उपस्थिति में हुई। इस आइटी अकादमिक की स्थापना माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी के सत्प्रयासों का परिणाम है। यह अकादमिक भविष्य में राज्य के युवाओं के लिए बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म बनेगी। न केवल रोजगार के दृष्टि से अपितु तकनीकी संसार को जोड़ने की दृष्टि से यह अकादमी भविष्य में राज्य के लिए एक धरोहर बनेगी।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ग्यारहवाँ स्थापना दिवस विश्वविद्यालय के मुख्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ, के

कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने 'प्रगति के सोपान' नामक पुस्तिका लोकार्पित की।

- वर्ष 2016-17 में विश्वविद्यालय द्वारा अपनी शैक्षणिक स्तम्भों को और मजबूती करने की दिशा में ज्योतिष, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, रसायन तथा भूगोल आदि विषयों में पाँच नवीन सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई। साथ ही आठ लिपिक एवं तीन वाहन चालकों का भी विनियमितीकरण किया गया।
- इस अवधि में विश्वविद्यालय ने अधिकांश विषयों में स्व-निर्मित अध्ययन सामग्री का निर्माण किया।
- विश्वविद्यालय ने सत्र 2016-17 से दो बार प्रवेश-प्रक्रिया की शुरूआत की। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने प्रथम बार वर्ष 2017 में जनवरी मास में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ किया, तथा अग्रिम प्रवेश के लिए मई मास निर्धारित किया।
- अकादमिक दृष्टि से विश्वविद्यालय की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए 40 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को विषय की अद्यतन जानकारी दी गई तथा साथ ही सम्बन्धित विषय के व्यवहार पक्ष को समझाया गया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सदस्यों द्वारा बड़े स्तर पर संगोष्ठियों में प्रतिभाग किया गया। इस अवधि में विश्वविद्यालय सदस्यों ने 100 से ज्यादा संगोष्ठियों में व्याख्यान / शोधपत्र पढ़े।
- विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों की शैक्षणिक प्रगति भी पर्याप्त सन्तोषप्रद रही । इस अवधि में उनके द्वारा अनेक शोधपत्रों / लेखों का प्रकाशन देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुआ।
- विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों ने बड़े स्तर पर विश्वविद्यालय के लिए पाठ्य-पुस्तकों का सम्पादन किया तथा स्वयं इकाईयाँ लिखीं।
- विश्वविद्यालय के छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं में रोजगार के अवसर मिले। विश्वविद्यालय की छात्रा 'नमामि बंसल' का चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा में हुआ, जो हर्ष का विषय है। अन्य विषयों में भी छात्रों का व्यापक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में चयन हुआ।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति

कुलपति, प्रोफेसर एस.एस. हसन (**कार्यकाल :** 22 नवम्बर 2005-15 जुलाई 2008)

22 नवम्बर, 2005 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रथम पूर्णकालिक कुलपति प्रोफेसर एस.एस.हसन द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही विश्वविद्यालय ने व्यवस्थित रूप में कार्य करना प्रारम्भ किया। विश्वविद्यालय का औपचारिक शुभारम्भ 25 नवम्बर, 2005 को हल्द्वानी में आयोजित एक समारोह में तत्कालीन मुख्यमन्त्री श्री नारायण दत्त तिवारी द्वारा किया गया।

प्रमुख कार्य विवरण

- प्रो0 एस.एस.हसन ने विश्वविद्यालय में शैक्षिक कार्यक्रमों को प्रारम्भ करने के लिए 21-22 अप्रैल, 2006 को नैनीताल में एक कार्यशाला आयोजित करायी। इस कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यों के मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा मुक्त व दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से सम्बद्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने प्रतिभाग कर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रथम चरण में कला, वाणिज्य और पर्यटन में स्नातक कार्यक्रमों को प्रारम्भ किया जाये तथा द्वितीय चरण में डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारम्भ किये जायें।
- शैक्षिक सत्र 2006-07 में विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हुई और स्नातक वाणिज्य व स्नातक पर्यटन के साथ स्नातक कला के स्तर पर अंग्रेजी, उर्दू, इतिहास, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन व समाज शास्त्र आदि विषयों में 2776 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।
- शैक्षिक सत्र 2007-08 के लिए बी.ए., बी.कॉम., तथा बी.टी.एस. के साथ ही हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, टूरिज्म एवं संस्कृत भाषा में डिप्लोमा तथा टी.वी. रिपेयरिंग एंड मेन्टेनेन्स एवं उर्दू में प्रमाण पत्र कार्यक्रम छात्रों को उपलब्ध कराये गये।
- शैक्षिक सत्र 2007-08 में छात्रों ने डिप्लोमा इन टूरिज्म और 59 छात्रों ने डिप्लोमा इन होटल मेनेजमैण्ट कार्यक्रमों में तथा 1829 छात्रों ने स्नातक कार्यक्रमों सहित कुल 1898 छात्रों ने प्रवेश लिया।
- शैक्षिक सत्र 2008-09 में कुल 1503 छात्रों ने प्रवेश लिया, जिनमें 125 छात्रों ने डिप्लोमा कार्यक्रमों और 1378 छात्रों ने स्नातक कक्षाओं में प्रवेश लिया। प्रो0 हसन के कार्यकाल में सहायक प्राध्यापकों एवं प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी प्रारम्भ हुई और इन पदों के लिए आवेदन पत्र माँगे गये।

कुलपति के रूप में प्रोफेसर एस.एस.हसन का कार्यकाल, विश्वविद्यालय की संरचना निर्माण और उसको एक आधारशिला प्रदान करने से सम्बन्धित रहा। उन्होंने कला, वाणिज्य और पर्यटन में स्नातक कक्षाओं के साथ ही कुछ डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम को भी आरम्भ किया और छात्रों के लिए लगभग 23 अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की। उत्तराखण्ड के सभी 13 जिलों में परीक्षा केन्द्र बनाकर परीक्षाओं का सफल संचालन सुनिश्चित कराया। विभिन्न चर्चाओं, बैठकों, गोष्ठियों एवं जनसंपर्क के द्वारा प्रोफेसर हसन ने उत्तराखण्ड में दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया। दिनांक 15 जुलाई 2008 को प्रोफेसर हसन का कुलपति पद का कार्यकाल के उपरान्त 16 जुलाई 2008 से 24 नवम्बर 2009 तक राज्य के मुख्य सचिव श्री इन्दु कुमार पाण्डे ने कुलपति पद का अतिरिक्त प्रभार सम्भाला।

<u>कुलपति, प्रोफेसर विनय कुमार पाठक</u> (कार्यकाल: 25 नवम्बर 2009 – 24 नवम्बर 2012)

25 नवम्बर, 2009 को प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वितीय पूर्णकालिक कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

प्रमुख कार्य विवरण

प्रोफेसर पाठक ने विश्वविद्यालय के विकास के लिए एक साथ अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं पर कार्य करना प्रारम्भ किया।

- दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के ढाँचे को दृढ़ता से विकसित करने के लिए उत्तराखण्ड के सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देते हुए आठ क्षेत्रीय केन्द्र देहरादून, रूड़की, पौड़ी, उत्तरकाशी, हल्द्वानी, द्वाराहाट, पिथौरागढ़, एवं बागेश्वर में स्थापित हुए और केन्द्र निदेशकों की नियुक्ति हुई।
- अध्ययन की सुविधा के लिए 216 अध्ययन केन्द्र स्थापित किये गयें।
- शैक्षिक सत्र 2010-11 में विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई और यह संख्या 7380 तक पहुँच गई।
- विश्वविद्यालय के प्रति जनसामान्य में जागरूकता हेतु अभियान चलाये गये एवं विश्वविद्यालय के प्रचार एवं प्रसार के लिए योजनाबद्ध रूप से सम्पर्क अभियानों को संचालित किया गया।
- अकादमिक गतिविधियों में तेजी लाई गयी और स्नातक के साथ ही स्नातकोत्तर स्तर और व्यावसायिक शिक्षा में भी पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गये।
- अध्ययन सामग्री के लिए विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों के साथ अनुबन्ध किए गये।
- विश्वविद्यालय में अनेक संगोष्ठियाँ, कार्यशालायें, परिचर्चा एवं सम्मेलन आदि आयोजित किए गये।
- विश्वविद्यालय ने सन 2010 में भीमताल में एक कार्यशाला आयोजित करायी। इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा मुक्त व दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से सम्बद्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने प्रतिभाग कर विचार-विमर्श किया।
- विश्वविद्यालय की अध्ययन परिषद, कार्य परिषद, वित्त समिति का गठन किया गया और विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों की स्वीकृति के लिए विद्या परिषदों की बैठकें आयोजित की गयीं।
- विश्वविद्यालय ने छात्रों के हित में हिल्ट्रॉन, यूनीवर्सिटी18, केफे-टी, एफटीडीसी, इण्डो-डच, टाटा मोटर्स, आइकेसी पुणे, इण्टेल जैसी संस्थाओं के साथ अनुबन्ध किया।
- विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना हुई और उत्कृष्ट सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विकसित हुई, जिसके तहत विद्यार्थियों के प्रवेश, पुस्तक वितरण, शुल्क, परीक्षा एवं अकादमिक स्टाफ से सम्बन्धित सभी सूचनाओं का डाटा बेस बनना आरम्भ हुआ।
- विश्वविद्यालय से सम्बन्धित सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ नवनिर्मित वैबसाइट में डाली गयीं तथा छात्रों को सूचना देने के लिए एसएमएस प्रणाली का उपयोग किया जाने लगा।
- छात्रों की समस्या हल करने के लिए टॉल फ्री नम्बर 18001804025 दिया गया और ऑनलाइन समस्या निवारण का प्रावधान भी किया गया।

- शैक्षिक सत्र 2011-12 में विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या बढ़कर 13729 तक जा पहुँची तो शैक्षिक सत्र 2012-13 में यह संख्या 21316 हो गयी।
- शैक्षिक सत्र 2012-13 से विश्वविद्यालय ने स्वनिर्मित पाठ्यसामग्री स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों को देना प्रारम्भ किया।
- विभिन्न कार्यक्रमों के लिए स्वनिर्देशित अध्ययन सामग्री निर्माण के लिए कार्यशालायें एवं संगोष्ठियाँ आयोजित की गयीं। अकादमिक गतिविधियों में वृद्धि के लिए विभिन्न विषयों में सेमिनार का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय में लगभग 55 लाख रूपये की स्तरीय पुस्तकों से सम्पन्न केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना की गई और विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका 'उड़ान' का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ।
- 23 मई 2011 को तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट अल्वा एवं माननीय मुख्यमन्त्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा तीनपानी बाइपास के समीप विश्वविद्यालय परिसर की आधारशिला अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में रखी गयी और परिसर का निर्माण आरम्भ हुआ। सन 2012 के मध्य विश्वविद्यालय स्वयं के भवन में स्थानान्तरित हो गया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का कम्युनिटी रेडियो 'हैलो हल्द्वानी 91.2 एफ.एम भी शुरू किया गया।

कुलपति के रूप में प्रोफेसर विनय कुमार पाठक का कार्यकाल विश्वविद्यालय की नींव को और मजबूत करते हुए तेजी से विकास का काल रहा। जब प्रोफेसर पाठक ने विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया तब विश्वविद्यालय में 05 स्नातक कार्यक्रम, 02 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम और 01 डिप्लोमा कार्यक्रम चल रहे थे। प्रोफेसर पाठक के कार्यकाल के अन्तिम चरण तक विश्वविद्यालय में 14 विषयों में पी-एच.डी., 33 परास्नातक, 10 स्नातक, 15 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम, 20 डिप्लोमा कार्यक्रम और 36 प्रमाण पत्र कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध थे। प्रोफेसर पाठक के कार्यकाल में अध्ययन केन्द्रों की संख्या भी 23 से बढ़कर 329 तक जा पहुँची। उनसे पूर्व कोई विद्याशाखा न थी; उन्होंने विश्वविद्यालय में नौ विद्याशाखाएँ स्थापित की। उनके कार्यकाल के आरम्भ में केवल 02 अधिकारी और 20 आकस्मिक कर्मचारी कार्यरत थे, कोई क्षेत्रीय केन्द्र न था, लेकिन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पाठक के कार्यकाल के अन्तिम चरण तक 10 अधिकारी, 05 प्रोफेसर, 17 असिस्टेन्ट प्रोफेसर स्थाई रूप से और लगभग 120 वैज्ञानिक/शैक्षिक परामर्शदाता/कर्मचारी संविदा अथवा निश्चित मानदेय पर कार्यरत थे तथा विश्वविद्यालय का एक पूर्ण विकसित ढाँचा विद्यमान था। 24 नवम्बर 2012 को प्रोफेसर पाठक का कुलपति पद का कार्यकाल के उपरान्त दिनांक 25 नवम्बर 2012 से 13 फरवरी 2013 तक प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल ने कार्यकारी कुलपति के रूप में कार्य किया।

कुलपति, प्रोफेसर सुभाष धूलिया (कार्यकाल:14 फरवरी 2013 – 13 अप्रैल 2016)

14 फरवरी 2013 को प्रोफेसर सुभाष धूलिया ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के तृतीय पूर्णकालिक कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

प्रमुख कार्य विवरण

कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त प्रोफेसर धूलिया ने प्रोफेसर पाठक के समय हुए कार्यों को स्थायित्व देने और भविष्य में विश्वविद्यालय को विकास की नयी ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अनेक समीक्षा बैठक की और भविष्य की योजना तैयार की।

- 18 अप्रैल 2013 को नये अकादमिक ब्लॉक का भूमि पूजन किया गया। शैक्षिक कार्यक्रमों को अधिक व्यवस्थित करने के उद्देश्य से 04 नई विद्याशाखाएँ स्थापित की गयीं और 49 शैक्षिक कार्यक्रमों को 13 विद्याशाखाओं के अन्तर्गत शामिल किया गया।
- विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई और शैक्षिक सत्र 2013-14 में विद्यार्थियों की संख्या 22272, शैक्षिक सत्र 2014-15 में 23875 और शैक्षिक सत्र 2015-16 में यह संख्या 33095 हो गयी।
- विश्वविद्यालय के बारे में जनसामान्य में जागरूकता हेतु अभियान चलाये गये, विश्वविद्यालय के प्रचार एवं प्रसार के लिए योजनाबद्ध रूप से सम्पर्क अभियानों को संचालित किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा पाँच गावों को गोद लिया गया और इन गाँवों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने का संकल्प लिया गया। इन गाँवों में स्वास्थ्य परीक्षण के शिविर भी आयोजित किये गये।
- विश्वविद्यालय में अनेक संगोष्ठियाँ, कार्यशालायें, परिचर्चाएं, सम्मेलन आयोजित किये गये और विद्वत् जनों तथा प्रतिष्ठित व्यक्तियों का स्वागत एवं व्याख्यान आयोजित किये गये।
- दूरस्थ प्रणाली के तहत सुदूर गावों तक ज्ञान के प्रसार के लिए आभासीय कक्षाओं के संचालन हेतु प्रोफेसर धूलिया ने इलैक्ट्रोनिक मीडिया प्रोडॅक्शन सेण्टर स्थापित किया।
- विश्वविद्यालय पुस्तकालय में राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, दिल्ली के सहयोग से लगभग 6 हजार पुस्तकों व शोध पत्रिकाओं को कम्प्यूटरीकृत किया गया।
- उत्तराखण्ड राजकीय महाविद्यालयों में चलायी जा रही एड्यूसैट परियोजना के संचालन का दायित्व उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ।

कुलपति के रूप में प्रोफेसर सुभाष धूलिया का कार्यकाल विश्वविद्यालय की नींव को और मजबूत करते हुए उसके संसाधनों को विकसित करते हुए व्यतीत हुआ। प्रोफेसर सुभाष धूलिया ने विश्वविद्यालय की अकादमिक विकास यात्रा को गति प्रदान की। प्रोफेसर धूलिया ने सम्पूर्ण पाठ्यसामग्री को ऑनलाइन कन्टेन्ट को विकसित करवाने की दिशा में कार्य किया। उनका यह विजन था की विश्वविद्यालय वर्चुअल क्लास रूम की स्थापना हो जिसका लाभ यहाँ के छात्रों को मिल सकें। इसके अतिरिक्त कम्प्यूटर एवं आइटी के क्षेत्र में कई नई परियोजनाओं के विकास का श्रेय भी प्रोफेसर धूलिया को जाता है।

1. पाठ्यचर्या आयाम
(Curricular Aspects)

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके शैक्षणिक कार्यक्रम उसके दृष्टिगत दायित्व के परिचालक होते हैं। विश्वविद्यालय जब किसी विषय में कोई पाठ्यक्रम संचालित करता है, उससे हम उसकी क्रियात्मकता एवं समाज के प्रति उसके दृष्टि एवं उत्तरदायित्वों को समझ सकते हैं। इस प्रकार शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के आंतरिक दर्शन का बाह्य विस्तार होता है। कारण यह है कि इन्हीं के माध्यम से वह अपने शैक्षिक – सामाजिक उत्तरदायित्वों का प्रसार करता हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय उत्तराखण्ड के दूरस्थ व्यक्तियों को उच्च शिक्षा से तो जोड़ना है ही, साथ ही विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी कृत संकल्प है कि राज्य एवं देश के अध्येताओं को तकनीकी एवं आधुनिक विषयों को उच्च शिक्षण सामग्री के साथ प्रस्तुत करे, जिससे अध्येताओं के सामने गम्भीर चिन्तन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत हो सके। इस समय विश्वविद्यालय 80 पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है, जो परम्परागत पाठ्यक्रम (बी.ए,एम.ए.,बी.कॉम,एम.कॉम) से लेकर आधुनिक रोजगारपरक विषयों से भी जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष कुछ नए पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, रेडियो जॉकी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ ही संस्कृत तथा ज्योतिष जैसे पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय इस बात के लिए कृत संकल्प है कि वह अपने पाठ्यक्रमों में परम्परागत शिक्षा के साथ ही आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी समावेश कर सके।

1.1. कार्यक्रम की प्रकृति (Nature of the Programmes)

पाठ्यक्रम के बाह्य संरचना के स्तर पर इसे वार्षिक, सेमेस्टर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विभक्त किया गया है। बी.ए,एम.ए. जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम वार्षिक हैं, जबकि एम.बी.ए., एम.जे.एम.जी एम.टी.एम,एम.एच.एम. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर पद्धति के अनुसार रखा जाता है । भविष्य में बी.ए,एम.ए,बी.कॉम,एम.कॉम जैसे पारम्परिक पाठ्यक्रमों को भी सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत रखे जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रखा गया है।

1.2. पाठ्यक्रम और क्रेडिट प्रणाली (Syllabus and Credit System)

मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति में प्रत्यक्ष शिक्षण पद्धति के कक्षा – अध्यापन के समतुल्य स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है। यह अध्ययन सामग्री कक्षा अध्यापन का लिखित प्रतिरूप है, इसलिए एक विशेष व्यवस्था के तहत इसे नियोजित किया जाता है । पाठ्यक्रमों की समयावधि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विभाजित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विभिन्न श्रेणी के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग क्रेडिट्स तथा अध्ययन अवधि निर्धारित की गयी है। इस व्यवस्था में, एक (01) क्रेडिट का अभिप्राय 30 घंटे के छात्र अध्ययन के बराबर माना जाता है, जिसमें समस्त अध्ययन गतिविधियॉ शामिल हैं, जैसे: पढ़ने और स्वअध्ययन सामग्री (SLM) को समझने, ऑडियो सुनने, वीडियो देखने, परामर्श सत्र में भाग लेने, दूरसंवाद और सत्रीय कार्य लेखन, इत्यादि।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित क्रेडिट एवं सामान्य अवधि का विवरण निम्नवत हैं-

पाठ्यक्रम	निर्धारित क्रेडिट	पाठ्यक्रम की सामान्य अवधि
प्रमाण-पत्र	12-18	6 मास
डिप्लोमा / पी.जी. डिप्लोमा	28-36	1 वर्ष

स्नातक उपाधि (सामान्य / व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष
स्नातक उपाधि (प्राविधिक)	160-105	5 वर्ष
द्वितीय स्नातक उपाधि	32	1 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (सामान्य)	60-66	2 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (प्राविधिक/व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष

1.3. विद्याशाखाएं (Schools)

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 13 विद्याशाखाओं एवं 49 विभागों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। ये विद्याशाखाएं निम्नलिखित हैं:-

1. कृषि एवं विकास अध्ययन
2. कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी
3. स्वास्थ्य विज्ञान
4. विज्ञान
5. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
6. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य
7. शिक्षाशास्त्र
8. मानविकी
9. समाज विज्ञान
10. विधि
11. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
12. पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन
13. व्यावसायिक अध्ययन

1.4. पाठ्यक्रम एवं स्व-अध्ययन सामग्री(Curriculum and SLM)

मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धति का आधार स्वचिंतन, स्वाध्याय एवं स्व-निर्माण है। प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति का आधार गुरू ज्ञान एवं गुरू व्यक्तित्व की समीपता है। प्रत्यक्ष शिक्षण- पद्धति में गुरू-शिष्य संवाद की पर्याप्त गुंजाइश तो है, किन्तु धीरे-धीरे उनका स्थान शिलाधर्मी गुरुओं के एकालापी वक्तव्य ने ले ली है। फलत: प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति एकालाप तथा ज्ञान के आतंक तक सीमित होती चली गयी। मुक्त शिक्षण पद्धति ज्ञान के एकालापी पद्धति की जगह गुरू – शिष्य संवाद को स्थापित करती है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्व- अध्ययन सामग्री गुरू की लिखित उपस्थिति है। श्रेष्ठ लेखकों /प्राध्यापकों द्वारा निर्मितअध्ययन सामग्री छात्रों को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं ही ज्ञान के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित कर सकें। ज्ञान की सार्थकता तब तक नहीं होती जब तक कि वह छात्र के भीतर स्वयं ही प्रश्न निर्मित करने की योग्यता न उत्पन्न कर दे। मुक्त शिक्षा पद्धति में स्तरीय अध्ययन सामग्री के माध्यम से हम यह कार्य करते हैं। स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण में मनोवैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्र के वातावरण, उसकी मानसिक गति-स्थिति तथा प्रश्नों –सामग्री के क्रमिक विस्तार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया जाता है।

पाठ्यवस्तु का निर्माण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अत्यन्त महत्वपूर्ण घटकों में से है। पाठ्यक्रमों को सहज एवं बोधगम्य बनाने हेतु उन्हें सबसे पहले विषय केंद्रित खण्डों (ब्लॉक) में विभक्त किया जाता है। तत्पश्चात्

प्रत्येक खण्ड को चार से छ: छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त किया जाता है। यहाँ मुख्य ध्येय यह है कि विद्यार्थी एक या दो चरण में एक इकाई का पूर्ण अध्ययन कर सके। पाठ्यवस्तु की शैली इस प्रकार नियोजित की जाती है कि वह कक्षा में अध्यापक की उपस्थिति को प्रतिबिंबित कर सके। इसलिए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के बीच-बीच में ऐसे प्रश्नों की श्रृंखला दी जाती है, जो उन्हें प्रेरित करने के साथ –साथ उस पाठ का तथ्यपरक ज्ञान भी करा सकें। कठिन तथा पारिभाषिक शब्दावली की आख्या द्वारा जटिल तथ्यों एवं विचारों को बोधगम्य बनाया जाता है। अध्ययनार्थियों को व्यापक एवं गहन अध्ययन के लिए उस विषय के महत्वपूर्ण तथा सहायक ग्रन्थों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। इकाई के अन्त में दिये गये प्रश्न परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों के लिए सहायक होते हैं।

1.5. ऑडियो – विजुअल सामग्री (Audio-visual Material)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति को रोचक एवं प्रभावशाली बनाये जाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडिया-विजुवल व्याख्यानों को विकसित किया गया है। ऑडियो-विजुअल की कुछ सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ ब्लॉक के अनुसार ऑडियो- विजुअल सामग्री का विकास किया जाए फलस्वरूप विद्यार्थी को पाठ्य की सामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके । विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो – विजुअल व्याख्यानों को 'एडुसेट' के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों मे अपने स्वयं के अध्ययन केंद्रो से प्रसारित करने की योजना है,जिससे विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इस दिशा में हमारे केंद्र कार्य कर रहे हैं और वे सफल रहे हैं।

1.6. स्व-अध्ययन पाठ्यसामग्री लेखन एवं प्रशिक्षण (Study material writing and training)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के कुछ एक वर्षो में ही अपनी पाठ्य सामग्री का निमार्ण प्रारंभ करा दिया था। आज विश्वविद्यालय ने लगभग सारे विषयों में अपनी पाठ्य सामग्री निर्मित कर ली है। विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री नवीन ज्ञान-विज्ञान, शोधपरक दृष्टि एवं तथ्यात्मकता से युक्त है। प्रत्येक विषय के विषय समन्वयक के निर्देशन में विषय विशेषज्ञों की सहायता से विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री प्रत्यक्ष शिक्षण का विकल्प होता है, इसलिए इसकी लेखन-प्रक्रिया सामान्य पुस्तक लेखन प्रक्रिया से भिन्न होती है। सामान्य लेखन में लेखक अपने मतों को अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर देता है। उसके लेखन के केंद्र में कोई निश्चित पाठक नहीं होता। वह अपने मत को व्यक्तिगत करके लिख देता है। इस लेखन की अपनी स्तरीयता के अनुरूप ही पाठक स्वयं तय हो जाते हैं ।

अत: लेखक पाठ की सम्प्रेषणीयता से मुक्त होता है। किन्तु मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री का निमार्ण सुनिश्चित पाठक के आधार पर होता है। इसलिए इसकी प्रक्रिया सरल भी होती है और ज्यादा वस्तुनिष्ठ भी। स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एक विशेष पद्धति (संवादात्मक) पर होता है, इसलिए यह पद्धति व्याख्यात्मक पद्धति से भिन्न होती है। इन्हीं कारणों से जब स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है, तब इसके लेखन में विशेष सावधानी की आवश्यकता पड़ती ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर बाह्य एवं आंतरिक विषय-विशेषज्ञों की सहायता से स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण की कार्यशाला आयोजित करता रहता है, जिससे उच्च पाठ्य सामग्री निर्मित हो सके। इस प्रकारके पाठ्य सामग्री लेखन की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण से एक तो विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री उन्नत होती है तो दूसरे उनमें एकरूपता भी आती है।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री की रूपरेखा इस प्रकार है –

क्रम संख्या	विषय	विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री
1.	अंग्रेजी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
2.	हिन्दी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
3.	संस्कृत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
4.	ज्योतिष	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
5.	उर्दू	बी0ए0
6.	संगीत	बी0ए0
7.	सामाजिक कार्य	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
8.	इतिहास	बी0ए0
9.	लोक प्रशासन	बी0ए0
10.	राजनीति विज्ञान	बी0ए0
11.	योग	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
19.	गृह विज्ञान	डीपीएचसीएन
20.	पर्यटन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
21.	होटल मैनेजमेन्ट	डीएचएम & बीएचम
22.	अर्थशास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
23.	शिक्षाशास्त्र	बी0ए0 व एम0ए0

विषयवार अध्ययन सामग्री की सूची

1.7 कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशाला/परियोजना कार्य

1.7.1 मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति में ज्ञान तथा पाठ को सैद्धान्तिक रूप देकर ही छोड़ नहीं दिया जाता अपितु उसे व्यवहारिक निकष पर भी कसा जाता है। ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला को एक प्रकार से हम सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक परीक्षण या उपस्थापन के रूप में समझ सकते हैं। कार्यशाला आयोजन के पीछे मुख्य मत यह है की छात्र के अध्ययन सामग्री वाचन के पश्चात उसके ज्ञान की व्यवहारिक उपस्थिति का पता लगाना। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अतिरिक्त बाह्य विषय-विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, जिससे छात्र विषय को सैद्धान्तिक और व्यवहारिक रूप में ग्रहण करने की समुचित योग्यता धारण कर सके।

विज्ञान, शिक्षा, समाज कार्य, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त कुछ पाठ्क्रमों में परियोजना कार्य पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी के प्रायोगिक/व्यावहारिक/शोधपरक ज्ञान में वृद्धि हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षण पाठ्यक्रम मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की त्रिस्तरीय व्यवस्था द्वारा संचालित होते हैं। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 8 क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा नियन्त्रित तथा

निर्देशित होते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र अपने क्षेत्र में स्थित अध्ययन केन्द्रों और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय तथा सक्रिय सहयोग की भूमिका निभाते हैं। अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार छात्रों का प्रवेश, पाठ्य-सामग्री परामर्श तथा प्रयोगात्मक कार्य से सम्बन्धित सभी कार्यों का सम्पादन करते हैं। समस्त शिक्षण कार्यों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केन्द्रों से ही होता है। इस समय विश्वविद्यालय में 229 अध्ययन केंद्र हैं।

1.8 निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं (आर.एस.डी.)

विश्वविद्यालय मुख्यालय में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग की स्थापना की गयी है। यह प्रभाग 8 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 229 अध्ययन केन्द्रों का नियमन एवं समन्वय करता है। (देखें परिशिष्ट – XIV & XV)

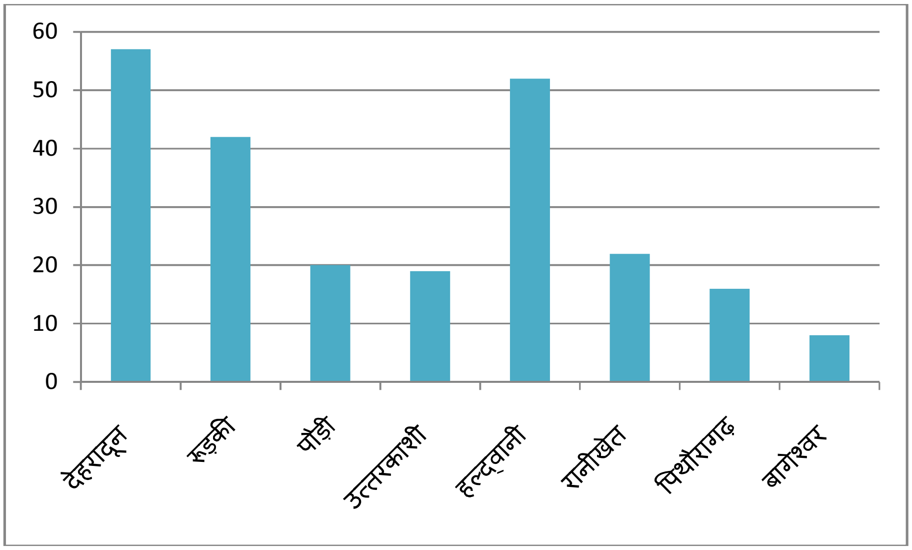

क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति

1.9 क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ये केन्द्र सामान्यतः भौगोलिक पहुंच एवं अध्ययन केन्द्रों की परिस्थिति के दृष्टिकोण से बीच की जगह में स्थापित किये गये हैं। ऐसे आठ क्षेत्रीय केन्द्र, जिसमें से चार गढ़वाल मण्डल में (देहरादून,रूड़की,पौड़ी एवं उत्तरकाशी) तथा चार कुमाऊँ मण्डल (रानीखेत, हल्द्वानी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़) में स्थापित किये गये हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

1.10 अध्ययन केन्द्र

अध्ययन केन्द्र मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति की प्राथमिक इकाई हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के द्वारा समुचित कार्यवाही के उपरान्त अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी सुविधानुसार अध्ययन केन्द्र चुनने की स्वतंत्रता होती है। छात्रों के प्रवेश के साथ साथ उनके लिए परामर्श सत्रों तथा प्रयोगात्मक कार्यों की व्यवस्था भी अध्ययन केन्द्रों द्वारा की जाती है। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रत्येक छात्र अपने विश्वविद्यालय से निरन्तर जुड़ा रहता है।

2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन
(Teaching: Learning and Evaluation)

2.1 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्र संख्या में क्रमश: वृद्धि होती रही है। ऊपर की सारिणी में आप देख सकते हैं कि 2006-07 में हमारी छात्र संख्या महज 2776 थी जो कि आज 40281 पहुँच चुकी है। बीच के वर्षों में हमारी छात्र संख्या में गिरावट भी आई, जिसका मुख्य कारण जनता के बीच मुक्त शिक्षा के प्रति उदासीनता था किन्तु हमने जल्द ही हमने पाठ्यक्रमों एवं शिक्षण विधि से यह विश्वास पैदा कर दिया कि मुक्त शिक्षा पद्धति आज की मुख्य शिक्षण विधि है। छात्रों की निरन्तर वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि हम अपने शिक्षण- कर्म को सामाजिक भूमि पर प्रतिष्ठित करने में सफल रहे हैं।

क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	छात्र संख्या
1	2006-07	2776
2	2007-08	1898
3	2008-09	1503
4	2009-10	629
5	2010-11	7380
6	2011-12	13729
7	2012-13	21316
8	2013-14	22272
9	2014-15	23875
10	2015-16	33095
11	2016-17	40,281

विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या की सूची

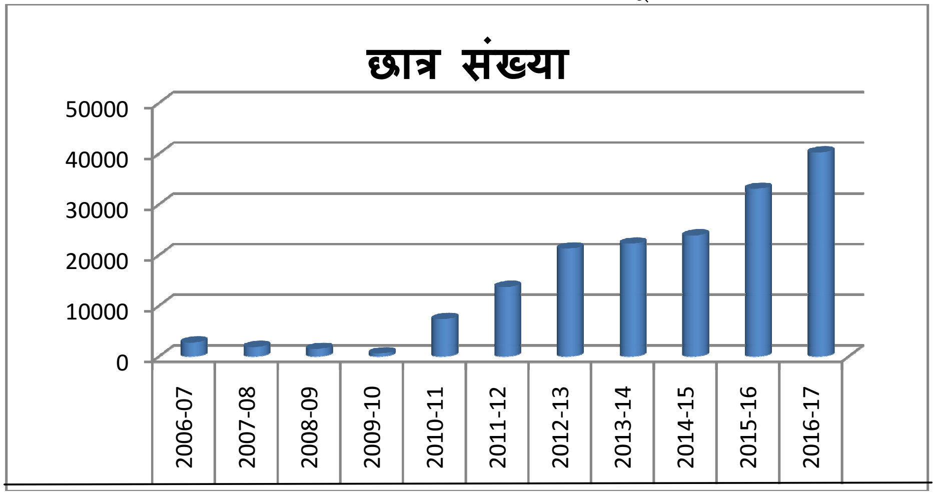

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संवृद्धि

- **सामान्य / दिव्यांग छात्र**

विश्वविद्यालय सामान्य छात्रों के साथ – ही साथ दिव्यांग छात्रों के लिए भी कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष कुल 32,749 छात्रों में से 346 दिव्यांग छात्र थे। सत्र 2016-17 में इनकी संख्या 372 हो गई है। कोई भी समाज नहीं चाहता कि उसके यहाँ अप्राकृतिक रूप से कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व का निवर्हन करे। बावजूद इसके हमारा दायित्व है कि दिव्यांग जाति छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए समय- समय पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन तो करता ही रहता है, साथ – ही- साथ अन्य मानवीय सहायता एवं सुविधा भी उपलब्ध करात है। विश्वविद्यालय का यह ध्येय है कि वह दिव्यांग छात्रों के भीतर आत्मविश्वास का संचार कर उन्हें इस योग्य बना दे, जिससे वह समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

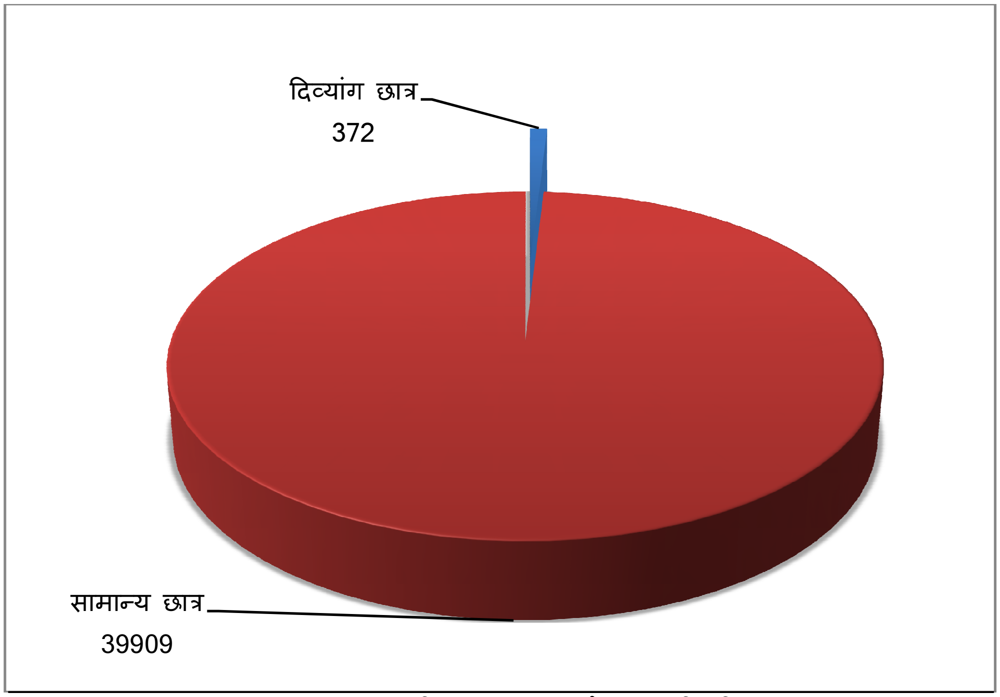

सामान्य/ दिव्यांग छात्र -वर्तमान परिस्थिति

- **पुरूष एवं महिला छात्र**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पुरूष और महिला दोनों वर्गों के समान अधिकार व विकास का पक्षधर है। बावजूद हमने महिलाओं की सुविधा को विशेष रूप से दृष्टिगत रखा है। अपने महिला कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए हमने हमेशा उनको आगे रखा है। पुरूष और महिला छात्रों की संख्या में भी इसीलिए समानता है, बल्कि महिला छात्रों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही है। पिछले वर्ष 16,501 पुरूष छात्रों के मुकाबले 16594 महिला छात्रथीं। इस वर्ष भी यह वृद्धि बनी हुई है। इस वर्ष 19932 पुरूष छात्रों के मुकाबले महिला छात्राओं की संख्या 20349 थी। यह अन्तर इस बात का सूचक है कि हम महिला छात्रों के प्रति एक अनुकूल अध्यापन परिसर का निर्माण – विकास करने में सफल रहे हैं।

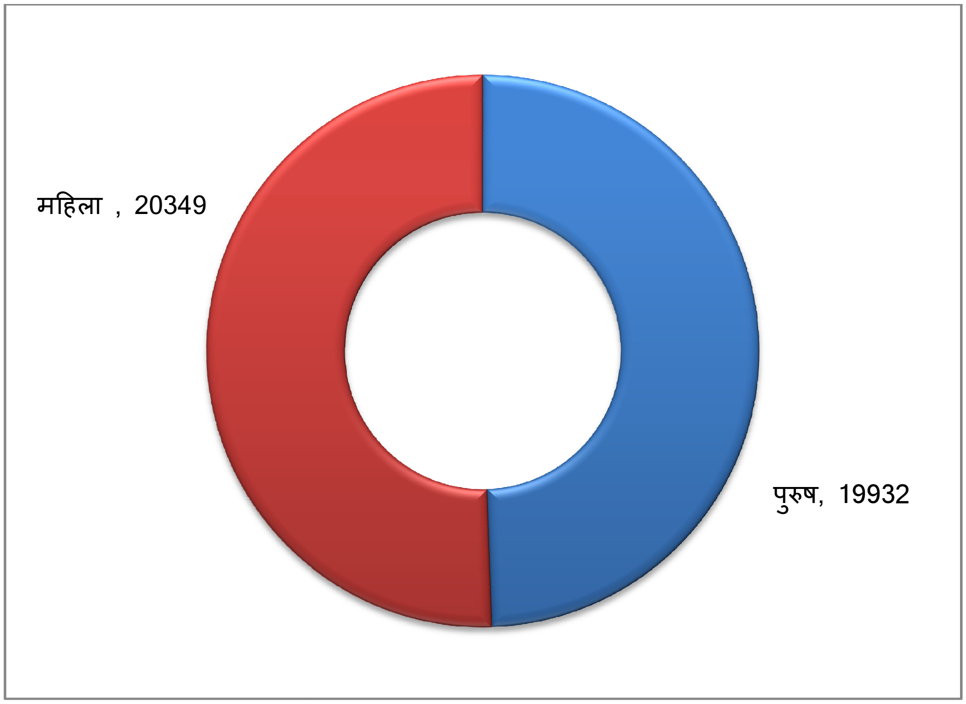

पुरुष और महिला छात्र

- **जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्र विभाजन**

किसी भी समाज का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक कि उस समाज के सभी वर्ग मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन जाते। भारतीय समाज का एक बड़ा अंतर्विरोध या विशेषता इसका जाति विभाजित समाज है। पूर्व की अपेक्षा आज हमारे समाज के सभी वर्गों की जातियाँ सामाजिक गतिशीलता में अपना योग दे रही हैं। एक अध्ययन परिसर के भीतर हमारा यह दायित्व है कि हम सभी वर्गों के लिए समान सुविधा व अवसर को विकसित कर सकें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग की सहायता से अनुसूचित जाति व जनजाति जाति के शुल्क वापसी का प्रावधान भी नियत किया है। विश्वविद्यालय के समावेशी चरित्र ने सभी वर्ग के छात्रों में अपनी विश्वसनीयता निर्मित की है। पिछले सत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ी जाति के 6314 छात्र थे, जबकि अनुसूचित जाति के 3382 एवं अनुसूचित जनजाति के 1440 छात्र नामांकित थे। इस इर्ष यह संख्या और बढ़ी है। सत्र 2016-17 में पिछड़े छात्रों की संख्या 8076 हो गई है, जबकि अनुसूचित जाति के 4022 छात्र एवं अनुसूचित जाति के 1892 छात्र नामांकित हैं। छात्रों के नामांकन की यह बढ़ी संख्या इस बात को दर्शित करती है कि हमने समावेशी शिक्षा की दिशा में अपने कदम मजबूती से बढ़ाये हैं।

विश्वविद्यालय में जाति वर्गीकरण के आधार पर नीचे दिए गए चार्ट द्वारा वर्षवार छात्रों की स्थिति का अवलोकन किया जा सकता है।

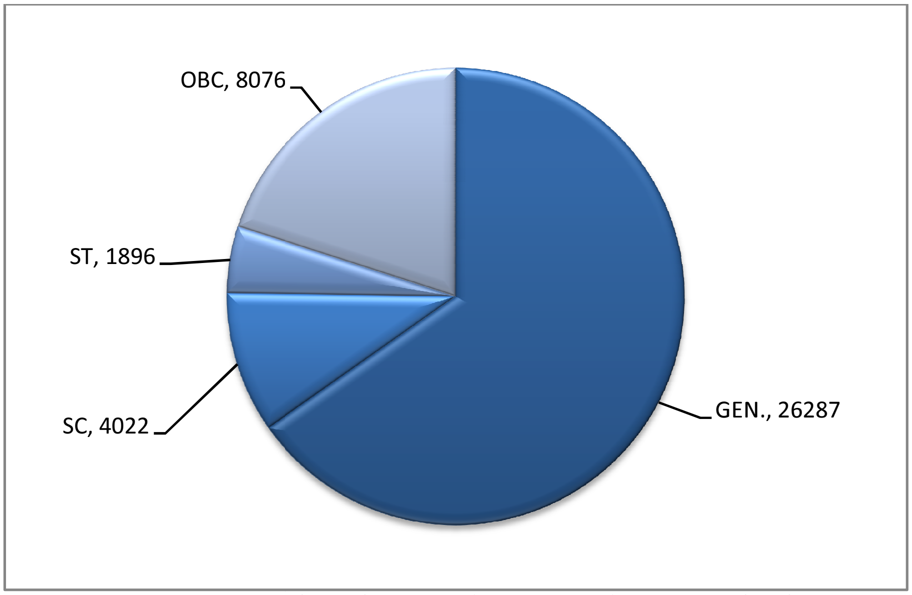

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 2016-17 में छात्र परिस्थिति

Category-wise Numbers of Students

Year	GEN.	SC	ST	OBC
2012-13	16994	2095	508	3798
2013-14	16240	2062	537	3690
2014-15	16825	2348	744	4403
2015-16	28881	1375	717	2569
2016-17	26287	4022	1896	8076

वर्ष वार जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्रों की संख्या

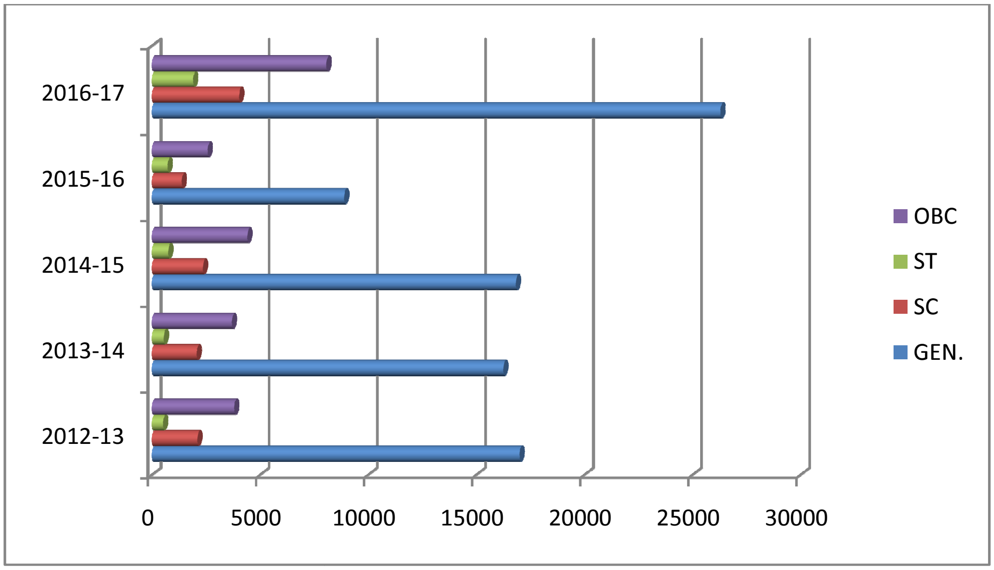

2.2 विद्याशाखाओं की अकादमिक गतिविधियाँ
(SCHOOL-WISE ACADEMIC ACTIVITIES)
मानविकी विद्याशाखा
(SCHOOL OF HUMANITIES)

❖ अंग्रेजी विभाग

- अंग्रेजी विषय में एम0ए तथा बी0ए0 द्वितीय व तृतीय वर्ष की पाठ्यसामग्रियों का भाषा सम्पादन कार्य किया गया।
- मानविकी विद्याशाखा के निर्देशकत्व में 'मानव मूल्य एवं आचार' (FHVA-17) आधार पाठ्यक्रम विकसित किया गया।

❖ संस्कृत विभाग

- डॉ0 देवेश कुमार मिश्र के द्वारा एम.ए. संस्कृत विषय के पाठ्यसामग्रियों का पुनर्सम्पादन कार्य किया गया।
- **गीता जयन्ती पर व्याख्यान माला**

विश्वविद्यालय में 7 दिसंबर 2016 को गीता जयन्ती के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से आये प्रोफेसर विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्र थे। प्रो0 मिश्र ने अपने व्याख्यान में गीता के सम्पूर्ण अध्यायों की विशद व्याख्या की। उन्होंने गीता के योग दर्शन पर विशेष प्रकाश डालते हुए गीता को योग की ओर उन्मुख करने वाला ग्रन्थ बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति महोदय ने गीता के दर्शन को जीवन में अपनाए जाने की आवश्यकता पर बल प्रदान किया। विचार गोष्ठी की प्रस्तावना मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एच. पी. शुक्ला ने रखी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेश कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहें।

गीता जयन्ती के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान की एक झलक

गीता जयन्ती समारोह में मुख्य वक्ता को सम्मानित करते हुए

❖ ज्योतिष विभाग

- ज्योतिष विषय में परास्नातक (एम0ए0) नवीन पाठ्यक्रम आरम्भार्थ प्रथम चरण में दिनांक 20 मार्च 2017 को पाठ्यक्रम निर्माण समिति (विशेषज्ञ समिति) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निदेशक, मानविकी विद्याशाखा के संयोजकत्व में विभागीय सहायक प्राध्यापक एवं समन्वयक डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी और बाह्य विषय विशेषज्ञ (प्रोफेसर शिवाकान्त झा, प्रोफेसर चन्द्रमा पाण्डेय तथा डॉ0 कामेश्वर उपाध्याय) के साथ मिलकर एम0ए0 ज्योतिष प्रथम व द्वितीय वर्ष की कुल नौ (09) प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम निर्माण किया गया।
- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड विषय के पाठ्सामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

❖ हिन्दी विभाग

- डॉ0 शशांक शुक्ला के द्वारा हिन्दी विषय के पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।
- **हिन्दी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन**

हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस 14 सितम्बर 2016 के अवसर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त वरिष्ठ आचार्य प्रो. विष्णु दत्त राकेश थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने की। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. राव ने कहा कि हिंदी को व्यवहारिक रूप में अपनाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने राष्ट्रीय आन्दोलन में हिंदी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला । मुख्य वक्ता प्रो विष्णुदत्त जी ने हिंदी की

ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी व्याकरण, उसकी संरचना तथा चेतना को भारतीय चेतना के रूप में देखने का प्रस्ताव किया। इस अवसर पर विद्या शाखा के निदेशक प्रो. एच पी शुक्ला ने हिंदी भाषा और साहित्य की संभावनाओं पर विचार करने का सुझाव दिया। संगोष्ठी की प्रस्तावना रखते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ शशांक शुक्ला ने कहा कि हिंदी भारतीय संस्कृति की प्रतिनिधि भाषा है। डॉ शुक्ला ने हिंदी भाषा के इतिहास पर भी नए ढंग से विचार किये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ राजेन्द्र कैड़ा ने किया।

हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी का छायाचित्र

❖ उर्दू विभाग

- उर्दू विषय के एम.ए. पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों का लेखन कार्य विभागीय शिक्षक द्वारा करवाया गया।

सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL 0F SOCIAL SCIENCES)

- दिनांक 8 मार्च, 2017 को दून विश्वविद्यालय देहरादून में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के अन्तर्गत राज्य में उच्च शिक्षा सुधार के सम्बन्ध में आयोजित किये गये Choice Based Credit System पर एकदिवसीय ओरिएण्टेशन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से प्रोफेसर गिरिजा पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- डॉ0 एम0एम0जोशी द्वारा विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र 2016-17 के लिए विवरणिका तथा ‘प्रगति के सोपान’ नामक पत्रिका सम्पादित की गई।
- डॉ0 घनश्याम जोशी द्वारा लोक प्रशासन विषय की अध्ययन सामग्री का सम्पादन किया गया।

वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा

(SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES AND COMMERCE)

- प्रबन्ध अध्ययन कार्यक्रमों में पंजीकृत छात्र व छात्राओं के लिए विशेष परामर्श सत्रों का आयोजन देहरादून व हल्द्वानी में किया गया। इन सत्रों में परियोजना कार्यों को तैयार करने व शोध के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।
- प्रबन्ध अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए विद्याशाखा ने प्रवेश परीक्षा व पुर्नप्रवेश परीक्षा का सफल आयोजन प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर किया गया।
- दिनांक 8 मार्च, 2017 को दून विश्वविद्यालय, देहरादून में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के अन्तर्गत राज्य में उच्च शिक्षा सुधार के सम्बन्ध में आयोजित किए गये Choice Based Credit System पर एक दिवसीय ओरिएण्टेशन कार्यक्रम में डॉ0 गगन सिंह, सहा0 प्रध्यापक, वाणिज्य तथा डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहा0 प्रध्यापक, प्रबन्ध द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL OF SCIENCE)

- वर्ष 2016-17 में विज्ञान विद्याशाखा के विभिन्न विभागों (भौतिकी, रसायन, वनस्पति, जन्तु विज्ञान व भूगोल विभाग) द्वारा बी0ए0/बी0एस0सी प्रथम वर्ष की कुल 19 पुस्तकों का लेखन/ सम्पादन कार्य किया।
- उत्तराखण्ड के सभी क्षेत्रों में विज्ञान के छात्रों के लिए उत्तरकाशी, पौड़ी, देहरादून, पिथौरागढ, रानीखेत, हल्द्वानी एवं हरिद्वार में सात कार्यशालाओ का आयोजन किया गया, जिसमें निम्नानुसार छात्रों ने प्रतिभाग किया –

स्नातकोत्तर स्तर पर कार्यशाला स्थल	**स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों की संख्या**
पौड़ी	57
उत्तरकाशी	119
देहरादून	331
हरिद्वार	131
हल्द्वानी	259
पिथौरागढ़	82
रानीखेत	91
कुल	**1070 छात्र**

स्नातकोत्तर स्तर पर कार्यशाला स्थल	**स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों की संख्या**
पौड़ी	11
उत्तरकाशी	32
देहरादून	55
हल्द्वानी	34
पिथौरागढ़	13
कुल	**145**

दिनांक 1/6/2016 से 10/6/2016 तक रसायन विज्ञान की कार्यशाला एस.जी.आर.आर.पी.जी. कॉलेज, देहरादून में

दिनांक 1 जून 2016 से लेकर 10 जून 2016 पर्यन्त दस दिवसीय रसायन विज्ञान की कार्यशाला में उपस्थित छात्र- छात्राओं द्वारा प्रयोगशाला में 'बाइनरी मिश्रण' का परीक्षण किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के शिक्षक डॉ0 चारू पन्त के द्वारा कार्बनिक एवं अकार्बनिक रसायन विज्ञान का उपयोग व महत्व को समझाया गया।

23/5/2016 से 29/5/2016 तक आयोजित वनस्पति विज्ञान की कार्यशाला आर0सी0यू0 पी0जी0 कॉलेज, उत्तरकाशी का छायाचित्र

भौतिकी विषय की कार्यशाला बी0जी0आर0 परिसर **में** (25/5/2016 से 3/6/2016 तक)

जन्तु विज्ञान विषय की कार्यशाला (23/5/2016 से 29/5/2016 तक)

दिनांक 1 जून 2016 से 7 जून 2016 तक एसजीआरआरपीजी कॉलेज देहरादून में विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रो0 एस0पी0 सिंह तथा डॉ0 एम0के0 पुरोहित ने कार्यशाला में आए बीएससी के छात्रों को कोशिका विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी के विषय में जानकारी दी। साथ ही छात्रों को जैव रसायन एवं उसके प्रायोगिक पक्षों पर भी प्रकाश डाला। विभागीय शिक्षक डॉ0 श्याम सिंह कुंजवाल ने उपस्थित छात्रों को ODL सिस्टम की जानकारी देते हुए जन्तु विज्ञान के प्रायोगिक कार्य एवं महत्व को समझाया। साथ ही डॉ0 कुंजवाल द्वारा उत्तरकाशी, पौड़ी, हल्द्वानी तथा पिथौरागढ़ के केन्द्रों में भी जाकर जन्तु विज्ञान के छात्र- छात्राओं को जैव रसायन, कोशिका विज्ञान, कशेरूकी, अकशेरूकी इत्यादि प्रमुख विषयों पर भी व्याख्यान दिये गये।

भूगोल विषय की कार्यशाला (12/7/2016 से 18/7/2016 तक)

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा

(School of Computer Science and Information Technology)

दिनांक 12 नवम्बर 2016 को ग्राफिक एरापर्वतीय विश्वविद्यालय में "Technology Enabled Education Programme" विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसन्धान केन्द्र देहरादून, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय व स्पोकन टयूटोरिअल, मुम्बई आइआइटी की ओर से किया गया। कार्यशाला का उद्धाटन चेयरमैन प्रोफेसर दुर्गेश पन्त, आई.ए .डी .टी . के निदेशक धर्मेन्द्र सिंह, ग्राफिक एरा पर्वतीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय जसोला एवं आई0आई0टी मुम्बई से आये विशेषज्ञों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। आई.आई.टी. मुंबई से आये विषय विशेषज्ञ द्वारा कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के चेयरमैन प्रोफेसर दुर्गेश पन्त ने तकनीक आधारित शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उत्तराखण्ड प्रदेश में तकनीक आधारित शिक्षा के बढ़ावा कैसे दिया जाय, पर चर्चा की साथ ही Free and open-source software (FOSS) के बारे में भी जानकारी दी। आई. टी. डी. ए .के निदेशक, धर्मेन्द्र सिंह कार्यशाला में Technology Enabled Education पर अपने विचार व्यक्त किये।

सभा को सम्बोधित करते प्रो. दुर्गेश पन्त

❖ "ओपन एजुकेशनल रिर्सोसेस" विषय पर कार्यशाला (OER Workshop)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित ओपन एजुकेशनल रिर्सोसेस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्धाटन करते हुए कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि दूरस्थ शिक्षक प्रणाली में ओपन एजुकेशनल रिर्सोसेस (ओइआर) की बहुत उपयोगिता है। उन्होंने कहा कि इसमें प्रोग्राम को लागू करने से पहले स्वअध्ययन सामग्री का निमार्ण किया जाना अतिआवश्यक है, जिससे यह सिस्टम आमजन के लिए उपयोगी हो सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इसका लोगों को पूरा लाभ मिलेगा। कार्यशाला के मुख्य मुख्य वक्ता इग्नू, नई दिल्ली से आये प्रो. उमाकांजी लाल ने ओइआर सिस्टम को इंटरनेट के जरिये खोजने की तरकीब बताई। उन्होंने भारत सरकार द्वारा निर्मित कुछ ओइआर संग्रह पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में यूओयू में आईटी विभाग के अध्यक्ष प्रो. दुर्गेश पन्त ने बताया कि ओइआर के प्रयोग से कम समय में पुस्तकों का निर्माण किया जा सकता है। साथ ही उच्च गुणवत्तायुक्त अध्ययन सामग्री भी विकसित की जा सकती है। कार्यशाला के संयोजक डा. जितेन्द्र पाण्डे ने बताया कि ओइआर न केवल अध्ययन सामग्री के निर्माण में उपयोगी है, बल्कि यह विश्वविद्यालय के शिक्षकों को दुनियाभर के शैक्षिक- जगत से जुड़ने का मौका भी देती है। सिमका नई दिल्ली से

आये विशेषज्ञ डा. मानस रंजन ने विभिन्न ओइआर लाइसेंस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जबकि विशेषज्ञ डा. मैथली ने मूडल प्लेटफार्म पर ओइआर सामग्री के अपलोड होने के सन्दर्भ में विशेष जानकारी दी। कार्यशाला में कुलसचिव डा. आर.सी. मिश्र, निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल सहित अनेक शिक्षक मौजूद थे।

कार्यशाला का छायाचित्र

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

(SCHOOL OF EDUCATION)

(I) शिक्षक शिक्षा विभाग

- सत्र 2016-17 में शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बी०एड० कार्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु विशेषज्ञ समिति व अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया।
- सत्र 2016-17 में एम०एड० के पूर्व विद्यार्थियों हेतु कांटेक्ट क्लासेज पर परामर्श सत्र का आयोजन किया गया।

(II) शिक्षाशास्त्र विभाग

- निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुसार परामर्श, शोध छात्रों को समय समय पर उचित दिशा निर्देश दिये गये।
- एम .ए .द्वितीय वर्ष के शेष विद्यार्थियों हेतु दिनांक 13 जनवरी 2016 को मौखिक परीक्षा का आयोजन किया गया।
- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की शोध उपाधि समिति की दिनांक 16 अप्रैल 2016 को समिति द्वारा 'शोध शीर्षक' के अनुमोदन हेतु बैठक आयोजित की गई।

(III) विशिष्ट शिक्षा विभाग

- बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु दस दिवसीय कार्यशाला का हल्द्वानी एवं देहरादून में आयोजन किया गया।
- निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुसार परामर्श एवं छात्रों को समय समय पर उचित दिशा निर्देश दिया गया।
- बी.एड विशिष्ट शिक्षा के पाठ्यक्रम की इकाई लेखन हेतु दो दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया।

विशिष्ट बी0एड0 कार्यशाला

- बी०एड० कार्यक्रम हेतु स्व- अनुदेशानात्मक अधिगम सामग्री निर्माण का कार्य किया जा रहा है, तथा सामग्री निर्माण के उपरान्त DEB द्वारा अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात बी० एड० कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।
- **विशिष्ट बी0एड0 कार्यशाला (Special B.Ed. workshop)**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के विशिष्ट शिक्षा विभाग द्वारा समाज में महिलाओं एवं दिव्यांगो के सशक्तिकरण में कार्यरत महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण की ब्रांड एम्बेसडर सुश्री कविता बिष्ट मुख्य अतिथि के तौर पर एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नागेश्वर राव एवं सुश्री कविता बिष्ट, कुलसचिव प्रो. आर. सी. मिश्र द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव, कुलसचिव प्रो. आर. सी. मिश्र, शिक्षाशास्त्र विध्याशाखा के विभागीय निदेशक प्रो. एच. पी. शुक्ल एवं विश्वविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों द्वारा सुश्री कविता बिष्ट की जीवनी पर अनथक संघर्ष की कविता नाम की पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न दिव्यांग महिलाओं के संघर्ष एवं उनके कार्यो को लेकर विश्विद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव तथा अन्य प्राध्यापकों द्वारा शाल ओढा कर एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुश्री कविता बिष्ट की जीवनी पर अनथक संघर्ष की कविता पुस्तिका की समीक्षा डॉ राजेन्द्र कैड़ा द्वारा कही गयी। पुस्तक के माध्यम से उन्होंने कविता पर हुए तेजाब हमले के बाद उनके संघर्ष एवं वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की ब्रांड एम्बेसडर तक के बनने की कहानी को बताया। इस सम्मान समारोह में श्रीमति दीपा बिष्ट, संध्या शर्मा, जहां आरा खानम इत्यादि समेत दस लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ0 दिनेश कुमार, डॉ0 प्रवीण

कुमार तिवारी, भावना पडलिया, मनीषा पन्त व मुक्त विश्वविद्यालय के अन्य संकायों के सदस्य समेत बी. एड. विशिष्ट शिक्षा के हल्द्वानी मुख्यालय में नामांकित लगभग १५० विद्यार्थी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

विशिष्ट बी0एड0 की कार्यशाला

पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा
(School of Journalism)

- **सामुदायिक रेडियो प्रौद्योगिकी पर दो दिवसीय कार्यशाला**

दूरस्थ शिक्षा को अधिक से अधिक प्रभावी बनाने के लिये उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय नूतन पाठ्यक्रमों के साथ – साथ संचार तकनीक की विभिन्न प्रणालीयों तथा सम्पर्क सत्रों का प्रयोग करता रहा है। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य रहा है कि राज्य के समुचित विकास हेतु ज्ञान एवं कौशल में दक्ष मानव संसाधन को अधिकाधिक रूप से तैयार किया जाए।

विश्वविद्यालय में कम्युनिटी रेडियो के विकास को लेकर 8-9 फरवरी को दो दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में बीज वक्तव्य देते हुए मुख्य वक्ता आइआइएमसी, नई दिल्ली के प्रोफेसर आनंद प्रधान ने कहा कि हम आज मीडिया निर्मित समाज में जी रहे हैं। वह हमारे सामने बना- बनाया चित्र प्रस्तुत कर रहा है। जिससे हमारी जानकारी समझदारी के रूप में विकसित नहीं हो पा रही है। आज सूचनाओं का अंबार लगा हुआ है। सुबह उठते ही खबरों की बमबारी शुरू हो रही है। लेकिन क्या हम उन खबरों के अर्थ व मायने समझ पा रहे है?

रेडियो कम्यूनिटी पर कार्यशाला का छायाचित्र

प्रो. प्रधान ने प्रसिद्ध चिन्तक राल्फ डबेली के उस कथन की चर्चा की, जिसमें उन्होंने कहा था कि समाचार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। उन्होने कहा कि हम सूचनाओं के अंबार में तो जी रहे हैं, लेकिन उसके निहितार्थ को समझने में अक्षम होते जा रहे हैं । उन्होंने आगे कहा कि आज हम कंटेंट बहुत कम निर्मित कर पा रहे है, हम मीडिया के उपभोक्ता ही नही निर्माता भी हो सकते है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की ग्रोथ की दर तो बढ़ रही है, लेकिन हमारे पास रोजगार नहीं है। भारत कृषि प्रधान देश से सीधे सर्विस देश में बदल गया है ऐसी स्थिति में विकास की गति बाईपास होकर चल रही है।उन्होंने रेडियो के इतिहास को लेकर भी विस्तृत चर्चा की और कहा कि भारत में सन् 50-60 के दशक में रेडियो क्रांति हो सकती थी, लेकिन नहीं हो पायी; हम टीवी में जम्प कर गये। आनंद प्रधान ने वरिष्ठ चिन्तक मार्सल मैक्लूहाम के इस कथन की भी चर्चा की, जिसमें उन्होंने कहा था कि रेडियो निम्न व अति पिछड़े वर्गों तक ही सीमित बनकर रह गया है।

कार्यशाला में कम्यूनिटी रेडियो विशेषज्ञ विपिन चंद्र शर्मा ने कम्यूनिटी रेडियो के बुनियादी सिद्धांतों पर चर्चा की। उन्होने कहा कि कम्युनिटी रेडियो के लिए हमें कम्युनिटी से जुड़ना होगा, तभी हम सफल हो सकते हैं। विपिन शर्मा ने आगे कहा कि इस कार्य में दो बातें बहुत महत्वपूर्ण होती है, पहला सहजता और दूसरी साफगोई । जब ये चीजें इसमें लागू होंगी तब कम्युनिटी रेडियो जरूर सफल होगा। कार्यक्रम में राज्यसभा टीवी के सीनियर एंकर और पूर्व रेडियो जॉकी इरफ़ान ने रेडियो के प्रोडक्शन पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम को कार्यशाला के संयोजक प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, कुलसिचव प्रो. आरसी मिश्रा, प्रो. एचपी शुक्ल आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान कम्यूनिटी रेडियो विशेषज्ञ विधांशु कुमार, कुमाऊं वाणी के मोहन कार्की सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, पत्रकारिता के छात्र और उत्तराखंड के कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों के प्रतिनिधि आदि मौजूद थे। कार्यशाला के दूसरे दिन हैलो हल्द्वानी को लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने और रेडियो जॉकी के प्रस्तावित सर्टिफिकेट कोर्स के बारे में चर्चा हुई। इस कोर्स में स्क्रिप्ट राइटिंग, वॉइस ओवर और एडिटिंग के गुर सिखाये जाएंगे| साथ ही कम्यूनिटी के लोगों की हिस्सेदारी रेडियो में कैसे बढ़ाई जाए, इस बात पर भी चर्चा की जाएगी। संचालन कम्यूनिटी रेडियो स्टेशन के को-ऑर्डिनेटर भूपेन सिंह ने किया।

- **हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर यूओयू में संगोष्ठी**

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए जाने माने टिप्पणीकार, पद्मश्री प्रो. पुष्पेश पंत ने कहा कि हिन्दी का ह्रास और पत्रकारिता का अवमूलन हो रहा है। उन्होने कहा कि अखबार आज जरूरत नहीं, बल्कि आदत की वजह से खरीदा जाता है। जबकि कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता में पाठकों को भी ध्यान में रखकर चलना चाहिए।

कुलपति जी द्वारा संगोष्ठी में मुख्य अतिथि का स्वागत

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर पंत ने कहा कि वर्तमान में मीडिया की विश्वसनीयता घट रही है, जो कि चिन्तनीय है। यह लड़ाई अकेले पत्रकार की नही है बल्कि इसके लिए समूचे समाज को बदलना होगा। उन्होने कहा कि हिन्दी अखबारों में धीरे-धीरे पाठ्य सामग्री भी कम हो रही है, इससे हिन्दी पत्रकारिता को नुकसान हो रहा है। कुलपति प्रो. राव ने कहा कि समाचार पत्र को पाठकों के अनुरूप चलना चाहिए। प्रो. राव ने कहा कि दूरस्थ्य शिक्षा ने हिन्दी पत्रकारिता को आगे बढ़ाने में काफी सहयोग दिया है। दूरस्थ्य शिक्षा कम पैसे में बेहतर शिक्षा देने का प्रयास कर रहा है। पत्रकारिता विभाग के निदेशक प्रो. गोविन्दसिंह ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस के महत्व के बारे बताया। उन्होंने कहा कि आज समाचार पत्र का विस्तार तो हे रहा है, लेकिन तैयारी नही हो रही है, व्यावसायीकरण हावी है। कार्यक्रम में हिन्दुस्तान के स्थानीय संपादक योगेश राणा ने कहा कि आज हिन्दी भाषी राज्यों में पत्रकारों पर हमले की घटनाएं बढ़ रही है, जो कि चिन्ताजनक है। अमर उजाला के संपादक अनूप वाजपेयी ने कहा कि इस दिवस को उत्सव के रूप में मनाना चाहिए। नई चुनौतियों के साथ नया एजेंडा तय करना चाहिए। उन्होने कहा पत्रकारिता एक विधा है इसमें पककर जो तैयार होते है, वह ही सफल पत्रकार होते हैं। आधारशिला पत्रिका के संपादक दिवाकर भट्ट ने कहा कि आज की पत्रकारिता की व्यवसायिक चुनौतियां है, हमें लोगों का विश्वास कायम रखना है तो निष्पक्ष पत्रकारिता करनी होगी। कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्र ने कहा कि शिक्षा व पत्रकारिता का आपसी संबंध है। कार्यक्रम का संचालन पत्कारिता विभाग के भूपेन सिंह किया। कार्यक्रम में प्रो. एच.पी. शुक्ला, प्रो. पी.डी. पंत व राजेंद्र सिंह क्वीरा सहित बड़ी संख्या में लोग थे।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
(SCHOOL OF HEALTH SCIENCE)

- मार्च 2016 को मानपुर पश्चिम में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 90 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में डा0 प्रीति बोरा द्वारा खान-पान से रोगों के बचाव के बारे में जानकारी दी।शिविर में डा0 वीरेन्द्र सिंह द्वारा कृषि की विभिन्न तकनीकों के बारे में गाँव वालों को बताया।
- अप्रैल 2016 में तल्ली हलद्वानी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 110 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।
- जुलाई 2016 में तल्ली हलद्वानी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 70 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।
- सितम्बर 2016 में तल्ली हलद्वानी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 120 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।
- दिसम्बर 2016 में तल्ली हलद्वानी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 65 रोगियों का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया।
- दिनांक 25-02-2017 को तल्ली हल्द्वानी में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 45 रोगियों जो कि दमा, जोड़ो के दर्द, कमर दर्द, स्पॉण्डिलाईटिस, मधुमेह, यकृत विकार तथा उच्च रक्त चाप आदि रोगों से ग्रस्त थे का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया।
- दिनांक 17-03-2017 को सेन्ट्रल हॉस्पिटल के सहयोग से विश्वविद्यालय सभागार में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

- दिनांक 22-04-2017 को तल्ली हल्द्वानी में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 45 रोगीयों जो कि दमा, जोडो के दर्द, कमर दर्द, स्पॉण्डिलाईटिस, मधुमेह, यकृत विकार तथा उच्च रक्त चाप आदि रोगों से ग्रस्त थे का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया।

योग विभाग (DEPARTMENT OF YOGA)

❖ दिंनाक 27 जनवरी 2017 को बासुदेव आश्रम भूपतवाला, हरिद्वार में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा / स्नातक प्रथम वर्ष (DYN/BYN 1st year) के 209 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिनकी प्रयोगात्मक परीक्षा 30 जनवरी 2017 को सम्पन्न हुई। प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियो को दैनिक आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बन्ध तथा षट्कर्मो का अभ्यास कराया गया।

छात्रों द्वारा योगाभ्यास करते हुए

तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिला। जिसमें प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज, विभागाध्यक्ष योग विभाग, गुरूकुल कागंडी विश्वविद्यालय हरिद्वार, प्रोफेसर जी० डी० शर्मा जी, विभागाध्यक्ष योग विभाग पंतजली विश्वविद्यालय हरिद्वार , डा० सुरेन्द्र त्यागी, योग विभाग गुरूकुल कागंडी विश्वविद्यालय हरिद्वार, डा० उधम सिंह, योग विभाग गुरूकुल कागंडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा० अमृत लाल गुरूर्वेद्र, योग विभाग देव सस्ंकृति विश्वविद्यालय हरिद्वार, डा० विजय विजय कुमार, योग विभाग देव सस्ंकृति विश्वविद्यालय हरिद्वार, डा० सरस्वती काला, वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक,देहरादून, डा० महेन्द्र पन्त, दून मेडिकल कालेज देहरादून , डा० डी० एन० शर्मा ,वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। विषय विशेषज्ञों के साथ–साथ सफल संचालन के लिए 15 योग प्रशिक्षकों / सहायक योग प्रशिक्षकों का लाभ विद्यार्थियो को प्राप्त हुआ। कार्यशाला का सफल संचालन डा० भानु प्रकाश जोशी, विभागाध्यक्ष योग विभाग के दिशा निर्देशो में किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यशाला समन्वयक के रूप में ललित मोहन (योग प्रशिक्षक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय) ने अपना योगदान किया।

❖ अन्तराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम (International 'Yoga' Day Celeberation)

योग विभाग विश्वविद्यालय मुख्यालय में एक **'योग महोत्सव '** कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन को तीन चरणों में विभाजित किया गया था।

- **प्रथम चरण - महोत्सव उदघाटन**

'कॉमन योग प्रोटोकॉल' के अन्तर्गत सुबह 7.00 से 8.00 बजे तक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस सत्र का उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कार्मिकों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में छात्र, प्रशिक्षार्थी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी लोगों ने सुयोग्य प्रशिक्षुओं की देखरेख में योगाभ्यास किया। इस सत्र के अन्त में सभी प्रतिभागियों को सुपथ्य सूक्ष्म जलपान प्रदान किया गया। प्रात: काल के इस सत्र के पश्चात् सभी प्रतिभागी अत्यन्त उत्साह में नजर आए।

योग की कार्यशाला

- **द्वितीय चरण - विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन**

इन प्रतियोगिताओं में योग विषयक निबन्ध, योग विषयक पोस्टर प्रतियोगिता एवं योगासन प्रतियोगिता सम्मिलित थी। योगासन प्रतियोगिता में 27 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कठिन एवं सहज आसनों का प्रदर्शन किया गया, जिसे सुयोग्य निर्णायकों द्वारा आंकलन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बहुत उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। इसी क्रम में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें हिंदी तथा अंग्रेजी वर्ग में 22 प्रतियोगियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता का आंकलन भी हिंदी, अंग्रेजी, तथा योग विषय के विशेषज्ञों द्वारा किया गया। इसके साथ-साथ योग विषयक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 16 प्रतियोगियों ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया। आयोजक के समन्वयक डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने सभी प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया।

योग की कार्यशाला का छायाचित्र

- **तृतीय चरण - विचार- गोष्ठी का आयोजन**

इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने की। कार्यक्रम का आरम्भ योग विभाग की छात्राओं की एक सुन्दर सांस्कृतिक प्रस्तुति द्वारा किया गया। डॉ० राजेन्द्र कैड़ा ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों एवं निर्णायकों का स्वागत किया। इसके पश्चात् समन्वयक डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने सम्पूर्ण आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कुलसचिव प्रोफेसर आर०सी०मिश्र ने भारत की प्राचीन योग परम्परा का विश्लेषण करते हुए वर्तमान मानवीय जीवन की पूर्णता के लिए योग की आवश्यकता को रेखांकित किया। इसी अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर एच०पी० शुक्ल ने कहा कि योग का ज्ञान मनुष्य के अन्त: करण की उर्जा से ही प्राप्त हो सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो०नागेश्वर राव ने सभी उपस्थित व्यक्तियों, शिक्षकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि योग एक मात्र ऐसा अनुशासन है जो विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, रोजगार के साथ- साथ मूल्यों से भी अलंकृत करता है। योग, मात्र एक विषय न होकर मानव जीवन को समग्रता प्रदान करने वाला अनुशासन है।

निदेशक द्वारा सम्बोधन

- इस अवसर पर योग विभाग द्वारा प्रकाशित एक संक्षिप्त विवरणिका का एवं प्रारम्भ के स्तर के छात्रों के लिए वीडियों सी0डी0 का भी लोकार्पण किया गया।

- पोस्टर, निबन्ध एवं योगासन प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्तर पर सफल विद्यार्थियों को माननीय कुलपति जी द्वारा पुरस्कृत किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विद्यार्थियों का विवरण निम्न है :-

  1. **योगासन प्रतियोगिता:**

     प्रथम स्थान- कु0 नीता दियोलिया
     द्वितीय स्थान- कु0 इशू खडायत
     तृतीय स्थान- कु0 करिश्मा विष्ट

  2. **पोस्टर प्रतियोगिता:**

     प्रथम स्थान- कु0 तारा पटवाल
     द्वितीय स्थान- कु0 प्रियंका चौहान
     तृतीय स्थान- कु0 सीमा सिंह

  3. **निबन्ध प्रतियोगिता:**

     प्रथम स्थान- उमा साह चौधरी
     द्वितीय स्थान- कु0 सीमा सिह
     तृतीय स्थान- कु0 नीता दियोलिया

- विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें परिसर निदेशक प्रो0 दुर्गेश पन्त तथा विश्वविद्यालय कार्मिकों सहित स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

- इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 20 अधिक अध्ययन केन्द्रों पर भी योग दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया जिन आयोजनों में कामन योग प्रोटोकॉल के साथ- साथ विविध योग विषयक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं कराई गयीं। निम्न अध्ययन केन्द्रो की फोटो मेल पर प्राप्त हुई है।

  1. देन वैदिक शिक्षा समिति देहरादून।
  2. आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय किच्छा, उधम सिह नगर।
  3. मोहनी देवी इस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टैक्नॉलोजी रूडकी
  4. राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट
  5. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, देहरादून परिसर।

(देखें..... परिशिष्ट XII)

पर्यटन, आतिथ्य व होटल प्रबन्ध विद्याशाखा

(School of Tourism, Hospitality & Hotel Management)

❖ पर्यटन विषय पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन:

विश्व पर्यटन दिवस 2016 के अवसर पर पर्यटन विभाग द्वारा एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 26 व 27 सितम्बर को अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यूनाईटेड नेशन WTO द्वारा इस वर्ष का थीम "Tourism for all Promoting Universial Accessibility" रखा गया था।

पर्यटन दिवस पर आयोजित संगोष्ठी का छायाचित्र

26 सितम्बर को क्विज, पोस्टर व रंगोली प्रतियोगिताओं का तथा 27 सितम्बर को निबन्ध, लेखन व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के पर्यटन व होटल मैनेजमेन्ट के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में जामियाँ मिलियाँ इस्लामियाँ विश्‍वविद्यालय तथा चन्द्रावती गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज, काशीपुर की छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के प्रो0 ओ0पी0 कण्डारी थे। उन्होंने उत्तराखण्ड राज्य में पर्यटन के विकास पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने पर्यटन के महत्व व इसे और बढ़ाए जाने की जरूरत पर प्रकाश डाला। निदेशक प्रोफेसर आर0सी0मिश्रा ने पर्यटन वइस के सभी के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में बताया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों के साथ विभागीय शिक्षक का छायाचित्र

डॉ0 अखिलेश सिंह ने विश्व पर्यटन दिवस थीम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अन्त में सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 शशांक शुक्ला ने किया। संयोजक डॉ0 अखिलेश सिंह थे। इस अवसर पर डॉ0 जटाशंकर तिवारी, डॉ0 देवेश मिश्रा, डॉ0 सूर्यभान सिंह व डॉ0 नीरजा सिंह आदि मौजूद थे।

3 शोध/ परामर्श एवं प्रसार
(Research, consultancy and Extension)

शोध विश्वविद्यालय के चिन्तन का प्राण होता है। नवीन खोज एवं शोध ही हमारी मौलिक विचार दृष्टि का निर्माण करते हैं। नवीन तथ्य एवं खोज जहाँ पूर्व के विचारों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उसका विस्तार करते हैं; वहीं वे नवीन चिन्तन की आधारपीठिका भी तैयार करते है। इसीलिए शोध और विचार का सम्बन्ध पार्श्व एवं मुख्यांश का है, जो एक–दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। शोध के इसी महत्व को समझते हुए यू.जी.सी. एवं उच्च शिक्षण संस्थान समय-समय पर गुणवत्तापदक शोध की दिशामें प्रयासरत रहते हैं। चूँकि विश्वविद्यालय अपने नवीन शोध कार्य के कारण जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य का महत्व स्वयं सिद्ध है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैचारिक गुणवत्ता के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर अपनी शोध की पीठिका तैयार की है। विश्वविद्यालय में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शोध के नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शोध की गतिविधियों को केंन्द्रित करने के लिए 'शोध एवं नवाचार निदेशालय' की स्थापना की गयी है। शोध एवं नवाचार निदेशालय का कार्य शोध के प्रवेश से लेकर शोध की मौखिकी कराने तक का है।

विश्वविद्यालय में शोध सम्बन्धित गतिविधियाँ सुचारू एवं अनुशासनबद्ध तरीके से चलें, इसलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विभागीय शोध समिति एवं शोध उपाधि समिति का गठन किया है। विभागीय शोध समिति की रूपरेखा एवं शोध उपाधि समिति की रूपरेखा इस प्रकार है –

3.1 विभागीय शोध समिति:

- विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का समन्वयक - संचालक
- सम्बन्धित विद्याशाखा के अध्यापक - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सदस्य - अन्य विद्याशाखा का अध्यापक

3.2 शोध उपाधि समिति:

- सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष - संयोजक
- सम्बन्धित विभाग के समस्त अध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हो - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सम्बन्धित विषय के दो बाह्य परीक्षक जिनमें से एक की उपस्थिति अनिवार्य-सदस्य
- निर्देशक शोध - सदस्य

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने शोध कार्य को लेकर विशेष रूप से प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय ने 2012 से अब तक दो बार पी.एच.डी. हेतु प्रवेश परीक्षा कराई है, जिसके तहत अब तक 26 शोधार्थी विभिन्न विषयों में शोध हेतु नामांकित हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों में पंजीकृत विद्यार्थियों की सूची निम्नवत् है –

विषयवार पंजीकृत शोध छात्र

क्रमांक	विषय	छात्र संख्या
1	कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science)	1
2	शिक्षा (Education)	9
3	हिन्दी (Hindi)	2
4	इतिहास (History)	2
5	प्रबन्धन अध्ययन (Management Studies)	4
6	समाज शास्त्र (Sociology)	1
7	अंग्रेजी (English)	1
8	पर्यटन (Tourism)	1
9	पत्रकारिता (Journalism)	5
	कुल	**26**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 2 वर्ष पूर्व इग्नू समेत सभी मुक्त विश्वविद्यालयों से पी.एच.डी. कराने पर रोक लगा दी थी, इसलिए विश्वविद्यालयय की शोध प्रक्रिया बाधित हुई है। यूजीसी के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय अब शोध कराने के लिए प्रयत्नशील है। यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालयों को भी शोध कराने की अनुमति दी है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय शीघ्र ही शोध की नवीन प्रक्रिया प्रारम्भ करने जा रहा है।

3.3 अनुसन्धान प्रकाशन और पुरस्कार (RESEARCH PUBLICATIONS ANDAWARDS)

कार्यशालाएँ / सेमिनार में प्रतिभाग/ आमन्त्रित व्याख्यान का विवरण

(Details of Workshops/Seminars Attended)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा/विभाग	वर्ष /	सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला
1.	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र	संस्कृत	2016-17	1. 23 मार्च 2017 को 'सा विद्या या विमुक्तये' विषयक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग। स्थान – नई दिल्ली 2. डॉ0 देवेश कुमार मिश्र के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग– मानव संसाधन विकास केन्द्र गोरखपुर विश्वविद्यालय में रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया। 3. डॉ0 देवेश कुमार मिश्र द्वारा दिनांक 27 जनवरी 2017 को FHVA-17 (आधार पाठ्यक्रम) पाठ्यक्रम निर्माण समिति में प्रतिभाग किया गया।
2.	डॉ0 शशांक शुक्ला	हिन्दी	2016-17	1. दिनांक 9- 10 मार्च 2017 को कम्यूनिटी रेडियो कार्यशाला में प्रतिभाग। 2. डॉ0 शशांक शुक्ला के द्वारा कुमाउँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया। 3. 23 मार्च 2017 को 'सा विद्या या विमुक्तये' विषयक संगोष्ठी में 'विद्या बनाम शिक्षा' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग। स्थान – नई दिल्ली 4. 14 सितम्बर 2016 को हिन्दी दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी भाषा और संस्कृति विषय पर व्याख्यान 5. 27 सिम्बर 2016 को टूरिज्म विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग 6. 28-29 मार्च 2017 को कम्यूनिटी रेडियो पर आयोजित संगोष्ठी में प्रतिभाग।
3.	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	अंग्रेजी	2016-17	ग्राफिक एरिया हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल में दो व्याख्यान दिये।
4.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	ज्योतिष	2016- 2017	1. दिनांक 08-09 फरवरी 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में कम्यूनिटी रेडियो पर दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग। 2. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, में

				कम्प्यूटर विभाग द्वारा आयोजित OER (Open Educational Resources) पर एकदिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग। 3. 28-29 मार्च 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में कम्यूनिटी रेडियो पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग।
5.	डॉ0 एम0एम0 जोशी	इतिहास	2016-17	डॉ0 एम0एम0 जोशी के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – मानव संसाधन विकास केन्द्र नैनीताल में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया।
6.	डॉ0 सूर्यभान सिंह	राजनीति विज्ञान	2016 -17	डॉ0 सूर्यभान सिंह के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – मानव संसाधन विकास केन्द्र नैनीताल में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया।
7.	डॉ0 दीपक पालीवाल	सामाजिक विज्ञान	2016-17	1. डॉ0 दीपक पालीवाल के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – मानव संसाधन विकास केन्द्र नैनीताल में रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया। 2. National Conference of sociology Association, UK (SAUK) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग।
8.	डॉ0 नीरजा सिंह	सामाजिक कार्य	2016-17	1. डॉ0 नीरजा सिंह के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – मानव संसाधन विकास केन्द्र नैनीताल में तीन सप्ताह का ओरिएन्टेशन कोर्स में प्रतिभाग किया गया। 2. National Conference of sociology Association, UK (SAUK) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग। Social Work Response to Emerging Trends of Migrudtion Regional Perspective विषय पर लेख प्रस्तुत किया।
9.	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	2016-17	1. डॉ. गगन सिंह ने Khwaja Moinuddin Chishti Urdu, Arabi-Farsi University, Lucknow द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ”Goods & Service Tax: Issues & Challenges, “संगोष्ठी में 19 मार्च 2017 को विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया 2. डॉ. गगन सिंह ने The Deen Dayal Upadhyay KAUSHAL Kendra, S.B.S. Govt. P.G. College ,Rudrapur (U.S.

				Nagar), द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "Transforming Indians through Skill Development & Technological Advancement" में 25th मार्च, 2017 को विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया।
10.	डॉ0 मंजरी अग्रवाल	प्रबन्ध	2016-17	1. डॉ. मंजरी अग्रवाल द्वारा 21 दिसम्बर तथा 27 दिसम्बर, 2016 को डीडीयू कौशल केंद रुद्रपुर में कौशल विकास के तहत ज्ञान प्रबन्ध पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
11.	श्री भूपेन सिंह	पत्रकारिता	2016-17	श्री भूपेन सिंह द्वारा 21 दिवसीय ओरिएन्टेशन कोर्स किया गया।
12.	डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी	वानिकी	2016-17	Three weeks Summer School Programme on "Environment and Sustainable Development" at UGC-HRDC Centre, Hermitage, Kumaun University, Naintal" from 11 July to 30 July, 2016.
13.	डॉ0 जटाशंकर आर. तिवारी	होटल प्रबन्ध	2016-17	1. **Tewari, J.R. (2016).** *Wellness Tourism in Uttarakhand*. Paper presented at National Seminar on Traditional Knowledge and Health Seeking Practices among the Himalayan Region Communities organised by Department of Sociology, Uttarakhand Open University, Haldwani. **2.Tewari, J.R. (2016).** *Barabanki as a Pilgrimage destination: SWOT Analysis*. Paper presented at International Conference on Pilgrimages and sustainable Cultural Tourism in South Asia: The Shaktipitha Perspective organised by Institute of Tourism Studies, University of Lucknow, Lucknow. **3.Tewari, J.R. (2016).** *Knowledge of Nutrition, Food Safety and Hygienic practices of street food venders of Lucknow, India*. Paper presented at International Conference on Challenges and

				Opportunities in Tourism and Hospitality Sector organised by Bhikaji Cama Subharti Institute of Hotel Management, Swanmi Vivekanand Subharti University, Meerut. **4. Tewari, J.R. (2016).** *Impact of Tourism on Destination: Are the residents aware of it?* Paper presented at National Symposium on Tourism for All: Promoting Universal Accessibility organised by Department of Tourism Studies,UOU.

पुरस्कार और प्रकाशन
(Awards and Publications)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा/विभाग	प्रकाशन / पुरस्कार
1.	डॉ0 शशांक शुक्ला	मानविकी / हिन्दी	1. प्रेम और विवाह का प्रश्न – प्रतिलिपि पत्रिका के प्रेम विशेषांक में प्रकाशित, अप्रैल 2016 2. प्रेम और सामाजिकता – प्रतिलिपि पत्रिका के प्रेम विशेषांक में प्रकाशित, अप्रैल 2016 3. पावस ऋतु शीर्षक आलेख, पुस्तक संस्कृति NBI पत्रिका में प्रकाशित, जुलाई 2016 4. दिनकर का काव्य– मूल्यांकन के बिन्दु शीर्षक आलेख, समय का सूर्य: दिनकर पुस्तक में प्रकाशित, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, अक्टूबर 2016 5. साहित्य और सिनेमा शीर्षक आलेख, साहित्य वार्षिक नया ज्ञानोदय भारतीय ज्ञानपीठ के जनवरी 2017 अंक में प्रकाशित। 6. अपराध – रहस्य कथाएँ : रूप – रूपिम रूपान्तरण , शीर्षक आलेख, हंस, नईदिल्ली के रहस्य - रोमांच वार्ता विशेषांक मार्च 2017 में प्रकाशित। 7. बाल साहित्य की उपेक्षा का अर्थ – हस्ताक्षर ई- पत्रिका , नवम्बर 2016 में प्रकाशित आलेख।
2.	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	मानविकी/अंग्रेजी	1. ''द गी.एन.एल.एफ डाइलिया इन किरन देसाइज इनहेरिटेन्स ऑफ लॉस'' नामक शोध पत्र 'डायलॉग' नामक पत्रिका में प्रकाशित।
3.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	मानविकी / ज्योतिष	**1.** ''वास्तुशास्त्रस्य परिचय:'' शीर्षक आलेख अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (International Journal of Sanskrit Research) 'अनन्ता' में प्रकाशित। (जुलाई-अगस्त 2016) ISSN:2394-7519। **2.**''मकरन्दप्रकाशस्यानुसारेण अहर्गणानयनम्'' नामक शोध पत्र International Journal of Jyotish Research (अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका) 'वेदचक्षु' में प्रकाशित। (जुलाई-दिसम्बर 2016) ISSN No. : 2456-4427। **3.** मानव संसाधन विकास मन्त्रालय (MHRD) द्वारा प्रदत्त तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत E-Content वृहद् परियोजना में '**ज्योतिष गणित**' विषय के अन्तर्गत ग्रहलाघव प्रश्न पत्र की कुल 32 इकाईयों का संस्कृत भाषा में लेखन कार्य। **4.** 'वेदचक्षु'' अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका International Journal of Jyotish Research में सम्पादकीय लेखन

			प्रकाशित। (ISSN No. : 2456-4427)
4.	डॉ0 एम0एम0 जोशी	सामाजिक विज्ञान/ इतिहास	1. **"Some Unpublished Gorkha document's senu joshi- sand the early Britiish Records"** नामक शोध पत्र प्रकाशित।
5.	डॉ0 दीपक पालीवाल	सामाजिक विज्ञान	डॉ0 दीपक पालीवाल को बीएचयू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आइएसएसआई ने 2017 की मानद फेलोशिप प्रदान की।
6.	डॉ0 वीरेन्द्र कुमार	कृषि	आगरा की संस्था सोसाइटी ऑफ हयूमन रिसोर्स एण्ड इनोवेशन ने उद्यान विज्ञान में विशेष कार्य के लिए डॉ0 वीरेन्द्र कुमार को साइंटिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया।
7.	डॉ0 जटाशंकर आर. तिवारी	होटल प्रबन्ध	1. **Tewari, J.R. (2017).** *Food in Tourism: From Traveller's Food to Food Tourism.* PATH-Progressive Approach to Tourism and Hospitality, Vol.-1, pp.33-38, ISSN No. 2455-8788, Impact Factor Nil 2. **Tewari, J.R. (2017).** *Tourism and Development in Mahadeva (Barabanki), Uttar Pradesh, India. RIPPLES.*, pp. 26-34 ISSN No.: 2229-6794 Impact Factor Nil 3. **Best Hospitality Teacher (North India) Award 2016** conferred by Swami Vivekanand Subharti University, Meerut for academic contribution in field of Hotel Management education, facilitated in International Conference on Emerging Trends in Hospitality and Tourism Sector" on 26th November 2016 at Bhikaji Cama Subharti Instute of Hotel Management, Swani Vivekanand Subharti University, Meerut.
8.	डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी	शिक्षाशास्त्र	**"A Critical Study of the Regulations and Policies in Open and Distance Learning"** का प्रकाशन इन्दिरा गाँधी मुक्त विश्वविधालय द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित जर्नल *Indian Journal of Open Learning,* 2016, 25(2), 117-132, ISSN 0971-2690, में हुआ
9.	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	**"A Critical Study of the Regulations and Policies in Open and Distance Learning"** का प्रकाशन इन्दिरा गाँधी मुक्त विश्वविधालय द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित जर्नल *Indian Journal of Open Learning,* 2016, 25(2), 117-132, ISSN 0971-2690, में हुआ।
10.	श्री द्विजेश उपाध्याय	संगीत	1. उच्च शिक्षा में दूरस्थ शिक्षण प्रणाली के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत का शिक्षण – एक समीक्षात्मक विश्लेषण) ISSN 2350-0530

			2. तबला एवं कथक नृत्य के अन्तर्सम्बन्धों का विकास : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (तबला एवं कथक नृत्य की रचनाओं के विशेष सन्दर्भ में) ISSN 2350-0530।
11.	डॉ0 मंजरी अग्रवाल	प्रबन्ध	डॉ. मंजरी अग्रवाल द्वारा लिखित शोध पत्र का चयन दूरस्थ शिक्षा में प्रतिष्ठित पत्रिका IJOL के रजत जयंती संस्करण के दूसरे अंक में हुआ जिसमे अब तक 700 से अधिक लेख और पत्र प्रकाशित किए गये है।

कार्यशालाओं / सेमिनारों का विवरण

(Details of Workshops/Seminars Organized)

क्रमांक	विद्याशाखा/विभाग	दिनांक	कार्यशाला / संगोष्ठी
1	समाज विज्ञान विद्याशाखा	27-28 जनवरी, 2017	इतिहास विभाग द्वारा इकाई लेखकों की कार्यशाला।
		27-28 मार्च, 2017	शोध प्रबन्ध को लेकर एम0एस0डब्लू0 विषय की दो दिवसीय कार्यकाला हुई।
		7 मार्च 2017	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा रूसा की कार्यशाला
2	विज्ञान विद्याशाखा	18-20 नवम्बर 2016	चट्टानों की संरचना के अध्ययन पर त्रिदिवसीय कार्यशाला
3	मानविकी विद्याशाखा	14th सितम्बर, 2016	हिन्दी दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी
		7 दिसम्बर 2016	गीता जयन्ती के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान
4	पत्रकारिता विभाग	30 मई 2016	हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी
		8-9 फरवरी 2017	रेडियो कम्यूनिटी पर दो दिवसीय कार्यशाला
		28-29 मार्च 2017	कम्यूनिटी रेडियो पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
5	कम्प्यूटर विभाग	12 नवम्बर 2016	Techonology Enabled education Programme विषयक कार्यशाला
		28 मार्च 2017	OER विषय पर एक दिनी कार्यशाला

3.4 विस्तार गतिविधियाँ और संस्थात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व (Extention Activities and Institutional Social Responsibility)

❖ ग्रामों को गोद लिया जाना (Village Adoption)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, शैक्षिक दायित्व के साथ-साथ समाजोत्थान के कार्य में भी अग्रसर है। इसके तहत उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा हल्द्वानी विकासखण्ड के अन्तर्गत आने वाली 5 ग्राम सभाओं (मानपुर पश्चिम, तल्ली हल्द्वानी, गौजाजली बिचली, धौलाखेडा, गौजाजली उत्तर) को गोद लिया गया है, जिनमें विश्वविद्यालय द्वारा गाँवों के सतत् विकास को लेकर कई कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है।

गोद लिए हुए गाँवों का विवरण (Details of adopted villages)

S.N.	Name of the Village	Total Population	O.B.C.	S.C.	S.T.	General
1	Talli Haldwani	8159	504	944	18	6692
2	Manpur Pashchim	3134	356	186	19	2573
3	Dhaula Khera	2083	104	323	33	1623
4	Gauja Jaali Bichli	2208	34	41	13	2120
5	Gaujajaali Uttar	6136	176	308	11	5641

- **हल्द्वानी**

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए तल्ली हल्द्वानी गाँव में डॉ0 हेमन्त कांडपाल के नेतृत्व में शिविर लगा। इसमें दमा, साइटिका, साइनोसाइटिस, कब्ज और अतिसार रोगों से पीड़ित 80 से अधिक लोगों की जाँच हुई। डॉ0 प्रीति बोरा ने महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। कृषि विभाग के डॉ0 वीरेन्द्र कुमार ने काश्तकारों को सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के उपाय बताए।

- **देहरादून**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव समाल्टा (चकराता), देहरादून में दिनांक 06 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय देहरादून परिसर द्वारा यूसेक व यूसर्क के साथ मिलकर एक क्रार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विज्ञान के प्रति छात्रों में उत्सुकता जगाने हेतु यूसेक व यूसर्क के वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया गया था। डॉ0 सुभाष रमोला के समन्वयन में यह क्रार्यक्रम गयाए जिसमें लगभग 100 छात्र-शिक्षक एवं 25 ग्रामीणों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

डॉ0 सुभाष रमोला द्वारा क्रार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली व समाल्टा जैसे उत्तराखण्ड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में इसकी आवश्यकता के बारे में लोगों को अवगत कराया। डॉ0 रमोला द्वारा बताया गया कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ‘उच्च शिक्षा, आपके द्वार‘ ध्येय के साथ उच्च शिक्षा की लौ जगाने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को घर में रहकर ही शिक्षा को आगे बढाने का अवसर प्रदान करता है। इसके पश्चात् श्री नरेन्द्र जगूड़ी, समन्वयक, मॉडल अध्ययन केन्द्र, परिसर देहरादून द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, शुल्क व प्रवेश प्रक्रिया के बारे में छात्रों एवं ग्रामीणों को जानकारी दी गई।

यूसेक तथा यूसर्क द्वारा संचालित कार्यक्रम

दूरस्थ शिक्षा की जानकारी के पश्चात् आई0आई0एस0 देहरादून के वैज्ञानिक डॉ0 एस0 के0 खन्ना द्वारा ईंधन के महत्त्व एवं उपयोग के बारे में ग्रामीणों एवं छात्रों को जानकारी दी गयी। तत्पश्चात् यूसर्क के डॉ0 आरएस राणा जी ने विज्ञान शिक्षा के बारे में बताया एवं कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा का भविष्य में क्या लाभ है, इस बारे में छात्रों को समझाया। इसके पश्चात भारत विज्ञान समिति के सोहन सिंह रावत जी द्वारा दैनिक जीवन से जुड़े। कई प्रकार के वैज्ञानिक प्रयोगों से छात्रों एवं ग्रामीणों को अवगत कराया गया। यूसैक के सौरभ डंगवाल ने रिमोट सेसिंग तकनीक और उत्तराखण्ड की भौगोलिक स्थिति को देखते हुये आपदा प्रबंध के समय उसकी उपयोगिता के बारे में छात्रों को समझाया। विश्वविद्यालय से योग शिविर की रूपरेखा योग शिक्षक श्री वीरेन्द्र जी द्वारा तैयार की गयीए जिसमें दैनिक जीवन में उपयोगी योग आसनों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी और छात्रों को योगाभ्यास कराया।

कार्यक्रम में छात्रों द्वारा किए जा रहे अभ्यास का चित्र

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कार्यक्रम की शिक्षकों, छात्रों, एवं ग्रामीणों द्वारा बहुत प्रशंसा की गयी और विद्यालय के प्रधानाचार्य त्रिपाठी जी द्वारा भविष्य में इस प्रकार के अन्य कार्यक्रम करने हेतु विश्वविद्यालय से आग्रह किया गया।

छात्रों को पत्र वितरण करते हुए

❖ कार्यक्रम के अंत में डॉ0 सुभाष रमोला द्वारा सभी वक्ताओं, शिक्षकों एवं ग्रामीणों को धन्यवाद दिया गया और कहा कि भविष्य में भी समाल्टा गॉव आदि में इस प्रकार के शिविर आयोजित किये जाते रहेंगे।

❖ **मोथरोवाला**

मोथरोवाला में एक कार्यक्रम उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) के साथ मिलकर सम्पन्न किया गया। इस कार्यक्रम में योग शिविर लगाया गयाए जिसमें लगभग 200 छात्र एवं 40 ग्रामीण लोगों ने प्रतिभाग किया।योग शिक्षक श्री अनिल थपलियाल द्वारा 12 आसनों एवं नित्य किये जाने वाले योग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। योग के पश्चात नरेन्द्र जगूड़ी, समन्वयक, मॉडल अध्ययन केन्द्र परिसर देहरादून द्वारा दूरस्थ शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों एवं शुल्क व प्रवेश प्रक्रिया के बारे में छात्रों एवं ग्रामीणों को जानकारी दी गई। दूरस्थ शिक्षा की जानकारी के पश्चात कैशलैस के बारे में डा0 मंजु सुन्दरियाल जी द्वारा ग्रामीणों एवं छात्रों को जानकारी दी गयीए जिसमें कई छात्रों और ग्रामीणों द्वारा प्रश्न किये गये जिसका समाधान विशेषज्ञ द्वारा सुझाया गया ग्रामीणो ने इस कार्यक्रम को करवाने हेतु विश्वविद्यालय को धन्यवाद ज्ञापित किया। कम्प्यूटर विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा के बारे में डा0 राजेन्द्र राणा जी द्वारा जानकारी दी गयीए जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के बारे में बताया गया ।यूसर्क के द्वारा मेन्टरशिप प्रोग्राम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई यह भी निश्चित किया गया।

❖ स्वच्छता पखवाड़ा (1 से 15 नवम्बर, 2016)

विश्वविद्यालय में 1 से 15 नवम्बर के बीच स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया । इस दौरान विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गए। क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों से आये बच्चों ने पर्यावरण एवं स्वच्छता की केंद्रीय थींम को लेकर आयोजित निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। स्वच्छता पखवाड़े का समापन व्यापक स्तर पर सफ़ाई अभियान एवं विचार गोष्ठी के माध्यम से हुआ। गोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो गोबिंद सिंह थे। उन्होंने बाह्य स्वच्छता के साथ ही मन की स्वच्छता को भी अनिवार्य बताया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता को लेकर शपथ ग्रहण भी करायी गयी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को पुरस्कार वितरित किये गये। कार्यक्रम में निदेशक प्रो. एचपी शुक्ला, प्रो. आरसी मिश्र समेत

सैकड़ों लोग मौजूद थे। संचालन डॉ शशांक शुक्ला ने किया। स्वच्छता पखवाड़े का संयोजन डॉ अखिलेश सिंह ने किया।

स्वच्छता पखवाड़ा का छायाचित्र

❖ कम्यूनिटी रेडियो विषय पर सम्बन्धित कार्यक्रमों का प्रसारण

कम्यूनिटी रेडियो द्वारा विषय ज्ञान कराना तथा टेली कान्फ्रेंसिग की भी व्यवस्था की गई है । गृह विज्ञान विभाग द्वारा सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम के अंतर्गत एक साप्ताहिक रेडियो टॉक कार्यक्रम **"गृह विज्ञान:सवाल आपके, जवाब हमारे"** का प्रसारण किया जाता है।

4.अधिसंरचना और अधिगम संसाधन

(Infrastructure and Learning Resources)

उत्तराखण्ड प्रदेश में शैक्षिक जगत के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही यहाँ के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को भी शिक्षा से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। सीमित सीटों, सीमित संसाधनों की वजह से वे सभी के लिए सुलभ नहीं हो पाती। परम्परागत शिक्षा प्रणाली केन्द्रीयता के सिद्धान्त पर चलने वाली व्यवस्था है, जिसमें एक केन्द्र की क्रियाशीलता होती है। मुक्त विश्वविद्यालयी प्रणाली में ''शिक्षा आपके लिए तथा शिक्षा आपके द्वार'' जैसी अवधारणा होती है। यही कारण है कि शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित लोग भी इस प्रणाली में मुख्यधारा के अंग बन जाते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की इसी अवधारणा के क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है।

विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार

4.1 भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित है। हल्द्वानी को उत्तराखण्ड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, क्योंकि इसके पश्चात् राज्य की पर्वत श्रृंखलायें शुरू हो जाती है। यहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक तरह से शिक्षा का द्वार भी बन जाता है, क्योंकि इसी के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा का 'सार्वजनीन प्रसरण' सम्भव हो पा रहा है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी प्राथमिक भूमिका को समझ कर राज्य के शिक्षार्थियों-बुद्धिजीवियों के लिए नये-नये पाठ्यक्रम का संचालन व अकादमिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी कर अपना महत्वपूर्ण सांस्कृतिक योगदान दिया है। किसी भी संस्था के कार्य का प्राथमिक आधार उसके ढाँचे और अधिसंरचनाएं होती हैं। मूलभूत ढाँचा और अधिसंरचना संस्था के कार्यों के सुचारू रूप से सम्पन्नता/संचालन में अपना विशेष योगदान देती हैं। इन्हीं के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ अपना सजीव आकार ग्रहण कर पाती हैं। भौतिक अधिसंरचना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के भवन, परिसर, मूलभूत सुविधा, तकनीकी सुविधा एवं अन्य क्षेत्र आते हैं। एक प्रकार से अधिसंरचना एवं मानवीय संसाधन क्षमतायें संस्था के शरीर की भाँति होते हैं, जिसमें सभी गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

4.2 मुख्य भवन (Main Building)

विश्वविद्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. मार्ग्रेट अल्वा, मुख्यमन्त्री डॉ.रमेश पोखरीयाल 'निशंक' द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। तदुपरान्त विश्वविद्यालय के भवन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री अजीज कुरैशी जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

विश्वविद्यालय का मुख्य भवन

विश्वविद्यालय का भवन शैक्षिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परिसरों का संयुक्त समवाय है। इसका एक भवन जहाँ अकादमिक सदस्यों के लिए निर्मित है, वही दूसरा भवन प्रशासन के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए है। भवन का एक हिस्सा कम्प्यूटर लैब के रूप में विकसित है। शैक्षणिक भवन के भीतर विश्वविद्यालय के 13 विद्याशाखाओं के शिक्षकों के बैठने के लिए स्वतन्त्र कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे वे अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। शैक्षणिक भवन का विभाजन विद्याशाखाओं के अनुसार किया गया है। एक विद्याशाखा के भीतर विभिन्न विभाग हैं, जो आन्तरिक विषय-वस्तु की दृष्टि से जुड़े हुए हैं। कक्षों का विभाजन भी वैज्ञानिक पद्धति पर किया गया है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइन्स, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, पत्रकारिता जैसी विद्याशाखाओं के लिए स्वतन्त्र स्थान एवं कक्ष निर्मित किये गए हैं।

4.3 प्रशासनिक भवन:

प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियों के संचालन को व्यावहारिक धरातल पर क्रियाशील करने का केन्द्र होता है। इस भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय प्रमुख रूप से निर्मित है। कुलपति कार्यालय सम्पूर्ण विश्वविद्यालयी गतिविधियों, चाहें वह अकादमिक हो या प्रशासनिक का केन्द्र है। कुलसचिव कार्यालय सम्पूर्ण प्रशासन–कार्यों का नियन्त्रण करता है।

प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय प्रशासन का तीसरा घटक वित्त नियन्त्रक कार्यालय है। वित्त–नियन्त्रक विश्वविद्यालय के समस्त आर्थिकी का केन्द्रभूत अधिकारी है। इस प्रकार कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त कार्यालय आस-पास हैं, जिससे कार्य-संचालन में सुविधा हो।

विश्वविद्यालय भवन में कुछ अन्य अधिकारियों के कार्यालय भी हैं जिसमें मुख्य रूप से जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक कुलसचिव, लोक सूचना अधिकारी हैं।

4.4. पुस्तकालय: एक अधिगम संसाधन के रूप में (Library: As a Learning Resource)

विश्वविद्यालय ज्ञान की एक बौद्धिक इकाई है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र है, जो सम्पूर्ण समाज व संस्कृति को प्रभावित करता है। यह केवल ज्ञान का वितरण ही नहीं करता बल्कि उसका निर्माण भी करता है। ज्ञान-विज्ञान की इस प्रक्रिया में संवादात्मकता अनिवार्य है। संवाद की यह प्रक्रिया अध्यापक और छात्र के मध्य भी चलती है, पुस्तक और छात्र के मध्य भी। पुस्तक ज्ञान के संयोजित रूप होते हैं, इसीलिए हर वर्ग के व्यक्तियों के लिए यह हमेशा प्रासंगिक बनी रहती है। किसी भी उन्नत समाज की एक प्रमुख पहचान यह होती है कि उस समाज के पास श्रेष्ठ ग्रन्थ, पुस्तकें कितनी हैं? समृद्ध समाज, समृद्ध पुस्तकों का ऋणी होता है। प्राचीन समय में भी नालन्दा, तक्षशिला के ग्रन्थालय भारतीय ज्ञानात्मक चेतना के उत्कर्ष के प्रतीक थें। आज भी ग्रन्थालय किसी भी स्थान समाज और विश्वविद्यालय के ज्ञान–केंद्र बने हुए हैं। ग्रन्थालय विश्वविद्यालय के ज्ञान केन्द्र होते हैं, जो विद्यार्थी व शिक्षक को निरन्तर ज्ञानात्कम ऊर्जा से संचालित करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास समृद्ध पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में 26594 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, योग–आयुर्वेद, ज्योतिष, परम्परागत धर्मशास्त्र, विधि से लेकर लोक आधुनिक विषयों को समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय ग्रन्थालय विभाग इस बात के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है कि ग्रन्थालय में किसी भी विषय की महत्वपूर्ण अध्ययन पुस्तकें उपलब्ध हों, इसीलिए समय-समय पर सम्बन्धित विषयों के प्राध्यापक नवीन पुस्तकों की सूची पुस्तकालय विभाग को देते रहते हैं।

ग्रन्थालय में पुस्तकों के साथ शैक्षणिक विडियों/ऑडियो भी संग्रहीत हैं, जिसका लाभ प्राध्यापक एवं छात्र उठाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख जर्नल, पत्रिकाएं एवं समाचार पत्रों की सुविधाएं भी हैं, जो ग्रन्थालय

को बहुविध ज्ञान–विज्ञान से सम्पन्न करती हैं। विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय विभाग छात्रहित केन्द्रित रहा है, इसलिए उसने छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं दी हैं, फिर वह चाहें छात्रों को पुस्तकों के आदान-प्रदान की सुविधा हो या इन्टरनेट सुविधा, फोटोकॉपी कराने की सुविधा हो या स्कैन कराने की सुविधा।

विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त है। ग्रन्थालय में सारी पुस्तकों की प्रविष्टि ई–माध्यम से की जा रही है जिससे अपनी दक्षता एवं तकनीकी सुविधाओं के उचित उपयोग से छात्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों को सहजता से ही प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय विभाग की सक्रियता एवं कुशलता को समय–समय पर विभिन्न संगठनों ने सराहा है। NCTE, VGC, DEC एवं RC के सदस्यों के निरीक्षण समय-समय पर यहाँ होते रहें हैं। ग्रन्थालय के प्रभारी डॉ0 जटाशंकर तिवारी के साथ ही राकेश पंत एवं श्रीमती मीनू गुप्ता की सक्रियता ने पुस्तकालय को छात्र हित के सर्वथा अनुकूल बना दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक सुविधाओं के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी सहयोगी है। ग्रन्थालय से लगा इसका वाचनालय शांतिपूर्ण कक्ष है, जिसमें छात्र पुस्तकालय का उचित लाभ उठाते रहे हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड में विशेष प्रसरित रहा है। इसकी अकादमिक गतिविधियाँ स्वत: र्स्फूत हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय में आए दिन विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न महापुरूषों की जयन्तियाँ मनाने का प्रचलन रहा है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यसूची में भी है।

4.5. पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.)

मुक्त विश्वविद्यालयीय परम्परा में पाठ्यसामग्री का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो पाठ्यसामग्री मुक्त शिक्षण व्यवस्था में सर्वमूलाधार है। इस प्रणाली में छात्र प्रत्यक्ष नहीं होता, इसलिए यहाँ के अध्यापकों के लिए एक विशेष दायित्व बन जाता है कि उन्हें छात्रों को अप्रत्यक्ष रूप से उसका विषय बोध कराना होता है। इस कड़ी में अध्यापक अपनी पाठ्यसामग्री से ही छात्रों से जुड़ता है। पाठ्यसामग्री मुद्रणोपरान्त एम.पी.डी.डी. प्रभाग द्वारा छात्रों को वितरित की जाती है। इस प्रकार पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रभाग है। यह प्रभाग छात्रों तक पाठ्यसामग्री वितरण के प्रति उत्तरदायी है। यह प्रभाग सुनिश्चित करता है कि पाठ्य सामग्री छात्रों को समय पर प्राप्त हो सके।

एम.पी.डी.डी. के सदस्यों द्वारा छात्रों को पाठ्यसामग्री वितरण करते हुए

यह प्रभाग छात्रों के हित में, वर्ष 2016-17 से अधिकांश विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री सीधे उनके अध्ययन केन्द्रों पर प्रेषित कर रहा है। एम0पी0डी0डी0 अनुभाग द्वारा विद्यार्थियों को तीन प्रकार से पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा रही है-

1. विद्यार्थियों को उनके अध्ययन केन्द्रों तक सीधे पहुँचाकर।
2. क्षेत्रीयों केन्द्रों तक पहुँचाकर।
3. विद्यार्थियों को सीधे उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से।

एमपीडीडी अनुभाग में छात्रों द्वारा अध्ययन सामग्री लेते हुए

इस वर्ष से विश्वविद्यालय का एम.पी.डी.डी. अनुभाग का यह प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री और अधिक सहजता से प्राप्त हो सके। इसके लिए यह अनुभाग निरन्तर नवीन योजनाओं के साथ कार्य कर रहा है। वर्ष 2016-17 में यह अनुभाग अपनी कार्यकुशलता के साथ शीघ्रता से विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री प्रेषित कर चुका है। इस प्रकार यह प्रभाग विद्यार्थियों को उनका पाठ्यसामग्री वितरण हेतु कटिबद्ध है।

एम.पी.डी.डी कार्मिकों द्वारा पाठ्यसामग्रियों का व्यवस्थितकरण

4.6. सूचना प्रौद्योगिकी अधिसंरचना (Information Technology Infrastructure)

- ## सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (I.C.T.)

वर्ष 2010 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. विभाग का अपना स्वयं का वैब सर्वर, एप्लिकेशन सर्वर और डेटाबेस सर्वर है। विश्वविद्यालय के पास सम्प्रति 12TB NAS की सम्पूर्ण बैकअप धारिता क्षमता है, और विश्वविद्यालय 1GBPS NKN नेटवर्क पाइप से जुड़ा है तथा 4MBPS नेटवर्क पाइप के बैकअप की व्यवस्था है।

आइ.सी.टी अनुभाग में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ

आई.सी.टी. विभाग मूलत: सूचना प्रोद्यौगिकी के सम्बन्ध में योजना निर्माण के साथ सूचना,तकनीकी निर्माण, हार्डवेयर प्रबंधन, आई.टी. सम्भरण एवं सहायता, अधिप्राप्ति, आभासी शिक्षा, कम्यूनिटी रेडियो आदि कार्यों का सम्पादन करता है और सॉफ्टवेयर विकास, पोर्टल विकास, प्रयोज्यता सम्भरण, डाटा केन्द्र प्रबन्धन, नेटवर्क प्रबन्धन, आई.टी. सेवाएं तथा सहयोग एवं सभी प्रकार के सम्प्रेषण के कार्यो का निर्वहन करता है। विश्वविद्यालय में इसके द्वारा स्टूडेण्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश/ परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया, इन्ट्रानेट में प्रार्थना पत्र के अलावा एम.पी.डी.डी., प्रवेश फॉर्म, परीक्षा/ अंकपत्र, वित्त एप आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा वैब पोर्टल बनाया गया है और छात्रों के लिए शिकायती टिकट प्रणाली भी निर्मित की गयी है।

वन-व्यू एप्लीकेशन द्वारा छात्रों को उनकी प्रोफाइल, शुल्क, परीक्षा आदि की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा विकसित ई-ग्रन्थालय भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए इन्ट्रानेट पोर्टल कार्यरत है और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, परीक्षाफल, हार्डवेयर एवं प्रयोज्यता से संबंधित आई.सी.टी. सहायता दी जाती है।

आई.सी.टी. विभाग द्वारा शिक्षण केन्द्रों के लिए भी प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, परीक्षाफल तथा सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की जाती है । विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग द्वारा छात्रों के लिए एक किओस्क भी स्थापित किया गया है, और ऑनलाइन लर्निंग भी शुरू की गयी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi से सुसज्जित है, और सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी

कैमरे लगाये गये हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम मुक्तविश्वविद्यालय है, जिसने विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (MOOC) की सुविधा दी है।

- **आइ. टी.अकादमी का शिलान्यास (IT AcademyFoundation Stone Day)**

राज्य में पहली आइटी अकादमी का शिलान्यास 8 दिसंबर, 2016 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में किया गया। शिलान्यास राज्य की उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. इन्दिरा हृदयेश तथा देश के अंतराष्ट्रीय मामलों के जानकार प्रो.पुष्पेश पंत ने किया। अकादमी का शिलान्यास करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. इन्दिरा हृदयेश ने कहा कि आईटी अकादमी उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की श्रेणी में शामिल करेगी। उन्होंने कहा कि आइटी के क्षेत्र में भारत के युवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहरा रहे हैं। उत्तराखण्ड के युवाओं के लिए यह अकादमी भविष्य की दशा-दिशा बदलने में कारगर होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया के तकनीकी युग में उत्तराखण्ड पीछे न रह जाये, इस उद्देश्य से इस अकादमी की स्थापना करना अनिवार्य था और आज हम इसके माध्यम से दुनिया के डिजिटल अभियान में शामिल हो गये हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो. पुष्पेश पंत ने कहा कि यह आइटी अकादमी अमरत्व को प्राप्त होने वाली अकादमी होगी, क्योंकि डिजिटल युग में कुछ भी समाप्त नहीं हो सकता। यह देश की ऐसी अकादमी होगी जिसमें डिजिटल कंटेन्ट्स, का भण्डार, प्रसार एवं विस्तार होगा। इससे राज्य की भौगोलिक परिस्थितियां एवं मानसिक दूरियां समाप्त होंगी।

शिलान्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने कहा कि यह अकादमी सभी रोजगार प्राप्त तथा बेरोजगार युवाओं व शिक्षकों को डिजिटल इण्डिया से जोड़ने वाली अकादमी होगी, उन्होंने कहा कि राज्य में ही नहीं देश में भी उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पहला मुक्त विश्वविद्यालय है ,जो डिजिटल के क्षेत्र में काफी आगे है। उन्होंने उच्च शिक्षा मंत्री व मुख्य अतिथि डॉ. इन्दिरा हृदयेश का आभार जताते हुए कहा कि उनकी संकल्पना , परिश्रम और आशीर्वाद से ही आज इस अकादमी की स्थापना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के हल्द्वानी परिसर में हो पायी है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि वे शिक्षा मंत्री की इस संकल्पना पर खरे उतरेंगे और इस अकादमी को डिजिटल युग में एक पहचान दिलाने का कार्य करेंगें।

आइ.टी. अकादमी का शिलान्यास करते हुए छायाचित्र

आइटी अकादमी के रोडमैप तैयार करने वाले यूसर्क के निदेशक प्रो. दुर्गेश पन्त ने अकादमी की पृष्ठभूमि और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने में राज्य की यह बहुत बड़ी उपलब्धि है, उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों, कार्मिकों, तथा विद्यार्थियों के लिए

डिजिटल दुनिया में शामिल होने के लिए यह अकादमी एक प्लेटफार्म का कार्य करेगी। इससे राज्य में डिजिटल एजूकेशन, डिजिटल इकोनॉमी, डिजिल सवांद को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ अधिक- से -अधिक युवाओं को रोजगार भी प्राप्त होगा। अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्र ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेन्द्र कैडा ने किया। इस अवसर पर प्रो. गोविन्द सिंह, प्रो. एचपी शुक्ल, प्रो. गिरिजा पाण्डेय, प्रो. पीडी पंत, डॉ . राकेश रयाल, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल आदि लोग मौजूद रहे।

4.7. मानव संसाधन (Human Resources)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय श्रेयताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से युक्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उच्च तकनीकी सुविधायें उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कर्मचारी भी हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ मानवीय क्षमताओं की उत्पादकता निर्मित करना है। इसलिए विश्वविद्यालय भौतिक, तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों की 'एकसूत्रता की अंतर्क्रिया' पर विशेष बल देता है। अर्थात् एक ओर तो इसमें भौतिक ढाँचा, कार्यदशायें हैं, दूसरी ओर उन कार्यदशाओं को प्रसारित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है, तो तीसरी ओर कार्यदशा को व्यावहारिक रूप देने के लिए श्रेष्ठ मानवीय संसाधन यानी शिक्षा और कौशल का संयुक्त समवाय देखने को मिलता है। यहाँ का हर सदस्य अपने विषय की दक्षता के साथ ही यन्त्र एवं तकनीकी कौशल से युक्त है। आज का युग तकनीकी कौशल का युग है। आज हमारे पास ज्ञान का पुस्तकीय रूप ही पर्याप्त नहीं रह गया है। तेजी से बदल रहे विश्व में घटित हो रही हर महत्वपूर्ण घटना दूसरे समाज (देश) को प्रभावित कर लेती हैं। ऐसी स्थिति में यह युग की आवश्यकता है कि हम तकनीकी रूप से सक्षम बनें और सूचना युग में अपने लिए तथा अपने समाज के लिए ज्ञान का सृजन करें। इसलिए आज के युग में ज्ञान और कौशल दोनों महत्वपूर्ण हो उठे हैं। ज्ञान को प्रसारित होने के लिए कौशल चाहिए तथा कौशल को ज्ञान का स्त्रोत चाहिए। इसीलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीकी कार्य कुशल प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नियमित और अस्थायी शिक्षकों की श्रेष्ठ टीम है। यह देश के प्रारम्भिक विश्वविद्यालयों में से है, जहाँ शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

एक ओर हम छात्रों के लिए उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकें निर्मित करते हैं तो दूसरी ओर उनके ज्ञानात्मक उत्कर्ष के लिए वीडियो लेक्चर, रेडियो व्याख्यान, टैली कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अध्यापन, कार्यशाला, परामर्श सत्रों का आयोजन एवं संगोष्ठी का आयोजन करते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षण तन्त्र लचीलेपन, लोकतान्त्रिक एवं पारदक्रिया से संचालित होता है। प्राध्यापक सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन करते समय विशेष सुझावात्मक टिप्पणियाँ करते हैं, जिससे छात्र परीक्षा के पूर्व ही अपनी कमियों में सुधार कर लेते हैं। इसी प्रकार परामर्श सत्र में छात्रों की जिज्ञासाओं का रचनात्मक तरीके / पद्धति से शमन किया जाता है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञ विद्धानों को आमन्त्रित किया जाता है जिससे छात्र लाभान्वित हो सकें।

कार्यशाला का छायाचित्र

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तीन प्रक्रियाओं के तहत नियुक्त किए जाते हैं। कर्मचारियों का बड़ा वर्ग 'उपनल' सरकारी संस्था के तहत नियुक्त है। दूसरा वर्ग आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के तहत नियुक्त है तथा तीसरा वर्ग दैनिक भत्ते वाले कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियाँ उत्तराखण्ड सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों पर की जाती है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डेब) के मानकों के अनुरूप कुछ वरिष्ठ परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी विश्वविद्यालय करता रहा है। इन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की सम्यक व्यवस्था में सहयोग के लिए तकनीकी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारिंयों की नियुक्ति की गई है।

5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

(Student Support Services)

किसी भी शिक्षण संस्था या विश्वविद्यालय के दो मुख्य घटक होते हैं – छात्र और प्राध्यापक। एक शिक्षा का ग्रहीता है और एक उसका प्रदाता। छात्र और अध्यापक के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान वैसे तो प्रत्यक्ष रूप में होता है, किन्तु उसकी प्रक्रिया के निष्पादन में विश्वविद्यालय के अन्य तत्व भी सहायक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय में गुरू और छात्र के बीच ज्ञान ग्रहण की प्रक्रिया प्रत्यक्ष होती है, किन्तु दूरस्थ व मुक्त शिक्षा पद्धति में अध्यापक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष संवाद प्राय: नहीं होता। इसलिए यहाँ विद्यार्थी सहायता सेवाओं की लम्बी प्रक्रिया क्रियाशील होती है, जिसमें विश्वविद्यालय में छात्र के प्रवेश से लेकर उसके प्लेसमेन्ट और पुराछात्र समुदाय तक की प्रक्रिया चलती है। किसी भी शिक्षण तन्त्र के लिए छात्र केन्द्रीय घटक होता है। इस प्रकार विद्यार्थी सहायता सेवा का तात्पर्य उस पूरी प्रक्रिया से है, जो किसी भी शिक्षण संस्था में छात्रों के ज्ञानार्जन व सीखने की प्रक्रिया को समुन्नत व सुगठित रूप प्रदान करने के लिए कोई शिक्षण संस्था अपनाती है।

शिक्षण सहायता सेवाएँ के अन्तर्गत प्रवेश, पाठ्य-सामग्री, परामर्श सत्र, पुस्तकालय, परीक्षा, दीक्षान्त, प्लेसमेन्ट एवं पुराछात्र आदि शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था सन्निहित होती है। इस पूरी प्रक्रिया को इस चित्र/आरेख के माध्यम समझा जा सकता है -

शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

• प्रवेश दो बार

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2016-17 से दो बार प्रवेश होंगे। जनवरी 2017 से पहली बार विश्वविद्यालय ने अपना पूर्ण रूप से शीतकालीन सत्र शुरू किया। विश्वविद्यालय में पहले सभी पाठ्यक्रमों के लिए केवल ग्रीष्मकालीन सत्र संचालित होता था। पूर्णरूपेण शीतकालीन सत्र शुरू होने से अभ्यर्थियों के पास अब वर्ष में दो बार प्रवेश लेने के अवसर होंगे। प्रवेश एवं परीक्षा कार्यप्रणाली को व्यवस्थित बनाने के लिए कुलपति प्रो. नागेश्वर राव द्वारा यह सराहनीय कदम उठाया गया है। अब इच्छुक छात्र सालभर अपनी इच्छानुसार प्रवेश ले सकेंगे। यह प्रवेश प्रक्रिया डिग्री व डिप्लोमा दोनो पाठ्यक्रमों के लिए शुरू की गई है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साथ ही वेबसाइट से आवेदन फार्म प्रिंट करके ऑफलाइन भी प्रवेश ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त नजदीकी अध्ययन केन्द्र से सम्पर्क कर प्रवेश लिया जा सकता है। विश्वविद्यालय के इस पहल के प्रति छात्रों ने काफी रूचि दिखाई है। शीतकालीन सत्र में अब तक 11,000 से ज्यादा छात्र प्रवेश ले चुके हैं। साथ ही विश्वविद्यालय का प्रयास है कि विद्यार्थियों को समय से पाठ्यसामग्री उपलब्ध करायी जाय। इसके लिए पिछले सत्र से ही अध्ययन सामग्री सीधे अध्ययन केन्द्रों को भेजी जा रही है। आवश्यकतानुसार कुछ विद्यार्थियों को पुस्तकें सीधे उनके घर पर भी भेजी जा रहीं हैं।

• अकादमिक सत्र

सामान्यतः विश्वविद्यालय का सत्र जुलाई से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष जून तक चलता है। इस पाठ्यक्रम वार्षिक परीक्षा प्रणाली या सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। सेमेस्टर प्रणाली में सेमेस्टर की अवधि छः माह है। विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार प्रवेश दिया जाता है।

1. ग्रीष्म कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ)

2. शीत कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जनवरी 2017 से प्रारम्भ)

• प्रवेश की अंतिम तिथि -

प्रवेश	**सत्र**	
	ग्रीष्मकालीन	**शीतकालीन**
आरम्भ की तिथि	01 जुलाई	01 जनवरी
अंतिम तिथि	31 अगस्त	28 फरवरी
विलम्ब शल्क रू.250/- के साथ	15 सितम्बर	15 मार्च
विलम्ब शल्क रू.500/- के साथ	30 सितम्बर	31 मार्च

• ऑनलाइन प्रवेश -

सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाईन प्रक्रिया में शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे (डेबिड कार्ड/क्रेडिड कार्ड अथवा नेट बैकिंग) के माध्यम से किया जाता है।

प्रथम वर्ष/प्रथम समेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र तथा संलग्नकों को अनिर्वाय रूप से अध्ययन केन्द्र में जाकर सत्यापित कराते हैं। इन विद्यार्थियों को अग्रिम वर्ष में प्रवेश लेते समय अपने अभिलेखों को सत्यापित करवाने की आवश्यकता नही होती और वे सीधे ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करते हैं।

अगर कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पूर्व से ही नामांकित है तथा नये पाठ्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश लेना चाहता है, तो उस विद्यार्थी को अपने फार्म तथा संलग्नकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाना होता है।

- **नामांकन/ पहचान पत्र**

शिक्षार्थी सहायता सेवा का प्रथम चरण छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन किया जाता है और उसे एक नामांकन संख्या का आवंटन एक ही बार होता है, जिसका उल्लेख अंक तालिका, प्रमाण पत्र एवं उपाधि पत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। छात्र द्वारा पहचान पत्र पर प्रविष्टियाँ अंकन तथा नवीनतम फोटोग्राफ चिपका कर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र निदेशक से हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य होता है। पहचान पत्र शिक्षार्थी के विश्वविद्यालय में छात्र होने का प्रमाण होता है।

- **पुनर्प्रवेश एवं पार्श्व प्रविष्टि**

यदि कोई विद्यार्थी अपरिहार्य कारणों से पाठ्यक्रम के मध्य में ही अध्ययन छोड़ देता है और बाद में पुन: प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे विद्यार्थी को इस प्रतिबन्ध के साथ पुन: प्रवेश प्रदान किया जा सकता है कि ऐसे विद्यार्थी द्वारा उसके सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रथम प्रवेश की अवधि से निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर्गत ही पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना होगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पार्श्व प्रविष्टि (Lateral Entry) की भी व्यवस्था की है। पार्श्व प्रविष्टि के आधार पर प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में उनके पूर्व संस्थानों के प्राप्तांको को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रतिशतांक में परिवर्तित किया जाता है, जिससे कुल प्रतिशत के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि का निर्धारण किया जा सके।

- **प्रवेश पद्धति -**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन पद्धतियों से प्रवेश लेने की व्यवस्था की गई है। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है वहाँ राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण के नियम लागू होते हैं, किन्तु जिन कार्यक्रमों में सीधे प्रवेश की व्यवस्था है, वहाँ सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में केवल वे अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र हैं जो विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा तथा अन्य मापदण्डों को पूरा करते हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय से निर्धारित शुल्क का भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी का प्रवेश उसी अध्ययन केंद्र में माना जाएगा, जहाँ उसने पूरित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो अथवा पंजीकरण कराया हो । विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए वही आवेदन पत्र स्वीकार्य हैं, जिनके साथ विद्यार्थी द्वारा स्वप्रमाणित एवं सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु मात्र उन्हीं स्कूल बोर्डों/ विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र एवं उपाधियाँ मान्य है जिन उपाधियों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी ऐजुकेशन/विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समकक्षता/ मान्यता प्रदान की गयी हो।

- **पाठ्यसामग्री (Learning Meterial)**

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में मुद्रित अध्ययन सामग्री का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री छात्रों की रूचि, उनके मानसिक स्तर तथा ज्ञान के उच्चस्तरीय क्रियारूपों की सापेक्षता में निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश एवं नामाकंन के पश्चात् अध्ययन सामग्री छात्रों को दे दी जाती है। अध्ययन सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के मुख्यालय से भी होता है तथा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र से भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केंद्र हल्द्वानी, रानीखेत, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी, रूड़की एवं देहरादून में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन इसके अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से होता है। विद्यार्थी का नामांकन किसी अध्ययन केन्द्र पर होता है, और इस तरह वह क्षेत्रीय केंद्र तथा विश्वविद्यालय का एक भाग बनता है। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केंद्रो तथा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन की पद्धति का अनुसरण करता है।

- **परामर्श (Counselling)**

मुक्त विश्वविद्यालय की भिन्न शिक्षण-पद्धति के कारण परामर्श प्रक्रिया इसकी मुख्य आकादमिक गतिविधि है। परामर्श कक्षा-शिक्षण का विकल्प नहीं है, अपितु कक्षा-शिक्षण के आगे की प्रक्रिया है। मुक्त अध्ययन पद्धति यह स्वीकार करती है कि छात्र ने स्व-अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर विषय को समझ लिया है तथा विषय की समझ को उसके अंतिम रूप, क्रियात्मकता तक अब 'परामर्श सत्रों' का आयोजन कर लाया जाता है। परामर्श सत्र मुख्यत: अध्यापक और छात्र के मध्य क्रियात्मक-संवाद है। यानी किसी विषय की सैद्धान्तिक अवधारणा की समझ के पश्चात् उस विषय के क्रियात्मक रूपों के अनुशासन का नाम ही परामर्श सत्र या परामर्श कक्षायें हैं । परामर्श सत्र सैद्धान्तिक अधिगम की व्यावहारिक उपस्थापना है।

परामर्श सत्र का छायाचित्र

परामर्श कक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केन्द्रों पर शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जब कि विश्वविद्यालय अपने मुख्यालय पर प्रतिदिन छात्रों के लिए परामर्श कक्षायें चलाता है। शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्रों के आयोजन के पीछे मुख्य ध्येय यह है कि अवकाश के दिनों में व्यवसायरत, कार्यरत एवं गृहणियाँ भी इस सत्र का लाभ उठा सकती हैं। समय-समय पर आयोजित परामर्श–सत्रों की सूचना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बेवसाइट, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्रो कार्यालय के सूचना पट्ट एवं समन्वयकों तथा

समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है। इस प्रकार परामर्श सत्र का आयोजन उन लोगों के लिए भी लाभप्रद है, जो अपनी व्यावसायिक एवं घरेलू व्यस्तता के कारण स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से विषय का समुचित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

❖ मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार (Evaluation Process and Improvement)

• परीक्षा (Exam)

परीक्षा विद्यार्थी के स्व-अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन चरण है। किसी छात्र ने अपने विषय को किस रूप में ग्रहण किया है तथा उसकी अभिव्यक्ति कैसी है, इस तथ्य का परीक्षा के माध्यम से ही मूल्यांकन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को पारदर्शी ढंग से निष्पादित करने की व्यवस्था की है।

• पात्रता एवं अनिवार्यता

प्रत्येक विद्यार्थी जिसने विश्वविद्यालय में विधिवत् प्रवेश लिया हो, विश्वविद्यालय में नामांकन कराया हो, पंजीकृत हो तथा जिसने सत्रीय कार्य पूर्ण कर जमा कर दिया हो और विश्वविद्यालय का शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क जमा किया हो, वह परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उन समस्त विषयों की परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा जो उस पाठ्यक्रम के लिए वर्ष विशेष में उसके द्वारा चयनित किये गये हों। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा अथवा किसी विषय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है, तो उसे उस विषय की परीक्षा अथवा सम्पूर्ण परीक्षा (यथा स्थिति) में अनुपस्थित माना जाएगा। यदि छात्र पूरी परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो उसे सम्बन्धित कक्षा के लिए पुन: पंजीकरण नहीं करवाना होगा और न ही प्रवेश सम्बन्धी शुल्क का भुगतान करना होगा। छात्र को केवल उस वर्ष के लिए रू – 200 /- प्रति प्रश्न पत्र बैक परीक्षा शुल्क के साथ बैंक फॉर्म भर के परीक्षा हेतु आवेदन करना होगा, साथ ही वह अगले वर्ष की परीक्षा हेतु आवेदन कर सकता है। परीक्षार्थी के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र जिसमें छात्र की फोटो लगी हो, अवश्य होनी चाहिए। परीक्षार्थी के पास अपना पहचान-पत्र (वोटर आई.डी., लाइसेंस, पैन कार्ड आदि) होना चाहिए।

• 2016-17 में विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंकों का निर्धारण

(क) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हों-

1. सत्रीय कार्य- 30% अंक
2. लिखित परीक्षा- 70% अंक

(ख) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य होते हैं-

1. सत्रीय कार्य 30% अंक
2. प्रयोगात्मक कार्य 15% अंक
3. लिखित परीक्षा 55% अंक

(ग) पूर्णरूपेण मौखिक परीक्षा अथवा परियोजना कार्य 100 अंक अथवा सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था ।

(घ) जिन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा उनमें सन्तोषजनक अथवा असन्तोषजनक के रूप में मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

• सत्रीय कार्य –

सत्रीय कार्य परीक्षा-मूल्यांकन का ही प्राथमिक चरण है। सत्रीय कार्य की परिकल्पना यह है कि इस मूल्यांकन के कारण छात्र की चिन्तन शक्ति का विकास हो तथा उसके स्व-अध्ययन सामग्री का प्रायोगिक रूप सामने आ सके। सत्रीय कार्य छात्रों की मूल्यांकन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए यह अनिवार्य है कि छात्र निर्धारित शुल्क सीमा एवं निर्धारित समयावधि के भीतर ही इसे अध्ययन केंद्र में जमा कर दें। यदि कोई छात्र अन्तिम तिथि के उपरान्त सत्रीय कार्य जमा करता है तो उसे रू0 100 प्रति सत्रीय कार्य की दर से जमा करना होगा।

• अंक निर्धारण –

विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंको का निर्धारण अलग-अलग हैं। जैसे उन विषयों में, जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हो, उनमें सत्रीय कार्य के लिए 30 अंक तथा लिखित परीक्षा के लिए 70 अंक रखे गये हैं। किन्तु जिन विषयों में प्रयोगात्मक कार्य होते हैं, उनमें सत्रीय कार्य 40 अंको का प्रयोगात्मक कार्य 15 अंकों का तथा लिखित परीक्षा 45 अंकों के मध्य विभाजित होती है। यह प्रणाली पूर्णरूपेण विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाती है।

• परीक्षा में उत्तीर्ण होने के मापदण्ड -

प्रत्येक वर्ष में पंजीकृत छात्र द्वारा उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक (सत्रीय कार्य, प्रयोगात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा, परियोजना कार्य एवं लिखित परीक्षा में पृथक-पृथक) प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी विषय में उपर्युक्त विधि से निर्धारित अंक नहीं प्राप्त करता है तो उसे उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्र को उस विषय में उत्तीर्ण होने के लिए पुन: परीक्षा देनी होगी। परन्तु किसी विषय में अनुत्तीर्ण छात्र उस पाठ्यक्रम की परीक्षा अगले वर्ष की परीक्षा के साथ दे सकता है।

• परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, शुल्क भुगतान एवं सुधार परीक्षा

छात्र हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा प्रदान की है। किसी भी अभ्यर्थी को आवंटित परीक्षा केन्द्र में परिर्वतन हेतु निर्धारित शुल्क रू0 500/- का भुगतान करना होगा।

किसी भी प्रकार का प्रवेश अथवा परीक्षा शुल्क नकद रूप में मान्य नहीं है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान बैंक चालान के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार करना अनिवार्य होगा।

उत्तीर्ण होने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा मे प्राप्त अंको में सुधार करने की इच्छा रखता है तो वहाँ रू0 200/- प्रति प्रश्न पत्र की दर से शुल्क का भुगतान कर सुधार परीक्षा दे सकता है। यह सुविधा विद्यार्थी को अपने चयनित पाठ्यक्रम के अधिक से अधिक सभी विषयों की आधी संख्या के बराबर विषयों में ही उपलब्ध होगी, किन्तु जो भी विषय चयनित किए जायेंगे उनके सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर /डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में भी सुधार परीक्षा अधिकतम कुल प्रश्न पत्रों की आधी संख्या के लिए अनुमन्य होगी। यथा 5 या 6 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 3 प्रश्न पत्र, 3 या 4 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 2 प्रश्न पत्र। कोई भी परीक्षार्थी जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हो, उन विषयों में वह सुधार परीक्षा दे सकता है । सुधार परीक्षा हेतु प्रति प्रश्न –पत्र रू. 200 / - की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। सुधार परीक्षा में निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को उस वर्ष के लिए उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

- **श्रेणी –**

परीक्षा परिणाम की निम्न तीन उत्तीर्ण श्रेणियाँ होंगी :

A) स्नातक स्तर (Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक	First Division	60% or more
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 45 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 45%
तृतीय श्रेणी	45 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 45% and upto 35%

B) परास्नातक स्तर (Post Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक	First Division	60% or more
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 48 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 48%
तृतीय श्रेणी	48 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 48% and upto 35%

- **बैक पेपर की सुविधा (Back Paper Facility)**

विद्यार्थी यदि अपने चयनित पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होता है तो रू. 200 /- प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान कर पुन: परीक्षा दे सकता है। विद्यार्थी को यह सुविधा उन सभी विषयों में देय होगी जिनमें वह अनुत्तीर्ण है। यह सुविधा पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु निर्धारित अधिकतम समय सीमा तक देय होगी। बैक पेपर व सुधार परीक्षाएँ मुख्य परीक्षा के साथ ही आयोजित की जाती हैं।

❖ ऑडियो-विजुअल सामग्री (Audio-Visual Material)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा को रोचक एवं प्रभावशाली बनाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडियो-विजुअल व्याख्यानों को विकसित किया गया है, तथा यह सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह कोशिश की जा रही है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ब्लॉक के अनुसार ऑडियो-विजुअल सामग्री का विकास किया जाय ताकि विद्यार्थी को पाठ्यसामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके। विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो-विजुअल व्याख्यानों को 'एडूसेट' के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों में अपने स्वयं के अध्ययन केन्द्रों से प्रसारित करने की योजना है, ताकि विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों के वीडियो लेक्चर द्वारा विषय ज्ञान से अवगत कराने की भी व्यवस्था है। विश्वविद्यालय ने एडुसेट के माध्यम से छात्रों के लिए परामर्श की भी व्यवस्था की है।

❖ प्रथम दीक्षान्त समारोह (First Convocation Ceremony)

उत्तराखण्ड का प्रथम दीक्षान्त समारोह 7 नवम्बर 2016 को सम्पन्न हुआ। यह हल्द्वानी नगर के लिए ऐतिहासिक क्षण था, क्योंकि यह नगर का प्रथम दीक्षान्त समारोह था। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल एवं कुलाधिपति उत्तरखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय डॉ0 के.के.पॉल तथा विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ0 इंदिरा हृदयेश थीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने 543 स्नातकों, परास्नातकों और स्नातकोत्तर डिप्लोमाधारीयों में से 520 को उपाधि से सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान पाने वाले 20 स्नातकों व परास्नातकों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

प्रथम दीक्षान्त समारोह का छायाचित्र

दीक्षान्त समारोह का सम्बोधित करते हुए महामहिम डॉ0 के.के. पॉल ने कहा कि शिक्षा के साथ अच्छी किताबें और अच्छे संस्कार जरूरी हैं। उन्होंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की। उच्च शिक्षामंत्री ने उच्च शिक्षा के उद्देश्य पर प्रकाश डाला तथा मुक्त विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 2005 से आरम्भ हुए विश्वविद्यालय के पास आज 35,000 से ज्यादा छात्र हैं, विश्वविद्यालय के सारे कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं तथा कम्युनिटी रेडियो तथा गाँवों में मुक्त विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर सामुदायिक कार्यक्रम चला रहा है। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्य परिषद तथा विद्या परिषद् के सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण के अलावा शहर के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति भी पर्याप्त संख्या में रही।

(देखें ... परिशिष्ट IX)

❖ प्रशिक्षण और प्लेसमेन्ट सेल (Training and Placement Cell)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु एक प्लेसमेन्ट सेल का निर्माण किया गया है। इस सेल में छात्रों का विस्तृत डाटाबेस रखा गया है। सेल नौकरियों की रिक्तियों की सूचना के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनो के एच.आर. हेड्स के सम्पर्क में रहता है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा ‘प्लेसमेन्ट सेल’ नामक एक पोर्टल निर्मित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को उनके कैरियर सम्बन्धित विभिन्न जानकारी प्रदान की जाती है। छात्र इस पोर्टल से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बारे में जानकारी ले सकते है। इस सेल को पुरा छात्र प्रकोष्ठ से भी जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय के प्रबन्ध विषय में 150 से अधिक शिक्षार्थी जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है वो विभिन्न क्षेत्रों

में (यथा – प्रशासनिक, बैंकिग, अध्यापन, निजी क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र आदि) कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार पर्यटन, होटल प्रबन्ध, कला, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर तथा विज्ञान आदि विषयों के शिक्षार्थी भी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपनी- अपनी सेवायें दे रहे हैं। भविष्य में सेल द्वारा जॉब फेयर आयोजित करने की योजना है।

ओ. ई .आर. पोर्टल का उद्घाटन (Inauguration of OER Portal)

दिनांक 26 जुलाई 2016 को एम. बी. पी. जी. कॉलेज में एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र देहरादून, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय व उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड की ओर से किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन उच्च शिक्षा मंत्री, माननीय श्रीमती इंदिरा हृदयेश द्वारा किया गया। ए. व्यू., आई. आई. टी. मुंबई व जी. बी. पंत विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ द्वारा कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के चेयरमैन प्रो. दुर्गेश पंत ने कार्यशाला में तकनीकी आधार शिक्षा की भविष्य में रूप रेखा तैयार की व उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में इसे कैसे बड़ावा दिया जाय इस पर भी मंथन किया। कार्यशाला में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई। ओ. ई .आर. पोर्टल का उद्घाटन उच्च शिक्षा मंत्री माननीय श्रीमती इंदिरा हृदयेश तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. पुष्पेश पंत द्वारा किया गया।

कुलपति जी एवं मुख्य अतिथियों द्वारा ओ.ई.आर पोर्टल का उद्घाटन करते हुए छायाचित्र

❖ पुरा छात्र प्रकोष्ठ (Establishment of Alumini Cell)

विश्वविद्यालय में पुरा छात्र प्रकोष्ठ का गठन मई 2016 को किया गया। इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य है – विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों को विश्वविद्यालय से जोड़ना। इस सम्बन्ध में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक पोर्टल (Alumni Portal) का निर्माण किया गया है, जिससे छात्र सीधे रूप में विश्वविद्यालय से जुड़ सकें। इस पोर्टल के माध्यम से अध्ययन पूर्ण कर चुके छात्र विश्वविद्यालय से निरन्तर सम्पर्क में रह सकते है, साथ-ही साथ वह विश्वविद्यालय का प्रचार-प्रसार करने में भी सहायक हो सकते है। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यम यथा – फेसबुक, ट्वीटर, ब्लॉग आदि से भी छात्र इससे सम्पर्क स्थापित कर सकते है। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र ही वास्तव में विश्वविद्यालय के सही अर्थों में ब्रांड अम्बेसडर हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति, प्रोफेसर नागेश्वर राव जी के प्रेरणा से पुरा छात्र प्रकोष्ठ का गठन हुआ। इस सेल का संयोजन डॉ0 सुचित्रा अवस्थी द्वारा किया जा रहा है।

6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन
(GOVERNANCE, LEADERSHIP AND MANAGEMENT)

❖ विश्वविद्यालय की संदृष्टि (Vision of University):

"ज्ञान के इस युग में उच्च-शिक्षा को विकास का सशक्त माध्यम बनाने के लिए ज्ञान का सृजन कर उत्तरा -खण्ड के लोगों, विशेषकर युवाओं तथा शिक्षा से वंचित एवं रोजगार में संलग्न व्यक्तियों को मूल्य-आधारित गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के सुविधाजनक एवं सर्वसुलभ अवसर उपलब्ध कराते हुए उन्हें जीवन पर्यन्त अध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा स्व-रोजगार, रोजगार एवं अन्य कौशलों में दक्ष बनाना जिससे कि वे प्रदेश, देश व सम्पूर्ण मानवता की उपयुक्त सेवा कर सकें।

❖ विश्वविद्यालयीय सहभागी स्वरूप एवं विकेन्द्रीकरण (Participative Decision Process and Decentralization)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सहभागी स्वरूप की पद्धति पर कार्य करता है। किसी भी पाठ्यक्रम या योजना को वह विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लागू करता है। प्राध्यापक अपने निदेशक से तथा निदेशक कुलपति के माध्यम से किसी निर्णय का निस्तारण करते हैं। इस प्रकार कार्यों में केन्द्रीयता और विकेन्द्रीयता दोनों रहती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभाग विकेन्द्रीकृत हैं। जैसे प्रादेशिक सेवाएँ, प्रवेश अनुभाग, शोध एवं नवाचार, अकादमिक अनुभाग, पुस्तक वितरण अनुभाग, आईसीटी अनुभाग ये सभी मिलकर सहभागी रूप में कार्य करते हैं। इन विभागों के स्वतन्त्र रूप से प्रभारी हैं और वे इसका संयोजन करते हैं। इसी प्रकार दीक्षान्त समारोह या अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में परस्पर सहभागी रूप में विश्वविद्यालय के सदस्य कार्य करते हैं। प्रशासन के स्तर पर विकेन्द्रीकरण का उदाहरण है – कुलपति के कार्यों का विभिन्न अकादमिक व्यक्तियों में वितरण। इस समय ओएसडी सामान्य, ओएसडी क्रय एवं मुद्रण, ओएसडी अनुरक्षण तथा ओएसडी पुस्तकालय के रूप में प्रशासन का विकेन्द्रीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय की नीति लोकतान्त्रिक है।

❖ भविष्य की योजनायें (Perspective plans)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय कुछ नए पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की योजना पर कार्य कर रहा है। सन् 2014 से कुछ पाठ्यक्रम बन्द पड़े थे। इस वर्ष यूजीसी से कुछ नये पाठ्यक्रमों के लिए अनुरोध किया गया है। उनकी स्वीकृति मिलने पर हम एम0ए0 ज्योतिष, एम. एस. सी. भूगोल, एम.ए. मनोविज्ञान, एम.ए. संगीत, बी.एड, बी.एड स्पेशल एवं जीएसटी पर एक डिप्लोमा प्रोग्राम मैनेजमेन्ट डिपार्टमेन्ट द्वारा प्रारम्भ करेंगे। मैनेजमेन्ट विभाग द्वारा संचालित होने वाले जीएसटी प्रोग्राम में विश्वविद्यालय ऑनलाइन अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायेगा। विश्वविद्यालय ने MOOC को अपने यहाँ लागू किया है, किन्तु अभी भी यह कम्प्यूटर साइंस जैसे कुछ विषयों में ही चल रहा है, भविष्य में हम उसे अन्य विषयों में भी लागू करेंगे, हम इस योजना पर भी कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार OER पर हम और पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे। OER में अन्य विषयों को भी शामिल किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी प्रयासरत रहा है कि हमारे पाठ्यक्रम ज्ञानार्जन के साथ ही साथ छात्रों को रोजगार से भी जोड़े। विश्वविद्यालय ने रोजगारपरक कई पाठ्यक्रमोंका निर्माण किया है, जिसे वह यूजीसी को स्वीकृति हेतु भेज रहा है। यूजीसी की स्वीकृति मिलने के पश्चात् हम इन पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करेंगे।

❖ छात्र शिकायत एवं निवारण पोर्टल (Students' Greivances and Solution Portal)-

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से तकनीकी माध्यम का उपयोग करते हुए छात्र हित में एक **'सपोर्ट टिकट पोर्टल'** का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी छात्र अपनी समस्या को ऑनलाइन प्रेषित कर सकता है। छात्र द्वारा जब ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, उसी समय उसे एक टिकट नम्बर भी प्राप्त हो जाता है। उस नम्बर के आधार पर वह अपनी शिकायत का निवारण कभी भी कर सकता है। समस्या के निवारण सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में यह सुविधा आइसीटी अनुभाग द्वारा निर्मित की गई है।

❖ सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का प्रबन्ध एवं संचालन (Management and monitoring of affiliated centres (Regional and study centres)

विश्वविद्यालय में सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का संचालन आरएसडी अनुभाग द्वारा किया जाता है।

- 1 सितम्बर 2016 को मान्यता बोर्ड की पंचम बैठक सम्पन्न हुई जिसमें विश्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र स्थापना हेतु मानक/ मापदण्ड एवं सामान्य नियम – 2016 हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी।
- मान्यता बोर्ड की छठी बैठक दिनांक 21/03/2017 को सम्पन्न हुई जिसमें विश्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र स्थापना हेतु मानक/ मापदण्ड एवं सामान्य नियम – 2016 में संशोधन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी। ।
- पूर्व में स्थापित 18 अध्ययन केन्द्रों को उनके कार्यकाल पूर्ण होने के उपरान्त उन्हें नवीनीकरण की प्रक्रिया के दौरान असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण बन्द कर दिया गया।
- वर्तमान में 229 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। (परिशिष्ट का अवलोकन करें)
- अध्ययन केन्द्रों को शैक्षिक सत्र 2016-17 ग्रीष्म के शुल्क अंश की प्रथम एवं द्वितीय किश्तों का भुगतान विश्वविद्यालय द्वारा किया जा चुका है।
- निदेशालय के समस्त दैनिक कार्यों का सम्पादन यथा माँग के आधार पर विद्यार्थियों के प्रवेश व अध्ययन केन्द्र परिवर्तन, प्राप्त डाक का निस्तारण कार्य, अध्ययन केन्द्रों/ पाठ्यक्रमों को ऑन लाइन अपडेट करना, आवश्यकतानुसार अन्य विभागों द्वारा सौंपे गये कार्यों का सम्पादन करना, क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों व विद्यार्थियों से सम्पर्क करना आदि।

❖ अकादमिक संपरीक्षा (Academic Audit)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल के अकादमिक संपरीक्षा की प्रक्रिया समय- समय पर सम्पन्न होती रही है। विश्वविद्यालय का अकादमिक निदेशालय इस कार्य को तत्परतापूर्वक करता रहा है। अकादमिक संपरीक्षा के अन्तर्गत सत्र 2016-17 के बीच हुए प्रमुख कार्यों का मूल्यांकन विवेचन है। इस बीच विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच, नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ की आवश्यकता एवं उनके महत्व निर्धारण, संगोष्ठी कार्यशालाओं में भागीदारी –आयोजन का मूल्यांकन करना तथा शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन की गतिविधियों की जाँच का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही आईक्यूएसी (आंतिरक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ) का गठन किया जायेगा, जिससे अकादमिक संपरीक्षा और व्यवस्थित रूप में सम्पन्न हो सके। सम्प्रति विश्वविद्यालय

के निदेशक, अकादमिक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा के निर्देशन में अकादमिक संपरीक्षा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

❖ विश्वविद्यालय सहायता प्रणाली (University Support System)

विश्वविद्यालय का अपना एक शिक्षार्थी Support system है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपनी समस्या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित व्यक्ति तक पहुँचा सकता है। यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है। शिक्षार्थी सपोर्ट सिस्टम का उद्देश्य है - विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों या जुड़ने वाले छात्रों की समस्या का समाधान तकनीकी माध्यम से करना। अत: युगानुरूप शिक्षार्थियों के समस्या समाधानार्थ यह एक सुलभ साधन है।

इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी प्रवेश या परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी समस्या सीधे दूरभाष द्वारा बता सकता है साथ ही उसका समाधान भी प्राप्त कर सकते है।

❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन (Financial Management of University)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बजटीय नियन्त्रण प्रणाली का पालन किया जाता है जिसके द्वारा विश्वविद्यालय का बजट तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट आगामी वर्ष के पहले ही तैयार कर लिया जाता है।

विश्वविद्यालय को शुल्क राशि (Fee-Fund) से आय प्राप्त होती है तथा राज्य सरकार द्वारा राज्य-अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जहाँ तक वित्तीय संसाधनों का सम्बन्ध है, विश्वविद्यालय सभी अनुदान/ निधि का कुशलता से उपयोग करता है।

लेखा के ऑडिट के लिये माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक चॉर्टड एकाउन्टेन्ट को बाहरी ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह चार्टड एकाउन्टेन्ट प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में लेखा की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करता है। (देखें … परिशिष्ट XIII)

❖ अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति की बैठक के महत्वपूर्ण बिन्दु

क्रम संख्या	विभाग	तिथि	अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति
1.	ज्योतिष	20.3.2017	विश्वविद्यालय में एम.ए. ज्योतिष नवीन पाठ्यक्रम आरम्भार्थ विशेषज्ञ सिमति की बैठक हुई। जिसमें बाह्य विषय विशेषज्ञों के साथ मिलकर एम.ए. ज्योतिष प्रथम व द्वितीय वर्ष के कुल नौ (09) प्रश्नपत्रों का निर्माण किया गया।
2.	कम्प्यूटर	22.3.2017	कम्प्यूटर साइंस की विशेषज्ञ समिति की बैठक हुई। बैठक में पूर्व से चल रहे पाठ्यक्रमों की समीक्षा हुई तथा एमसीए, एमएससीआईटी तथा पीजीडीसीए पाठ्यक्रमों को ओईआर की मदद से विकसित करने का अनुमोदन दिया गया।
3.	होटल प्रबन्ध	7.01.2017	विश्वविद्यालय में संचालित होटल प्रबन्ध विषय में विश्वविद्याल अनुदान आयोग द्वारा निर्देशित सीबीसीएस मोड में चार वर्षो का बीएचएम पाठ्यक्रम को चलाये जाने का अनुमोदन दिया गया। साथ ही एमएचएम पाठ्यक्रम में संशोधन को भी अनुमोदन दिया गया।

❖ रूसा की कार्यशाला (Workshop on RUSA)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखण्ड के उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एकेडमिक आडिट और आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण हेतु फ्रेमवर्क निर्माण के सन्दर्भ में रूसा के अन्तर्गत 7 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर में एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में गढ़वाल मण्डल में स्थित सभी राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्यों के साथ ही इस विषय के विद्वानों ने इसमें सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता दून विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोण् वीके जैन ने की। इस कार्यशाला के संयोजक मुक्त विश्वविद्यालय में रूसा के प्रभारी प्रो. गिरिजा पाण्डे थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रो. दुर्गेश पन्त, डॉ. सत्यपाल सहानी, डॉ. सुधारानी पाण्डे, नरेन्द्र जगूड़ी, डॉ. राकेश रयाल आदि उपस्थित थे।

7. नवाचार एवं सर्वोत्तम प्रथाएं
(Innovations and Best Practices)

❖ ग्यारहवीं स्थापना दिवस समारोह (11th Foundation Day Celeberation)

विश्वविद्यालय का एकादश स्थापना दिवस विश्वविद्यालय के मुख्यालय तीनपानी, हल्द्वानी में धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के 11 वर्षों के कार्यों तथा उपलब्धियों के सोपानों से सम्बन्धित स्मारिका प्रगति के सोपान का भी विमोचन किया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में यूओयू के पूर्व एवं उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने की। इस अवसर पर ''दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा से सशक्तिकरण'' विषय पर पोस्टर, कोलाज, स्लोगन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के स्थानीय अध्ययन केन्द्रों के विद्यार्थियों ने तथा विश्वविद्यालय के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। अंत में एक संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने कहा कि कोई भी संस्थान तब आगे बढता है जब उसके सदस्य नेतृत्व के साथ एक होकर कदम- से- कदम मिलाकर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय या कोई भी संस्थान एक परिवार की तरह होता है, उसके सदस्यों में मतभेद हो सकते हैं; लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए, तभी संस्थान निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि वे भले उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हो लेकिन वे आज भी मन से विश्वविद्यालय से जुडे हैं और हमेशा विश्वविद्यालय को आगे ले जाने में उनसे जो भी सहयोग लिया जायेगा, वे देते रहेंगे।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर कुलपति जी एवं अतिथियों द्वारा 'प्रगति के सोपान' का विमोचन

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि प्रो. पाठक ने अपने कार्यकाल में जो कार्य किये हैं, वे सराहनीय हैं और आज हम उन्हीं को आगे बढ़ा रहे हैं.प्रो. पाठक की विश्वविद्यालय को आईटी से जोड़ कर इसे सशक्त करने में अहम भूमिका रही है, क्योंकि दूरस्थ शिक्षा में आईटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों तथा राज्य के विश्वविद्यालयों की तुलना में हम आईटी का अधिक प्रयोग कर रहे हैं, जिसका लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिल रहा है। उन्होंने स्थापना

दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार से आह्वान किया है कि हमे इस स्थापना दिवस पर संकल्प लेना चाहिए कि हम अधिक- से -अधिक काम कर इस विश्वविद्यालय को राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय बनाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर सभी प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालय के 11 वर्षो के इतिहास पर चर्चा की और प्रगति पर प्रकाश डाला। कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्र ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने किया। कार्यक्रम में निदेशक प्रो. एचपी शुक्ल, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. गोविन्द सिंह, प्रो. गिरिजा पाण्डेय, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल व संयोजक डॉ. मंजरी अग्रवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद थे।

❖ न्यूज लेटर ‘उड़ान’ का विमोचन (Inauguration of The News-Letter ‘UDAAN’)

विश्वविद्यालय के त्रैमासिक न्यूज लेटर ‘उड़ान’ का विमोचन कुलपति प्रो. नागेश्वर राव द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के विकास को दर्शित करता यह न्यूज़ लेटर नियमित क्रम से प्रकाशित हो रहा है। यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों का संक्षिप्त वातायन है, जिसके माध्यम से हम विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक जगत को समझ सकते हैं। इसमें विश्वविद्यालय की समस्त की समस्त गतिविधियों को समायोजित करने का प्रयास किया गया है। प्रो नागेश्वर राव के कार्यभार ग्रहण के पश्चात न्यूज़ लेटर के अब तक 3 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। वर्तमान में उड़ान का सम्पादन प्रो एच पी शुक्ला ,डॉ शशांक शुक्ला तथा श्री राजेन्द्र क्वीरा कर रहे हैं।

कुलपति जी तथा अन्य प्राध्यापकों एवं विश्वविद्यालयीय सदस्यों द्वारा ‘उड़ान’ का विमोचन

विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण

70 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय का यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए किया गया। विश्वविद्यालय को हरा-भरा बनाये रखने हेतु परिसर में पौधारोपण का कार्य समय-समय पर आयोजित किये जाते रहे हैं। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय के साथ कुलसचिव एवं अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित थे। प्रो नागेश्वर राव ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य मूल रूप से प्रकृति से जुदा हुआ है। हमारी मूल संरचना प्राकृतिक है, इसलिए हमें प्रकृति के क़रीब रहना चाहिए। शास्त्र प्रत्येक मनुष्य को कम-से-कम 10 वृक्ष लगाने को कहते हैं। इस दृष्टि से हम उनकी उदार चेतना और मस्तिष्क को समझ सकते हैं। आज पूरा

विश्व पर्यावरण संकट से जूझ रहा है,जिसका मूल कारण हमारी भौतिक आसक्ति है। प्रकृति को जब हम आत्मीय रूप में ग्रहण करेंगे , तभी हमारे जीवन व समाज में समृद्धि आएगी।

कुलपति जी एवं कुलसचिव द्वारा वृक्षारोपण

❖ स्वच्छता अभियान कार्यक्रम :

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 2 अक्टूबर 2016 को महात्मा गाँधी जयन्ती एवं श्री लालबहादुर शास्त्री जयन्ती कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर आर.सी. मिश्रा जी ने गाँधी जी के जीवन पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी ने गाँधी जी एवं शास्त्री जी के आदर्शों को बताते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में ऐसे महापुरूषों के सिद्धान्तों एवं मूल्यों को ग्रहण करना चाहिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण, सहायक प्राध्यापक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

कुलपति जी एवं कुलसचिव का छायाचित्र (स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के दौरान)

❖ महत्वपूर्ण दिवस समारोह (Important Days Celeberation)

• स्वतन्त्रता दिवस (Independance day)

15 अगस्त 2016 को 70 वां स्वतन्त्रता दिवस विश्वविद्यालय में धूम-धाम के साथ मनाया गया। कुलपति प्रो नागेश्वर राव जी के ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ ।इस अवसर पर कुलपति प्रो राव ने गत माह की विश्वविद्यालय की प्रगति-यात्रा को रेखांकित किया। इन्होने कहा कि कोई भी विश्वविद्यालय के सुनियोजित पद्धति पर कार्य करके ही प्रगति कर सकता है। मुक्त विश्वविद्यालयी पद्धति में जहाँ प्राय: कार्य तकनीक

आधारित हैं, वहाँ तो इसकी अनिवार्यता स्वयं सिद्ध ही है। हमारी कार्य पद्धति प्रवेश से लेकर परीक्षा परिणाम तथा छात्र के प्लेसमेंट तक होती है। प्रवेश-पुस्तक वितरण–पुस्तकालय–परामर्श –परीक्षा-परिणाम–प्लेसमेंट-पुरा छात्र तक एक लम्बी श्रृंखला है, जिसके माध्यम से हम छात्रों के साथ संवाद स्थापित करते हैं ।इस प्रकार का संवाद नियमित विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धति में नहीं होता। इस दृष्टि से मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए कार्य करने के असीमित अवसर उपलब्ध होते हैं। प्रो राव ने इस अवसर पर सभी शिक्षकों-कर्मचारियों को विश्वविद्यालय की प्रगति में उनके योगदान के लिए बधाई दी तथा भविष्य में भी उनके उत्तम कार्य करते रहने की सम्भावना जताई।

- **गणतन्त्र दिवस (Republic day)**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपना 68 वाँ गणतन्त्र दिवस धूमधाम से मनाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव के ध्वजारोहण से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने अगस्त से लेकर जनवरी तक के विश्वविद्यालय की प्रगति- आख्या को रेखांकित किया। उन्होंने इस मध्य में हुए विश्वविद्यालय के उल्लेखनीय कार्यों पर संतोष व्यक्त किया तथा विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों को पूरे मनोयोग से विश्वविद्यालय की प्रगति में अपना योग देने के लिए आवाहन किया। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव प्रोफेसर आर.सी. मिश्र ने किया।

- **शिक्षक दिवस (Teachers' Day)**

5 सितम्बर 2016 को शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो नागेश्वर राव ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों को पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो राव ने कहा कि कोई भी विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों के लिए जाना जाता है। इस प्रकार शिक्षक विश्वविद्यालय के मेरुदंड के सामान होते हैं। शिक्षकों को अपने महत दायित्व को समझना होगा, जिससे वह समाज में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर कुलपति प्रो नागेश्वर राव ने प्रो अजय रावत को 'विशिष्ट शिक्षक सम्मान' से सम्मानित किया। प्रो रावत इतिहास विषय में कुमाऊँ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य रहे हैं। प्रो रावत सत्र 2010-2011 के मध्य उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

- **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संगोष्ठी (International Womens' Day Celeberation)**

8 मार्च 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बोलते हुए मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि महिला शक्ति को पहचाने तथा उनके प्रति संवेदनशील बनें। उन्होंने कहा कि महिलाओं के योगदान को किसी भी कीमत पर कम नहीं आंका जा सकता तथा उन्हें और अधिक मजबूत बनाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महिलाएँ दया की नहीं, सम्मान की पात्र हैं। कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्रा ने महिलाओं की समस्याओं पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हम बार-बार टूटन की बात तो करते हैं, लेकिन समन्वय की बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भूमिका हर जगह पर अग्रणी रही है। बैठक में महिला वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को और अधिक आत्मनिर्भर व आर्थिक निर्भर बनाये जाने की दरकार है। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए और अधिक प्रयास किया जाने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन ममता कुमारी व राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया। संगोष्ठी में डा. प्रीति बोरा, नेहा अत्री, कंचन बिष्ट आदि वक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की महिला कर्मी श्रीमती लीला बेलवाल को कुलपति प्रो नागेश्वर राव द्वारा सम्मानित किया गया।

- **विश्व पर्यटन दिवस (World Tourism day)**

सितम्बर 27th, 2016 को विश्व पर्यटन दिवस पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया और विश्वविद्यालय और छात्रों एवं स्टाफ के सदस्यों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्वतन्त्रता दिवस, गाँधी जयन्ती, विश्व पर्यटन दिवस एवं अन्य अवसरों के चित्र

❖ कम्यूनिटी रेडियो पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (Two Day Seminar on Community Radio)

विश्वविद्यालय में कम्युनिटी रेडियो पर 28-29 मार्च को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन राज्य सभा टीवी के पूर्व संपादक और जाने-माने पत्रकार उर्मिलेश ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि जब तक समुदाय की भागीदारी नही होगी, तब तक सामुदायिक रेडियो सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भारत में 202 सामुदायिक रेडियो केंद्र है, लेकिन उनमें समुदाय की कितनी भागीदारी बहुत कम है । उन्होंने प्रश्न उठाते हुए कहा कि कहा जाता है कि एयरवेग पब्लिक प्रापर्टी है, लेकिन इसमें पब्लिक का कितना हक है? "कम्युनिटी रेडियो इन इंडिया: चैलेंजेज एंड पॉसिबिलिटीज ऑफ़ नॉलेज शेयरिंग" नामक इस सेमिनार में बोलते हुए उर्मिलेश ने कहा कि सामुदायिक रेडियो में समुदायों के सवाल-जवाब व उनकी समस्याओं को उठाया जाना अति आवश्यक है, तभी इसका सही प्रयोग हो सकेगा । भारत के मीडिया में विविधता का अभाव बताते हुए उन्होने कहा कि आज

क्रॉस मीडिया होल्डिंग हो गयी हैं। क्योंकि एक ही ग्रुप टीवी, अखबार, बेव साइट, मैग्जीन आदि सब कुछ चला रहा है।

मुख्य वक्ता मशहूर पत्रकार व कॉमन कॉज, दिल्ली के डायरेक्टर विपुल मुद्गल ने कहा कि कम्युनिटी रेडियो का पहला कार्य उस कम्युनिटी से जुड़ाव है, जहाँ वह चल रहा हैं। इसके माध्यम से हम आपदा संकट, पर्यावरण संरक्षण आदि सामाजिक कार्यों में विशेष भूमिका अदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल मीडिया के युग ने कम्युनिटी रेडियो की संभावनाओं को और बढ़ा दिया है, आगे आने वाले समय में इसकी अहम भूमिका होगी। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि दूरस्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में कम्युनिटी रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि दूर-दराज में बैठे शिक्षार्थियों के लिए कम्युनिटी रेडियो शिक्षण का उचित माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि 'हैलो हल्द्वानी' को और बेहतर बनाया जायेगा।

सेमिनार के दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए बीबीसी दिल्ली के संपादक राजेश जोशी ने कम्युनिटी रेडियो के कार्यों व उनके दायित्वों को विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने कम्युनिटी रेडियो और लोकतंत्र के रिश्तों पर अपनी बात भी रखीं। स्तंभकार और भारतीय जन संचार संस्थान के प्रोफ़ेसर आनंद प्रधान, पूर्व रेडियो जॉकी और राज्यसभा टीवी के चर्चित एंकर इरफ़ान ने भी कम्युनिटी रेडियो को लेकर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा दून विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर हर्ष डोभाल, सीजी नेट स्वरा के चर्चित पत्रकार और लेखक शुभ्रांशु चौधरी ने भी इस संगोष्ठी में भागीदारी की।

रेडियो कम्यूनिटी पर राष्ट्रिय संगोष्ठी का छायाचित्र

सेमिनार के संयोजक प्रो. गिरजा पाण्डेय ने कम्युनिटी रेडियो के कार्यकलापों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जबकि कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्रा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी आगन्तुकों का आभार जताया। संचालन आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मीडिया स्टडीज़ के समन्वयक भूपेन सिंह ने किया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आये दस प्रतिभागियों ने कम्युनिटी रेडियो को लेकर अपने-अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किये। जिनमें मीरा माथव नई दिल्ली, विदु दास यूनिवर्सिटी पुणे, संजय जे. चन्देयकर नई दिल्ली, देवम थापा जेएनयू नई दिल्ली, नेहा त्रिपाठी नई दिल्ली, विशाल शर्मा, श्रीलता प्रसाद सेंटर यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश, मीना कोटवाल सेंटर यूनिवर्सिटी लखनऊ आदि सम्मलित थे।

DEGITAL PRACTICES

इस पोर्टल का उद्देश्य पाठ्यसामग्री को विश्वविद्यालय की वेबसाइट E-Learning.uou.ac.in पर अपलोड करना है। इसका मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को सही समय पर पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना हैं, जिनकी

पाठ्यसामग्री कई कारणों से विलम्ब से प्राप्त होती है। इस पोर्टल के माध्यम से अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गयी है, जिससे छात्र प्रवेश के साथ ही अध्ययन सामग्री का पाठ कर सके। यह पोर्टल छात्रों को अध्ययन सामग्री तत्काल उपलब्ध कराता है। इसमें अभी 22 पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। इस पोर्टल को विगत तीन महीनों में लगभग 11,000 छात्रों ने देखा है। जो विद्यार्थी उक्त पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर इ- बुक्स का उपयोग करेगा तथा पुस्तक की माँग नहीं करेगा, उसे शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वर्तमान में यह सुविधा साइबर सिक्योरिटी, एम.जी.आई.एस तथा योग के कोर्स में उपलब्ध हैं।

क्रेडिट ट्रान्सफर-

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए क्रेडिट ट्रान्सफर की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध मूक MOOC कोर्सेज पूर्ण करने एवं अंकतालिका उपलब्ध कराने पर सम्बन्धित विषय में क्रेडिट ट्रान्सफर दिया जायेगा। विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित मूक कोर्सेज की सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

APPENDICES

Appendix- I

प्रथम दीक्षान्त समारोह

Appendix- II

विश्वविद्यालय के वर्ष 2016-17 में स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

परास्नातक स्तर पर

शिक्षार्थी का नाम	विषय	प्राप्तांक प्रतिशत
आकांक्षा श्रीवास्तव	अंग्रेजी	82.89%
शगुफ्ता परवीन	शिक्षाशास्त्र	82.22%
श्रद्धांजलि	संस्कृत	80.22%
अनीता पंडा	मनोविज्ञान	80.10%
उर्वी कौशिक	योग	79.42%
नेहा चौधरी	अर्थशास्त्र	78.56%
विजेन्द्र सिंह	रसायन विज्ञान	78.25%
प्रतिभा जोशी	इतिहास	78.22%
विनोद कुमार	समाजशास्त्र	77.67%
रश्मि उपाध्याय	वनस्पति विज्ञान	77.50%
पूजा	राजनीति विज्ञान	76.33%
प्राची शर्मा	एम.कॉम	76.22%
विक्रम रावत	भौतिक विज्ञान	76.17%
कुमारी ममता शर्मा	हिन्दी	75.22%
अफशा खान	एम.बी.ए.	74.14%
अजीत सिंह तोमर	एम.एस.डबल्यू.	73.06%

स्नातक स्तर पर

कुमारी परिमुक्ता	(बीए)	78.80 %
मोनिका	(बी.कॉम.)	74.80 %
पंकज महर	(बी.एच.एम.)	73.71%

Appendix- III

कार्य परिषद
(Executive Council)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला	सदस्य
3	प्रोफेसर के0 एन0 पाठक पूर्व कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चड़ीगढ़	सदस्य
4	श्री मनोज सिंघल, एफ-1204, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110 019	सदस्य
5	श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राइजेज, भारती क्रीसेंट, 1 नेल्सन मंडेला रोड, वंसत कुंज, फेस-2, नई दिल्ली -110 070	सदस्य
6	प्रमुख सचिव/सचिव उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि	सदस्य
7	कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि जो उपकुलपति से निम्न पद का न हो	सदस्य
8	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानवीकि विद्याशाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र सहायक प्राध्यापक, संस्कृत, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
12	वित्त अधिकारी	आमंत्रित सदस्य
13	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- IV

विद्या परिषद
(Academic Council)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर वेदप्रकाश शास्त्री पूर्व आचार्य एवं उप-कुलपति, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	सदस्य
3	प्रोफेसर धर्मेन्द्र कुमार प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग,गुरू जाम्बेश्वर साइंस एण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा	सदस्य
4	प्रोफेसर शंभुनाथ सिंह निदेशक, पत्रकारिता एवं नवीन जनसंचार अध्ययन विद्यापीठ, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली	सदस्य
5	प्रोफेसर बी0एम0 कुमार मानविकी एवं समाज विज्ञान महाविद्यालय, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर	सदस्य
6	प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार राजनीति विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	सदस्य
7	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित एक व्यक्ति जो संयुक्त सचिव से निम्न पंक्ति का न हो	सदस्य
8	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
12	डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सहायक प्राध्यापक, कृषि, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सचिव
13	डॉ0 हेमन्त काण्डपाल सहायक प्राध्यापक, आयुर्वेद, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
14	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- V

योजना परिषद
(Planning Board)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	डॉ0 वेणुगोपाल रेड्डी निदेशक, क्षेत्रीय सेवाएं, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- 110068	सदस्य
3	प्रोफेसर ओमजी गुप्ता निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्तविश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
4	डॉ0 एम0एन0 सिंह समाज कार्य विभाग, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,सी0पी0आई0 कैम्पस, एम0जी0 मार्ग, सिविल लाइन्स, उत्तरप्रदेश, पिन- 221001	सदस्य
5	सी0ए0 गौतम कथूरिया लैम्डा (Lamda)14, ओमेक्स रिवेरा, रूद्रपुर- 263153	सदस्य
6	श्री राजीव बेरी 19/1, प्लीसेन्ट वैली, राजपुर रोड़, देहरादून	सदस्य
7	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
8	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- VI

वित्त समिति
(Finance Committee)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2	डॉ0 बी0सी0 मेलकानी निदेशक, उच्च शिक्षा (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
3	सुश्री कृष्णा रौंकली वित्त नियन्त्रक, गोविन्द वल्लभ पन्त विश्वविद्यालय, पन्तनगर (प्रतिनिधि सचिव, वित्त) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
4	श्रीमती आभा गर्खाल वित्त नियन्त्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	सचिव
5	प्रोफेसर आर0सी0मिश्र, कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य
6	श्री खेमराज भट्ट, सहायक कुलसचिव (वित्त), उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य
7	श्री पी0सी0डालाकोटी, प्रशासनिक परामर्शदाता, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य

Appendix-VII

विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य
(Members of the University Authority)

Prof.Nageshwar Rao

Vice Chancellor

Name	Designation	Contact No.	E-mail
Prof. R.C. Mishra	Registrar	05946-210957	registrar@uou.ac.in
Prof. H.P. Shukla	Director (RSD/Admission)	05946-286067	hpshukla@uou.ac.in
Prof. P.D. Pant	Examination Controller	9411597995	pdpant@uou.ac.in
Mrs. Abha Garkhal	Finance Controller	9456727137	gabha@uou.ac.in
Dr. Rakesh Rayal	Public Relation Officer	9410967600	rryal@uou.ac.in

Directors of School / Division/ Directorate

Name	Name of School	Division/ Directorate	Contact No.	E-mail
Prof. R.C. Mishra	Management Studies & Commerce Health Science Tourism, Hotel Management & Hospitality	Academics Material Production and Distribution (MPDD)	9412034574	rcmishra@uou.ac.in
Prof. H.P. Shukla	Humanities	Regional Services Division (RSD)	9410715100	hpshukla@uou.ac.in
Prof. Durgesh Pant	Computer Science & Information Technology	Dehradun Campus	9412375384	dpant@uou.ac.in
Prof. Govind Singh	Journalism & Media Studies Library & Information Science Education	UOU Community Radio	9410964787	govindsingh@uou.ac.in
Prof. Girija P. Pande	Social Science Law Vocational Studies	Research & Innovation	9412351759	gpande@uou.ac.in
Prof. P.D. Pant	Science Agriculture & Development Studies	Examination Department	05946 210958	pdpant@uou.ac.in

Regional Directors

Regional Centre	Regional Director	Address	Contact No.	E-mail
Dehradun (11)	Dr. Sandeep Negi	SGRR, Pathribagh, Dehradun	9412031183 01352720027	dehradun@uou.ac.in
Roorkee (12)	Dr. Rajesh Paliwal	B.S.M PG College, Roorkee	9412439436 01332274365	roorkee@uou.ac.in
Pauri (14)	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B. Garhwal University, Pauri	9412960687 01368223308	pauri@uou.ac.in
Uttarkashi (15)	Dr. D.S Negi	Govt. PG College, Uttarkashi	9411145096 01374222004	uttarkashi@uou.ac.in
Haldwani (16)	Dr. Rashmi Pant	M.B P.G. College, Haldwani	9411162527 05946284149	haldwani@uou.ac.in
Ranikhet (17)	Dr. B.K Singh	Govt. PG College, Ranikhet	7579132634 05966220474	ranikhet@uou.ac.in
Pithoragarh (18)	Dr. R.P Dwivedi	Govt. PG College,Pithoragarh	9412093678 05964264015	pithoragarh@uou.ac.in
Bageshwar (19)	Dr. B.C Tiwari	Govt. PG College, Bageshwar	9412044914 05963221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix VIII

विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन
(Human Resource of University)

विश्वविद्यालय में शैक्षिक पद

क्र0सं0	विषय	प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
1.	अंग्रेजी	प्रो. एच. पी. शुक्ल	डॉ. सुचित्रा अवस्थी
2.	प्रबन्ध अध्ययन	प्रो. आर. सी. मिश्र	डॉ.मंजरी अग्रवाल डॉ0 सुमित प्रसाद
3.	कम्प्यूटर साइंस	प्रो. दुर्गेश पन्त	डॉ. जितेन्द्र पाण्डे
4.	इतिहास	प्रो. जी. पी. पाण्डे	डॉ. एम. एम. जोशी
5.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	प्रो. गोविन्द सिंह	श्री भूपेन सिंह
6.	शिक्षाशास्त्र	-	डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी, सुश्री ममता कुमारी, डॉ. भावना पलड़िया
7.	वाणिज्य	-	डॉ. गगन सिंह
8.	होटल मैनेजमेन्ट	-	डॉ. जटाशंकर तिवारी
9.	कृषि	-	डॉ. विरेन्द्र कुमार
10.	समाजशास्त्र	-	डॉ. दीपक पालीवाल
11.	राजनीतिशास्त्र	-	डॉ. सूर्यभान सिंह
12.	हिन्दी	-	डॉ. शशांक शुक्ला
13.	पर्यटन	-	डॉ. अखिलेश सिंह
14.	वानिकी	-	डॉ. एच. सी. जोशी
15.	आयुर्वेद	-	डॉ. हेमन्त काण्डपाल
16.	भौतिकी	-	डॉ. कमल देवलाल
17.	संस्कृत	-	डॉ. देवेश कुमार मिश्रा
18.	योग	-	डॉ. भानू जोशी
19.	एम.एस. डब्लू	-	डॉ. नीरजा सिंह
20.	ज्योतिष	-	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
21.	मनोविज्ञान	-	डॉ. सीता
22.	रसायन विज्ञान	-	डॉ. शालिनी सिंह
23.	भूगोल	-	मोहम्मद अकरम
24.	अर्थशास्त्र	-	डॉ. शालिनी चौधरी

अल्पकालिक विनियोजित वरिष्ठ परामर्शदाता/परामर्शदाता तथा अकादमिक एसोसिएट का विवरण

क्र0सं0	विद्याशाखा	विषय	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	शिक्षाशास्त्र	डॉ. जे. के. जोशी
2.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	शिक्षाशास्त्र	डॉ. रम्भा जोशी
3.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा)	डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल
4.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	(शिक्षाशास्त्र)	श्रीमती मनीषा पंत

5.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. पूजा जुयाल
6.	विज्ञान विद्याशाखा	जन्तु विज्ञान	डॉ. श्याम सिंह कुंजवाल
7.	विज्ञान विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. रंजू जोशी पाण्डे
8.	विज्ञान विद्याशाखा	रसायन विज्ञान	डॉ. चारु चन्द्र पंत
9.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	लोकप्रशासन	डॉ. घनश्याम जोशी
10.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	अर्थशास्त्र	सुश्री नेहा अत्री
11.	कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा	आई.टी.एण्ड कम्प्यूटर साइंस	श्री बालम सिंह दफौटी
12.	मानविकी विद्याशाखा	हिन्दी	डॉ. राजेन्द्र सिंह कैड़ा
13.	मानविकी विद्याशाखा	उर्दू	मो. अफजल हुसैन
14.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	श्री द्विजेश उपाध्याय
15.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	श्रीमती मोनिका द्विवेदी
16.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	डॉ. प्रीति बोरा
17.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	पत्रकारिता एवं जनसंचार	श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा
18.	पर्यटनएवं आतिथ्य अध्ययन विद्याशाखा	पर्यटन	डॉ. सुभाष रमोला
19.	विधि विद्याशाखा	विधि	श्री नरेन्द्र जगूड़ी

अल्पकालिक व्यवस्था के अन्तर्गत नियोजित प्रशासनिक परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शदाताओं का विवरण

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत् कार्मिक का नाम
1.	प्रशासनिक परामर्शदाता	कुलसचिव कार्यालय	श्री महेश चन्द्र जोशी
2.	प्रशासनिक परामर्शदाता	लेखा अनुभाग	श्री पूरन चन्द्र डालाकोटी
3.	प्रशासनिक परामर्शदाता	परीक्षा अनुभाग	डॉ. दयाकृष्ण मथेला
4.	तकनीकी परामर्शदाता	आई.सी.टी. अनुभाग	श्री प्रदीप चन्द्र पाठक
5.	तकनीकी परामर्शदाता (डाटा प्रोसेसिंग)	परीक्षा अनुभाग	श्री नवनीत कुमार
6.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	श्री अनिल नैलवाल
7.	प्रशासनिक परामर्शदाता	मॉडल स्टडी सेन्टर	श्री विनोद विरखानी

नियमित/संविदा के आधार पर सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरत कार्मिक का नाम	पद की प्रवृति
1.	नैटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर	श्री मोहित रावत	संविदा
2.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	श्री जितेन्द्र द्विवेदी, श्री राजेन्द्र गोस्वामी	संविदा
3.	हार्डवेयर इंजीनियर	श्री राजेश आर्या, श्री विनीत पौड़ियाल,	संविदा
4.	प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-2	श्री पी0एस0 परिहार	संविदा
5.	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री संजय भट्ट	संविदा
6	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री विमल कुमार	नियमित

बाह्य सेवा प्रदाता (उपनल) के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरतकार्मिक का नाम
1.	नैटवर्क सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर	श्री पार्थ जोशी
2.	वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेटर	श्री राकेश पपनै
3.	कम्प्यूटर लिट्रेट स्टेनो	श्रीमती बबीता दास
4.	कम्प्यूटर लिट्रेट एकाउन्टेंट	श्री हर्षवर्धन लोहनी
5.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	कु0 कमला राठौर, श्री योगेश मिश्रा, श्री पंकज बिष्ट,
6.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री संतोष ढौडियाल
7.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री बसंत बल्लभ काण्डपाल, श्री चारु चन्द जोशी
8.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री गोपाल सिंह, श्री मनमोहन त्रिपाठी,
9.	डाटा एंट्री ऑपरेटर/क्लर्क टाइपिस्ट	श्रीमती मधु डोगरा, श्री अनिल कुमार पंत
10.	कम्प्यूटर ऑपरेटर,	कु. पूनम खोलिया
11.	कोऑर्डिनेटर	श्री नंदन अधिकारी, श्री मोहन चन्द्र पाण्डे,
12.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती दीपा फुलारा, श्रीमती रेखा बिष्ट,
13.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती रंजना जोशी, श्री अजय कुमार सिंह,
14.	कोऑर्डिनेटर	श्री विनय जोशी, श्री निर्मल सिंह धौनी
15.	कम्प्यूटर लिट्रेट पी0ए0,	श्री रमन लोशाली
16.	इलैक्ट्रीशियन,	श्री दिनेश पाल सिंह
17.	ड्राइवर,	श्री मनीष कुमार
18.	लैब असिस्टेंट	श्री मनीष बुंगला
19.	चतुर्थ श्रेणी कार्मिक	श्री हेमचन्द, श्री व्यास सिंह, श्री चन्द्र शेखर सुयाल
20.	क्लर्क कम टाइपिस्ट,	श्री कुन्दन सिंह
21.	कैटलागर्स,	श्री राकेश पन्त,
22.	अनुसेवक	श्री चेत बहादुर
23.	स्टोरमेट	श्री बलबन्त राम
24.	बुक लिफटर	श्री दीपक चन्द्र उप्रेती
25.	प्लम्बर	श्री देवेन्द्र प्रसाद
26.	हेल्पर	श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
27.	माली	श्री मनोज कुमार
28.	स्वच्छक	श्री दलीप
29 .	चपरासी	कु. नीमा उप्रेती, श्रीमती उषा देवी, श्री कैलाश राम विश्वकर्मा, नवीन चन्द्र जोशी

विश्वविद्यालय में नियोजित विनियमित कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रानीखेत	श्री रविन्द्र कुमार कोहली
2.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की	श्री महबूब आलम
3.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून	श्री बृज मोहन सिंह खाती
4.	लिपिक	क्रय अनुभाग	श्री हेम चन्द्र छिमवाल
5.	लिपिक	अधिष्ठान	श्री राहुल बिष्ट
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री फिरोज खान
7.	लिपिक	निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं	श्री भरत नैनवाल

8.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़	श्री त्रिलोचन पाटनी
9.	वाहन चालक	कुलसचिव	श्री देवेन्द्र सिंह नेगी
10.	वाहन चालक	कुलपति	श्री मोहन चन्द्र पाण्डे
11.	वाहन चालक	वित्त नियन्त्रक	श्री शेखर उप्रेती

विश्वविद्यालय में नियोजित संविदा कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी	श्री सत्येन्द्र सिंह रावत
2.	लिपिक	परीक्षा अनुभाग	श्री मोहन चन्द्र बवारी
3.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्री दिनेश कुमार
4.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री अजय पाल सिंह
5.	चतुर्थ श्रेणी	निदेशक मानविकी	श्री दिनेश चन्द्र फुलेरा
6.	चतुर्थ श्रेणी	कुलसचिव कार्यालय	श्री जगत सिंह बंगारी
7.	-	स्वच्छक अनुरक्षण	श्रीमती छाया देवी

बाह्य सेवा प्रदाता (ड्रेस रोजगार डॉट कॉम) के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रुप में कार्यरत कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्रीमती पूजा हेडिया
2.	लिपिक	लाइब्रेरी	श्री गुणनिधि सिंह बिष्ट
3.	लिपिक	एम0पी0डी0डी0	श्री दीपक पन्त
4.	लिपिक	परीक्षा	श्री राहुल नेगी
5.	लिपिक	परीक्षा	श्री उमाशंकर नेगी
6.	लिपिक	परीक्षा	श्री हेमचन्द्र
7.	लिपिक	प्रवेश	श्री प्रमोद चन्द्र जोशी
8.	लिपिक	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	कु. दीपिका रैकवाल
9.	लिपिक	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री उमेश सिंह खनवाल
10.	लिपिक	प्रबंध अध्ययन विद्याशाखा	श्रीमती वैदेही गुरुरानी
11.	योग प्रशिक्षक	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	श्री ललित मोहन
12.	लिपिक	आर0एस0डी0 / मानविकी	श्री मोहन जोशी
13.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय,उत्तरकाशी	श्री धनेश्वर नेगी
14.	लिपिक	देहरादून परिसर	श्रीमती अपर्णा कुकरेती
15.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री भुवन चन्द्र पलड़िया
16.	चतुर्थ श्रेणी	लेखा अनुभाग	श्री भीम आर्या
17.	स्वच्छक	अनुरक्षण	श्री अनिल कुमार
18.	स्वच्छक	देहरादून परिसर	श्री सतीश सिंह
19.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री धीरेन्द्र सिंह
20.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री दीपक रतूड़ी
21.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री सुरेश प्रसाद

Appendix- IX

PROGRAMMES AT A GLANCE

पाठ्यक्रम एक दृष्टि में

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
UNDER GRADUATE PROGRAMMES					
		Min	Max		
Bachelor of Arts (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Geography (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Music (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Commerce (BCOM-17)	10+2	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Science (BSCG-17) (ZBC/ ZBF/BCF/BFG/PCM/PGM Groups)	10+2 Science	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Computer Application (BCA-17)	10+2 (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme, exam fee for the subject will be charged separately) / BCAPP Lateral entry (BCA IIIrd Sem): Diploma in Computer Application / IT (DCA/DIT)/ Diploma (Polytechnic) in relevant stream	3	6	English	Semester
Bachelor of Business Administration (BBA-17)	10+2	3	6	English	Annual
Bachelor of Yogic Science (BYS-17)	10+2, or equivalent Learners having diploma in Yoga and Naturopathy from UOU may take admission directly in second year	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM-17)	10+2	4	8	English	Semester
Bachelor of Hotel Management (BHM-17)	10+2	4	8	English	Semester
POST GRADUATE PROGRAMMES					
Programme Name & (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Master of Computer Application (MCA-17)	Graduation in any stream (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: MCA IIIrd SEM: BCA/BSc (CS/IT), A Level from DOEACC, PGDCA, MCA Vth Semester: MSc (IT/CS)	3	6	English	Semester
Master of Geo Informatics (MGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Annual
Master of Information Technology (MSCIT-17)	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level. However, candidates not having Mathematics at 10+2 level or Graduation level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: B.Tech./B.E./A-level from DOEACC after graduation / PGDCA and graduation	2	4	English	Semester

M.A. Yoga (MAY-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.Sc. Botany (MSCBOT-17)	Graduation in concerned subject	2	6	English	Annual
M.Sc. Chemistry (MSCCH-17)	Graduation in concerned subject	2	6	English	Annual
M.Sc. Physics (MSCPHY-17)	Graduation in concerned subject	2	6	English	Annual
M.Com. (MCOM-17)	Bachelor's Degree in Commerce (B. Com.)	2	6	Hindi	Annual
M.A. Education (MAED-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. Hindi (MAHL-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. English (MAEL-17)	Graduation in any stream	2	6	English	Annual
M.A. Sanskrit (MASL-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. Urdu (MAUL-17)	Graduation in any stream / ADEEB-E-KAMIL	2	6	Urdu	Annual
M.A. Economics (MAEC-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. History (MAHI-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. Political Science (MAPS-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. Public Admin. (MAPA-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master in Social Works (MSW-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
M.A. Sociology (MASO-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Masters of Laws (LLM-17)	LLB with not less than 50% from any recognized university or equivalent (5% relaxation for reserved category)	2	6	Hindi /Eng	Annual
M.A. Journalism & Mass Communication (MAJMC-17)	Graduation in any stream. For lateral admission to IIIrd semester, those who have one year PGDJMC or any other diploma on Journalism and Mass Communication after graduation	2	6	Hindi	Semester
Master of Hotel Management (MHM-17)	DHM & CT, BHM, B.Sc. in Hospitality and Hotel Management Administration	2	4	English	Semester
Master of Tourism and Travel Management (MTTM-17)	Graduation in any stream	2	4	English	Semester
PG Programmes where admissions are carried out through entrance examination (M.B.A.)					
Master of Business Administration (MBA-17)	50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at Graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial/ professional/ teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category).Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score	2	4	English	Semester
POST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES					
Programme Name & (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Annual
PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17)	Graduation in any subject	1	3	English / Hindi	Annual
PG Diploma in Cyber Law (PGDCL-17)	Graduation in any stream	1	3	English-Hindi	Annual
PG Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester

PG Diploma in Broadcast Journalism & New Media (PGDBJ-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Advertising and Public Relations (PGDAPR-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma Programmes where admissions are carried out through entrance examination (PGDMM, DIM and PGDHRM)					
PG Diploma in Marketing Management (PGDMM-17)	50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT /CAT score	1	3	English	Semester
PG Diploma Human Resource Management (PGDHRM-17)		1	3	English	Semester
Diploma in Management (DIM-17)	50% Marks at graduation or at post graduation level or 45% at graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial / professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT/ CAT score	1	3	English	Semester
DIPLOMA PROGRAMMES					
Programme Name (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Commercial Horticulture (DCH-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Yogic Science (DYS-17)	10+2 or equivalent	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Management of Non-wood Forest Products (DMNWFP-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Phalit Jyotish (DPJ-17)	10+2 or Certificate in Jyotish	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Hotel Management (DHM-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Front Office Management (DFO-17)	10+2	1	4	English	Semester
Diploma in Accommodation Management (DAM-17)	10+2	1	4	English	Semester
Diploma in Tourism Studies (DTS-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Information Technology(DIT-17)	10+2	1	3	English	Semester
CERTIFICATE PROGRAMMES					
Programme name (code)	**Eligibility**	**Duration (yrs)**		**SLM**	**Mode of exam**
		Min	**Max**		
Certificate in Commercial Flower Production (CCFP-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Vegetable Production (CVP-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Organic Farming (CCOF-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester

Certificate in Geo Informatics (CGIS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Computer Application (CCA17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in e-Governance and Cyber Security (CEGCS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Yogic Sciences (CYS-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate in Naturopathy (CIN-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate Course in Office Management (CCOM-17)	10th pass	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Vedic Karmkand (CVK-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Phalit Jyotish (CPJ-17)	10^{th}	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Sanskrit Language (CSL-17)	10^{th}	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Panchayati Raj (CCPR-17)	10^{th}	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Memory Enhancement (CME-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Mass Media (CMM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
.Certificate Course in Industrial Skills & Process(CCISP-17)	10+2	1	2	English	Semester
Certificate Course in Automotive Manufacturing(CCAM-17)	10+2	½	1	English	Semester
Certificate Course in Automotive Assembly(CCAA-17)	10+2	½	1	English	Semester

Appendix X

विश्वविद्यालय दौरे पर आए गणमान्य व्यक्ति
(Dignitaries visited the University Campus)

क्रमांक	नाम	पद	आयोजन
1	डॉ0 के0के0 पॉल	महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड शासन	दिनांक 7 नवम्बर 2016 को प्रथम दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
2	डॉ0 इंदिरा हृदयेश	माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री एवं वित्त मन्त्री, उत्तराखण्ड सरकार	दिनांक 7 नवम्बर 2016 को प्रथम दीक्षान्त समारोह में तथा आइटी अकादमी का शिलान्यास कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग
3	प्रोफेसर पुष्पेश पन्त	प्रोफेसर	आइटी अकादमी का शिलान्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग
4	प्रोफेसर विनय कुमार पाठक	कुलपति, डॉ0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ	विश्वविद्यालयीय स्थापना दिवस में अतिथि के रूप में प्रतिभाग
5	प्रोफेसर पीयूषकान्त दीक्षित	कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय	प्रथम दीक्षान्त समारोह में अतिथि के रूप में प्रतिभाग
6	प्रोफेसर आर.सी.पन्त	पूर्व कुलपति, कुमाउँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	दिनांक 7 नवम्बर 2016 को प्रथम दीक्षान्त समारोह में अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
7	प्रोफेसर जे. कुमार	कुलपति, गोविन्द वल्लभ पन्त कृषि विश्वविद्यालय, पन्तनगर	दिनांक 7 नवम्बर 2016 को प्रथम दीक्षान्त समारोह में अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
8	प्रोफेसर सुरेन्द्र कुमार	कुलपति, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	दिनांक 7 नवम्बर 2016 को प्रथम दीक्षान्त समारोह में अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
9	प्रोफेसर विष्णुदत्त शर्मा 'राकेश'	पूर्व आचार्य, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार प्रसिद्ध साहित्यकार	हिन्दी दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान देने हेतु
10	प्रोफेसर शिवाकान्त झा	कुलपति, नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय, पटना	ज्योतिष विभागीय पाठ्यक्रम निर्माण समिति में बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग
11	प्रोफेसर चन्द्रमा पाण्डेय	संकाय प्रमुख, संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	ज्योतिष विभागीय पाठ्यक्रम निर्माण समिति में बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग
12	डॉ0 कामेश्वर उपाध्याय	राष्ट्रिय महासचिव, अखिल भारतीय विद्वत् परिषद्	ज्योतिष विभागीय पाठ्यक्रम निर्माण समिति में बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग
13	प्रोफेसर सी० बी० शर्मा	अध्यक्ष, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा	शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में तथा आमन्त्रित व्याख्यान देने हेतु
14	प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा	अधिष्ठाता, शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल	शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में तथा आमन्त्रित व्याख्यान देने हेतु
15	प्रोफेसर मोहम्मद मियाँ	पूर्व कुलपति, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद	शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में तथा आमन्त्रित व्याख्यान देने हेतु
16	प्रोफेसर एन० एन० पाण्डेय	संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली	शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में तथा एम0एड0 लघु शोध प्रबन्ध मूल्यांकन एवं मौखिकी हेतु
17	प्रोफेसर के० बी० बुधौरी	पूर्व संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर	शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में
18	प्रोफेसर बी० आर० कुकरेती	संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड	एम0एड0 लघु शोध प्रबन्ध मूल्यांकन एवं मौखिकी हेतु

		विश्वविद्यालय, बरेली	
19	प्रोफेसर रजनी रंजन सिंह	अधिष्ठाता, विशिष्ट शिक्षा संकाय, डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	एम0एड0 लघु शोध प्रबन्ध मूल्यांकन एवं मौखिकी हेतु
20	प्रोफेसर एस० पी० गुप्ता	पूर्व निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तरप्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में पाठ्यक्रम निर्माण समिति के सदस्य के रूप में
21	डॉ० यशपाल सिंह	सह प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली	एम0एड0 लघु शोध प्रबन्ध मूल्यांकन एवं मौखिकी हेतु
22	प्रोफेसर आनन्द प्रधान	आइ. आइ.एम.सी., नई दिल्ली	कम्यूनिटी रेडियो का विकास विषयक कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में
23	उर्मिलेश	राज्यसभा टीवी के पूर्व संपादक	कम्यूनिटी रेडयो पर दो दिनी सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में
24	प्रोफेसर उमा कांजी लाल	निदेशक, मूक (MOOC)	कौशल विकास उन्नयन विषय पर कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में
25	प्रोफेसर पी0के0 विश्वास	निदेशक, STRIDE & CEMCA	कौशल विकास उन्नयन विषय पर कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में
26	डॉ0 मानस रंजन	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ओ0इ0आर0 कार्यशाला में अतिथि के रूप में
27	डॉ0 मैथिली	उपनिदेशक, STRIDE	ओ0इ0आर0 कार्यशाला में अतिथि के रूप में
28.	प्रोफेसर एन मंडल	भूवैज्ञानिक, कोलकात्ता	चट्टानों की संरचना के अध्ययन पर त्रिदिवसीय कार्यशाला में अतिथि के रूप में
29.	के सांतनु बोस	भूवैज्ञानिक, कोलकात्ता	चट्टानों की संरचना के अध्ययन पर त्रिदिवसीय कार्यशाला में अतिथि के रूप में
30.	प्रोफेसर ए.के. जैन	आइ.आई.टी, रूड़की	चट्टानों की संरचना के अध्ययन पर त्रिदिवसीय कार्यशाला में अतिथि के रूप में
31.	प्रोफेसर हरिबहादुर श्रीवास्तव	आचार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	चट्टानों की संरचना के अध्ययन पर त्रिदिवसीय कार्यशाला में अतिथि के रूप में
32.	प्रोफेसर अनुपम चट्टोपाध्याय	आचार्य, दिल्ली	चट्टानों की संरचना के अध्ययन पर त्रिदिवसीय कार्यशाला में अतिथि के रूप में
33.	सुमित कुमार मित्रा	दिल्ली	चट्टानों की संरचना के अध्ययन पर त्रिदिवसीय कार्यशाला में अतिथि के रूप में
34.	प्रोफेसर विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्र 'विनय'	आचार्य, वैदिक दर्शन विभाग, संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	गीता जयन्ती के उपलक्ष्य में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान देने हेतु
35.	प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज	अध्यक्ष, योग विभाग, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु
36	प्रोफेसर जी0डी0 शर्मा	अध्यक्ष, योग विभाग, पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु
37	डॉ0 सुरेन्द्र त्यागी	योग विभाग, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु
38	डॉ0 उधम सिंह	,,	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु
39	डॉ0 अमृत लाल गुरूर्वेद	देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु
40	डॉ0 विजय कुमार	,,	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु
41	डॉ0 सरस्वती काला	वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सा, देहरादून	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु
42	डॉ0 महेन्द्र पन्त	दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु
43	डॉ0 डी0एन0 शर्मा	प्राकृतिक चिकित्सा, देहरादून	योग कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु

Appendix XI

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस

Appendix XII

योग विभाग की विविध दस दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन निम्नानुसार राज्य में अलग- अलग स्थानों में किया गया-

क्रम सं0	कार्यशाला का स्थान	दिनांक	स्टडी सेन्टर का नाम / कोड	विषय
1	वेद निकेतन धाम भूपतवाला, हरिद्वार	20 जनवरी 2017 से 29 जनवरी 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 30 जनवरी 2017	**1.** Divya Prem Sewa mission(12001) **2.** Nand kishor jakhmola(12027) **3.** Sri sai infotech(12058) **4.** Pilot Baba institute(12072)	एम०ए०योग प्रथम वर्ष MAY-1st year
2	श्री वासुदेव आश्रम ट्रस्ट समिति भूपतवाला , हरिद्वार	20 जनवरी 2017 से 29 जनवरी 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 30 जनवरी 2017	**1.** Divya Prem Sewa mission(12001) **2.** Gyandeep Balniketan(12015) **3.** Kunti Naman Institute of Man. & Tec.(12034) **4.** Mohini Devi Institute of management & Technology(12061)	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष /योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा BYN 1st year / DYN
3	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	31 जनवरी 2017 से 9 फरवरी 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 10 फरवरी 2017	**1.** Nand kishor jakhmola(12027) **2.** Sri sai infotech(12058) **3.** Pilot Baba institute(12072)	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष /योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा BYN 1st year / DYN
4	श्री वासुदेव आश्रम ट्रस्ट समिति भूपतवाला , हरिद्वार	31 जनवरी 2017 से 9 फरवरी 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 10 फरवरी 2017	**1.** H E C P.G College(12002) **2.** Gyandeep Balniketan(12015) **3.** Mohini Devi Institute of management & Technology(12061) **4.** Jayveer Memorial Satya Mahavidyalya(14012) **5.** Valley vision Research Institute(14021) **6.** Annpurna Food craft Institute(AFCI)(15011) **7.** Adarsh Institute Of Technology & Education(17019) **8.** Government Degree College(17030) **9.** Himalyan Institute Of Education & Technology(17033)	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष MAY-2nd year
5	श्री वासुदेव आश्रम ट्रस्ट समिति भूपतवाला , हरिद्वार	16 फरवरी 2017 से 25 फरवरी 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 26 फरवरी 2017	**1.** UOU Model Study Center(11000) **2.** Uttaranchal ayurvedic College(11017) **3.** S G R R P.G College (11020) **4.** Netcom computer (11024) **5.** Doon Vedic Shiksha Samiti (11041) **6.**VSKC Government Degree College,Dakpathar (11112) **7.**H E C P.G College (12002) **8.** Parmarth niketan (12029) **9.** H.N.B Garhwal University campus(14009) **10.** Jayveer Memorial Satya Mahavidyalya(14012) **11.** Valley vision Research Institute(14021) **12.** Himalayan Enviourmental College Of Management & Technology(14036) **13.** Government Degree College(17030)	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष /योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा BYN 1st year / DYN
6	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	16 फरवरी 2017 से 25 फरवरी 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 26 फरवरी 2017	**1.** B.S.M.P.G College(12008) **2.** S.P Institute of Combined Education(12009) **3.** Gyandeep Balniketan(12015) **4.** Kunti Naman Institute of Man. &	एम०ए०योग प्रथम वर्ष MAY-1st year

			Tec.(12034) **5.** Mohini Devi Institute of man. & Tec.(12061) **6.** H.N.B Garhwal University campus(14009) **7.** Jayveer Memorial Satya Mahavidyalya(14012) **8.** Valley vision Research Institute(14021) **9.** Himalayan Envioumental College Of Management & Technology(14036) **10**. Annpurna Food craft Institute(AFCI)(15011) **11**. Adarsh Institute Of Technology & Education(17019) **12.** Government Degree College(17030) **13.** Himalyan Institute Of Education & Technology(17033)	
7	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	17 मार्च 2017 से 26 मार्च 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27 मार्च 2017	All learners of Bachelor of yoga and Naturopathy 2nd Year (BYN 2nd)	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक द्वितीय वर्ष BYN 2nd Year
8	श्री वासुदेव आश्रम ट्रस्ट समिति भूपतवाला , हरिद्वार	28 मार्च 2017 से 6 अप्रेल 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 7 अप्रेल 2017	**1.** UOU Model Study Center(11000) **2.** Uttaranchal ayurvedic College(11017) **3.** S G R R P.G College(11020) **4.** Netcom computer(11024) **5.** Doon Vedic Shiksha Samiti(11041) 6. Janki Devi education welfare society(11061) **7.** Nalanda Shikshan sansthan(11062) **8.** Akshat Foundation(11065) **9.** H E C P.G College(12002) **10.** Parmarth niketan(12029)	एम०ए०योग प्रथम वर्ष MAY-1st year
9	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	28 मार्च 2017 से 6 अप्रेल 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 7 अप्रेल 2017	**1.** UOU Model Study Center(11000) **2.** Uttaranchal Ayurvedic College(11017) **3.** S G R R P.G College(11020) **4.** Netcom computer(11024) **5**. Doon Vedic Shiksha Samiti(11041) **6.**Nalanda Shikshan sansthan(11062) **7.** Divya Prem Sewa mission(12001) **8**. Nand kishor jakhmola(12027) **9**. Parmarth niketan(12029) **10.** Kunti Naman Institute of Man. & Technology(12034) **11**. Sri sai infotech(12058) **12**. Pilot Baba institute(12072) **13.** Himalayan Envioumental College Of Management & Technology(14036)	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष MAY-2nd year
10	आदित्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा, उधम सिंह नगर।	1 मार्च 2017 से 10 मार्च 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 11 मार्च 2017	**1.** U.O.U model Study Center(16000) **2.**The Indian Institute Of Man. & Tech. (16011) **3.** Aditya Yoga Naturopathy Hospital & Research Institute(16015) **4.**PNG Government PG college(16022) **5.** S.B.S Government P.G College(16023) **6.** M.B. Government P.G College(16034) **7.** Gandhi smarak prakritik chikitsa Samiti(16038) **8.**Shiksha bhartiya inter College(16043)	एम०ए०योग प्रथम वर्ष MAY-1st year

			9. Faiz-e-Aam inter College(16059) **10.**H.N.B Government P.G College(16090) **11** Government degree College(16101) **12.**Uttarakhand Ayurvedic College(16104) **13.**Government degree College(17007) **14.** Government P.G College(19001)	
11	आदित्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा, उधम सिंह नगर।	2 अप्रेल 2017 से 11 अप्रेल 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 12अप्रेल 2017	**1.** U.O.U model Study Center(16000) **2.** The Indian Institute Of Mang.& Tech. (16011) **3.** Aditya Yoga Naturopathy Hospital & Research Institute(16015) **4.**PNG Government PG college(16022) **5.** S.B.S Government P.G College(16023) **6.** M.B. Government P.G College(16034) **7.** Gandhi smarak prakritik chikitsa Samiti(16038) **8.** Faiz-e-Aam inter College(16059) **9.** Uttarakhand Ayurvedic College(16104) **10**. Government degree College(17007) **11.** Government P.G College(18002) **12.** Government P.G College(18004) **13.** Care computer (18007) **14.** Government P.G College(18011) **15.** Government P.G College(18029)	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष /योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा BYN 1st year / DYN
12	आदित्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा, उधम सिंह नगर।	17 मार्च 2017 से 26 मार्च 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27 मार्च 2017	**1.**U.O.U model Study Center(16000) **2.** Aditya Yoga Naturopathy Hospital & Research Institute(16015) **3.** PNG Government PG college(16022) **4**. S.B.S Government P.G College(16023) **5.** M.B. Government P.G College(16034) **6**. Gandhi smarak prakritik chikitsa Samiti(16038) **7.** Shiksha bhartiya inter College(16043) **8.** Faiz-e-Aam inter College(16059) **9**. Government Degree College(16071) **10.** Government degree College(17007) **11**.Government P.G College(19001) **12.** Victor Mohan Joshi Govnt inter College(19011)	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष MAY- 2nd year
13	आदित्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा, उधम सिंह नगर।	15 अप्रेल 2017 से 24 अप्रेल 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25 अप्रेल 2017	All learners of Bachelor of yoga & Naturopathy 3rd Year (BYN 3rd)	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक तृतीय वर्ष / BYN 3rd year
14	केयर कम्प्यूटर पिथौरागढ़ ।	19 अप्रेल 2017 से 29 अप्रेल 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 30 अप्रेल 2017	**1**. Government P.G College(18002) **2.** Government P.G College(18004) **3.** Care computer (18007) **4.** Government P.G College(18011) **5.** Government degree College(18031)	एम०ए०योग प्रथम वर्ष MAY- 1st year
15	केयर कम्प्यूटर पिथौरागढ़ ।	19 अप्रेल 2017 से 29 अप्रेल 2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 30 अप्रेल 2017	**1**. Government P.G College(18002) **2.** Government P.G College(18004) **3.** Care computer (18007) **4.** Government P.G College(18011) **5.** Mahatma Gandhi Nature Care & Yoga (18021) **6.** Government degree College(18031)	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष MAY- 2nd year

Appendix XIII

वार्षिक लेखा

(Audit Report)

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants

Ist floor, Jagannath Complex, Tikonia
Nainital Road, Haldwani-263139
Distt.: Nainital (Uttarakhand)

Ref.........................   Date.................................

Chartered Accountant Report

To
Management
Uttarakhand Open University
Teenpani, By-Pass Road,
Transport Nagar,
Haldwani

We have Compiled the Balance Sheet of **Uttarakhand Open University (State-Fund), Haldwani** as at 31st March,2017,Income and Expenditure and Receipt & Payment Account for the year ended on that date annexed thereto both of which we have signed under reference to this report. These financial statements are the responsibility of the University Management. Our responsibility is to Compilation of Balance Sheet as per detail provided to us.

Further, we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the Compilation of Balance Sheet. In our opinion, proper books of account have been kept by the university so far as it appears from our examination of books of account.

In our opinion and to the best of our information and according to information given to us, the said accounts read with notes attached hereto give a true and fair view-

i> In the case of the Balance Sheet of the State of affairs of the above named university as on 31st March 2017.

AND

ii> In the case of Income & Expenditure account for the ended on 31st March 2017.

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
M.NO- **088360**
Partner
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

Place: Haldwani
Date: 25.08.2017

Ph.- 05946-280483, Mob.: 9837053417, e-mail.: bansal25@gmail.com, taxconsultancy2011@gmail.com

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
BALANCE SHEET AS ON 31ST.MARCH,2017
(A/C STATE GRANT)

LIABLITIES		AMOUNT (Rs.)	ASSETS		AMOUNT (Rs.)
CAPITAL FUND			**FIXED ASSETS**		93,753,515.00
Opening Balance	4,984,452.64		(As Per Schedule-A)		
Add : Excess of Income over Expenditure	1,287,463.20	6,271,915.84	**CURRENT ASSETS,LOAN & ADVANCES**		
			Security Money		1,000.00
GRANT UTILISED FOR FIXED ASSETS			**Loan & Advances**		
Opening Balance	87,420,515.00		Loan & Advances (Assets)	389,463.00	
			Imprest Money	16,500.00	405,963.00
Add: Addition	6,333,000.00	93,753,515.00			
			Sundry Debtors & Advances		3,452.00
CURRENT LIABILITIES					
Shilpee Photographers		12,641.00	**Closing Balance**		
CPF Contribution		1,474,887.00	Cash in hand		4,370.00
GPF/GIS/Mediclaim		26,200.00	State Bank of India,Hld		12,920,267.84
NPS		47,724.00	Cheque in Hand		3,000,000.00
PF		187,972.00			
TDS Payable		2,000.00			
Unutilised Grant Non-Plan		63,875.00			
Unutilised Grant Plan		611,478.00			
UOU-DEC Fund A/c		144,286.00			
UOU-Fee- Fund A/c.		7,492,074.00			
TOTAL		110,088,567.84	**TOTAL**		110,088,567.84

Notes on Accounts-Annexed.

As per our report of even date :

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
Partner
Membership No.088360
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

Place : Haldwani
Dated-25.08.2017

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES Chartered Accountants * HALDWANI *

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31ST.MARCH,2017
(A/C STATE GRANT)

EXPENDITURE	AMOUNT (Rs.)	INCOME		AMOUNT (Rs.)
Office Contingencies	1,076,271.00	**Grant received from STATE**		
Salary/Wages	51,289,597.00	Opening Balance	83,703.00	
Advertisement Exp.	221,908.00	Add : Grant from UOU Fee-Fund	14,477,893.00	
Office Machinery & Equipment	65,718.00	Add : Grant from State Govt.	48,433,000.00	
Travelling Exp.	294,131.00		62,994,596.00	
Vehicle Exp.	152,062.00			
Examination Exp.	-	Less : Grant utilised for Fixed Assets	6,333,000.00	
Printing Exp.	20,024.00			
Computer Maintenance & Stationery	-	Less : Grant Retutned	-	
Rent & Taxes	739,939.00			
Water & Electricity	743,077.00	Less : Unutilised Grant	63,875.00	56,597,721.00
Postage	196,150.00			
Telephone & Telegram Exp.	1,038,808.00			
IGNOU Education Material	-	Interest from Bank		695,052.00
Petrol Other Exp.	620,344.00	Misc Income		4,737.00
Administration of Study Centre	-	Mediclaim		588,930.00
Legal Exp.	82,300.00			
Audit Fee's	-			
Insurance & Taxes's	57,392.00			
Bank Charges	1,255.80			
Excess of Income over Expenditure	1,287,463.20			
TOTAL	57,886,440.00	TOTAL		57,886,440.00

Notes on Accounts-Annexed.

As per our report of even date :

Place : Haldwani
Dated-25.08.2017

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
Partner
Membership No.088360
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES Chartered Accountants * HALDWANI *

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST.MARCH,2017
(A/C STATE GRANT)

RECEIPTS	AMOUNT (Rs.)	PAYMENTS	AMOUNT (Rs.)
Opening Balance		Office Contingencies	1,076,271.00
Cash In Hand	4,370.00	Salary/Wages	51,289,597.00
State Bank of India,Hld	4,664,879.64	Advertisement Exp.	221,908.00
		Office Machinery & Equipment	65,718.00
Grant from State Govt.	42,100,000.00	Travelling Exp.	294,131.00
Grant from State Govt. (Building Construction)	6,333,000.00	Vehicle Exp.	152,062.00
		Examination Exp.	-
Interest from Bank	695,052.00	Printing Exp.	20,024.00
Misc Income	4,737.00	Computer Maintenance & Stationery	-
Mediclaim	588,930.00	Rent & Taxes	739,939.00
		Water & Electricity	743,077.00
CPF Contribution	1,474,797.00	Postage	196,150.00
GPF/GIS & HRA	26,000.00	Telephone & Telegram Exp.	1,038,808.00
NPS	47,724.00	IGNOU Education Material	-
PF	187,972.00	Petrol Other Exp.	620,344.00
TDS Payable	2,000.00	Administration of Study Centre	-
		Legal Exp.	82,300.00
UOU Fee Fund	23,033,205.00	Audit Fee's	-
		Insurance & Taxes's	57,392.00
		Building Under Construction	6,333,000.00
		Bank Charges	1,255.60
		Loan & Advances	302,600.00
		Sundry Debtors & Advances	3,452.00
		Closing Balance	
		Cash In Hand	4,370.00
		State Bank of India,Hld	12,920,267.84
		Cheque in Hand	3,000,000.00
TOTAL	79,162,666.64	TOTAL	79,162,666.64

Notes on Accounts-Annexed.

As per our report of even date :

Place : Haldwani
Dated-25.08.2017

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
Partner
Membership No.088360
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)

Details Of NON Plan Grant Received During The Year Ended 31.03.2017

S.No.	Particulars	Opening Balance	Grant Received	Fee-Fund Contribution	TOTAL	Grant Utilised	Unutilised Grant Fee Fund	Unutilised Grant
1	Office Contingencies	195.50	-	1,076,075.50	1,076,271.00	1,076,271.00	-	-
2	Salary/Wages	-	42,100,000.00	9,189,597.00	51,289,597.00	51,289,597.00	-	-
3	Advertisement Exp.	2.00	-	221,906.00	221,908.00	221,908.00	-	-
4	Office Machinery & Equipment	1.00	-	65,717.00	65,718.00	65,718.00	-	-
5	Travelling Exp.	5.50	-	294,125.50	294,131.00	294,131.00	-	-
6	Vehicle Exp.	4,514.00	-	147,548.00	152,062.00	152,062.00	-	-
7	Examination Exp.	-	-	-	-	-	-	-
8	Printing Exp.	1,856.00	-	18,168.00	20,024.00	20,024.00	-	-
9	Computer Maintenance & Stationery	32,107.00	-	-	32,107.00	-	-	32,107.00
10	Rent & Taxes	871.00	-	739,068.00	739,939.00	739,939.00	-	-
11	Water & Electricity	4,191.00	-	738,886.00	743,077.00	743,077.00	-	-
12	Postage	1,356.00	-	194,794.00	196,150.00	196,150.00	-	-
13	Telephone & Telegram Exp.	125.00	-	1,038,683.00	1,038,808.00	1,038,808.00	-	-
14	IGNOU Education Material	-	-	-	-	-	-	-
15	Petrol Other Exp.	4,415.00	-	615,929.00	620,344.00	620,344.00	-	-
16	Administration of Study Centre	8,768.00	-	-	8,768.00	-	-	8,768.00
17	Legal Exp.	300.00	-	82,000.00	82,300.00	82,300.00	-	-
18	Audit Fee's	23,000.00	-	-	23,000.00	-	-	23,000.00
19	Insurance & Taxes's	1,996.00	-	55,396.00	57,392.00	57,392.00	-	-
	TOTAL	83,703.00	42,100,000.00	14,477,893.00	56,661,596.00	56,597,721.00	-	63,875.00

Details Of Plan Grant Received During The Year Ended 31.03.2017

S.No.	Particulars	Opening Balance	Inter-Head Transfer	TOTAL	Grant Return	Unutilised Grant
1	Vehicle	19,192.00	-	19,192.00	-	19,192.00
2	SC/SP	592,286.00	-	592,286.00	-	592,286.00
	TOTAL	611,478.00	-	611,478.00	-	611,478.00

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)

Details Of NON Plan Grant Received During The Year Ended 31.03.2017

S.No.	Particulars	Opening Balance	Grant Received	Fee-Fund Contribution	TOTAL	Grant Utilised	Unutilised Grant Fee Fund	Unutilised Grant
1	Office Contingencies	195.50	-	1,076,075.50	1,076,271.00	1,076,271.00	-	-
2	Salary/Wages	-	42,100,000.00	9,189,597.00	51,289,597.00	51,289,597.00	-	-
3	Advertisement Exp.	2.00	-	221,906.00	221,908.00	221,908.00	-	-
4	Office Machinery & Equipment	1.00	-	65,717.00	65,718.00	65,718.00	-	-
5	Travelling Exp.	5.50	-	294,125.50	294,131.00	294,131.00	-	-
6	Vehicle Exp.	4,514.00	-	147,548.00	152,062.00	152,062.00	-	-
7	Examination Exp.	-	-	-	-	-	-	-
8	Printing Exp.	1,856.00	-	18,168.00	20,024.00	20,024.00	-	-
9	Computer Maintenance & Stationery	32,107.00	-	-	32,107.00	-	-	32,107.00
10	Rent & Taxes	871.00	-	739,068.00	739,939.00	739,939.00	-	-
11	Water & Electricity	4,191.00	-	738,886.00	743,077.00	743,077.00	-	-
12	Postage	1,356.00	-	194,794.00	196,150.00	196,150.00	-	-
13	Telephone & Telegram Exp.	125.00	-	1,038,683.00	1,038,808.00	1,038,808.00	-	-
14	IGNOU Education Material	-	-	-	-	-	-	-
15	Petrol Other Exp.	4,415.00	-	615,929.00	620,344.00	620,344.00	-	-
16	Administration of Study Centre	8,768.00	-	-	8,768.00	-	-	8,768.00
17	Legal Exp.	300.00	-	82,000.00	82,300.00	82,300.00	-	-
18	Audit Fee's	23,000.00	-	-	23,000.00	-	-	23,000.00
19	Insurance & Taxes's	1,996.00	-	55,396.00	57,392.00	57,392.00	-	-
	TOTAL	83,703.00	42,100,000.00	14,477,893.00	56,661,596.00	56,597,721.00	-	63,875.00

Details Of Plan Grant Received During The Year Ended 31.03.2017

S.No.	Particulars	Opening Balance	Inter-Head Transfer	TOTAL	Grant Return	Unutilised Grant
1	Vehicle	19,192.00	-	19,192.00	-	19,192.00
2	SC/SP	592,286.00	-	592,286.00	-	592,286.00
	TOTAL	611,478.00	-	611,478.00	-	611,478.00

K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
HALDWANI

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (A/c State-Grant)

Notes on Accounts
(F/Y 2016-17)

1. Accounts are maintained on cash basis on historical cost convention.

2. Grant received is considered to revenue to the extent it is utilized for revenue expenditure during the financial year, the balance is shown unutilized in the Balance Sheet

3. Grant utilized for purchase of fixed assets has been shown under Reserve & Surplus as Grant utilized for fixed assets transferred/appropriated from Grant Received.

4. Depreciation on fixed assets has not been charged.

5. Grant is received against different heads of expenditure. Excess expenditure over and above the specific head of sanction adjusted inter-head by the management

6. Expenses for books purchased for library are treated as revenue expenses

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
HALDWANI

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)

(Schedule-A)

Detail for Fixed Assets as on 31.03.2017

Particulars	Opening Balance	Addition	Closing Balance
Computer A/c	1,772,407.00	-	1,772,407.00
Furniture & Fixture	1,488,183.00	-	1,488,183.00
Electrical Goods	586,657.00	-	586,657.00
Vehicle A/c	2,031,279.00	-	2,031,279.00
Photocopy Machine	124,800.00	-	124,800.00
Books A/c	307,349.00	-	307,349.00
Land	12,270,840.00	-	12,270,840.00
Building Under Construction	61,101,000.00	6,333,000.00	67,434,000.00
Construction of B/Wall	7,418,000.00	-	7,418,000.00
OMR Machine	320,000.00	-	320,000.00
TOTAL	87,420,515.00	6,333,000.00	93,753,515.00

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
HALDWANI

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants

Ist floor, Jagannath Complex, Tikonia
Nainital Road, Haldwani-263139
Distt.: Nainital (Uttarakhand)

Ref........................ Date.................................

Chartered Accountant Report

To
Management
Uttarakhand Open University
Teenpani, By-Pass Road,
Transport Nagar,
Haldwani

We have Compiled the Balance Sheet of **Uttarakhand Open University (FEE-Fund), Haldwani** as at 31st March,2017,Income and Expenditure and Receipt & Payment Account for the year ended on that date annexed thereto both of which we have signed under reference to this report. These financial statements are the responsibility of the University Management. Our responsibility is to Compilation of Balance Sheet as per detail provided to us.

Further, we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the Compilation of Balance Sheet. In our opinion, proper books of account have been kept by the university so far as it appears from our examination of books of account.

In our opinion and to the best of our information and according to information given to us, the said accounts read with notes attached hereto give a true and fair view-

i> In the case of the Balance Sheet of the State of affairs of the above named university as on 31st March 2017.

AND

ii> In the case of Income & Expenditure account for the year ended on 31st March 2017.

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
M.NO- **088360**
Partner
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

Place: Haldwani
Date: 25.08.2017

Ph.- 05946-280483, Mob.: 9837053417, e-mail.: bansal25@gmail.com, taxconsultancy2011@gmail.com

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
BALANCE SHEET AS ON 31ST.MARCH,2017
(A/C FEE FUND)

LIABLITIES		AMOUNT (Rs.)	ASSETS	AMOUNT (Rs.)
CAPITAL FUND			**FIXED ASSETS**	
Opening Balance	276,079,317.44		Vehicle A/c.	3,127,537.00
			A.C. A/c	75,000.00
Add : Excess of Income			D.G.Set A/c.	1,500,182.00
over Expenditure	113,363,119.96	389,442,437.40	UOU Building Construction	14,053,926.00
			CURRENT ASSETS,LOAN & ADVANCES	
VCWF (Dec)		666,112.00		
VCWF (Fees)		938,913.50	Loan & Advances	29,563,068.80
VCWF (State)		6,089.00	(As Per Annexure)	
CURRENT LIABITIES & PROVISION			Sundry Debtors & Advances	2,321,024.70
TDS Payable		7,198.00		
Cheque Reversal A/c (Unpaid Cheque)		2,624,114.00		
			FDR AUCB	14,172,464.00
			FDR BOB	12,110,208.00
			FDR Canara	31,171,872.00
			TDS on FDR	334,484.00
			Relif Fund	667.00
			Security Money	250,000.00
			UOU-DEC Fund	12,945,095.00
			UOU-State Fund	7,492,074.00
			Closing Balance	
			Cash in Hand	266,855.00
			Allahabad Bank A/c-104	38,310.00
			Bank of Baroda A/c-17278	199,962,719.18
			Bank of Baroda A/c-17651	47,780.00
			Bank of Baroda A/c-17298	1,718,817.86
			SBI 306-17837388 S/B	6,276,979.08
			SBI 305 S/B	15,991,850.00
			ICICI Bank Ltd.	40,263,950.28
TOTAL		393,684,863.90	**TOTAL**	393,684,863.90

Notes on Accounts-Annexed.

As per our report of even date :

Place : Haldwani
Dated-25.08.2017

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
Partner
Membership No.088360
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES * HALDWANI * Chartered Accountants

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31ST.MARCH,2017
(A/C FEE FUND)

EXPENDITURE	AMOUNT (Rs.)	INCOME	AMOUNT (Rs.)
Advertisements Exp.	3,566,780.57	Fees & Interest	297,490,553.76
Bank Charges	149,559.33		
Books Printing / Study Material	26,599,745.00		
Telephone & Internet	73,457.00		
Exam Exp.	23,930,569.00		
Study Centre Fees Refund	93,113,572.90		
Vehicle Rent	139,000.00		
Honorarium	846,900.00		
Insurance & Taxes	27,568.00		
Hospility Exp.	82,465.00		
Workshop	1,946,879.00		
EDUSAT	345,862.00		
Office Exp.	1,486,967.00		
Office Machinery & Equipment	171,114.00		
Rusa	94,685.00		
Petrol	181,965.00		
Seminar	129,953.00		
RCI Project Exp.	489,041.00		
Remuneration	1,447,946.00		
Postage & Telephone	555,524.00		
Printing & Stationery	236,696.00		
Travelling Allowance	878,143.00		
Vehicle Maintance	134,896.00		
Salary & Wages	11,947,573.00		
House Rent	70,449.00		
Conovaction	1,002,231.00		
UOU STATE Exp.	14,477,893.00		
Excess of Income over Expenditure	113,363,119.96		
TOTAL	297,490,553.76	**TOTAL**	297,490,553.76

Notes on Accounts-Annexed.

As per our report of even date :

Place : Haldwani
Dated-25.08.2017

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
Partner
Membership No.088360
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
RECEIPT & PAYMENT A/C FOR THE YEAR ENDED 31ST.MARCH,2017
(A/C FEE FUND)

RECEIPTS	AMOUNT (Rs.)	PAYMENTS	AMOUNT (Rs.)
Opening Balance		Advertisements Exp.	3,566,780.57
Cash in Hand	88,178.00	Bank Charges	149,559.33
Allahabad Bank A/c-104	36,095.00	Books Printing / Study Material	26,599,745.00
Bank of Baroda A/c-17278	196,336,398.18	Telephone & Internet	73,457.00
Bank of Baroda A/c-17651	45,612.00	Exam Exp.	23,930,569.00
Bank of Baroda A/c-17298	1,350,616.76	Study Centre Fees Refund	93,113,572.90
SBI 306-17837388 S/B	2,002,775.00	Vehicle Rent	139,000.00
		Honorarium	846,900.00
Fees & Interest	297,490,553.76	Insurance & Taxes	27,568.00
		Hospility Exp.	82,465.00
VCWE (Fees)	*297,475.50*	Workshop	1,946,879.00
		EDUSAT	345,862.00
TDS Payable	8,698.00	Office Exp.	1,486,967.00
		Office Machinery & Equipment	171,114.00
Cheque Reversal A/c (Unpaid Cheque)	2,624,114.00	Rusa	94,685.00
		Petrol	181,965.00
Sundry Debtors & Advances	8,803.80	Seminar	129,953.00
		RCI Project Exp.	489,041.00
		Remuneration	1,447,946.00
		Postage & Telephone	555,524.00
		Printing & Stationery	236,696.00
		Travelling Allowance	878,143.00
		Vehicle Maintance	134,896.00
		Salary & Wages	11,947,573.00
		House Rent	70,449.00
		Conovaction	1,002,231.00
		FDR with Canara Bank	30,000,000.00
		Building Construction	730,000.00
		Vehicle Purchase	35,328.00
		UOU STATE Exp.	14,477,893.00
		UOU-DEC Fund	3,578,142.00
		UOU-State Fund	8,555,312.00
		Loan & Advances (Debtors)	5,585,721.80
		Accured Interest on FDR	2,933,021.00
		TDS on FDR	177,100.00
		Closing Balance	
		Cash in Hand	266,855.00
		Allahabad Bank A/c-104	38,310.00
		Bank of Baroda A/c-17278	199,962,719.18
		Bank of Baroda A/c-17651	47,780.00
		Bank of Baroda A/c-17298	1,718,817.86
		SBI 306-17837388 S/B	6,276,979.08
		SBI 305 S/B	15,991,850.00
		ICICI Bank Ltd.	40,263,950.28
TOTAL	**500,289,320.00**	**TOTAL**	**500,289,320.00**

Notes on Accounts-Annexed.

As per our report of even date :

Place : Haldwani
Dated-25.08.2017

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
Partner
Membership No.088360
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES Chartered Accountants HALDWANI

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (Fee Fund)

Notes on Accounts
(F/Y 2016-17)

1. Accounts are maintained on cash basis on historical cost convention.

2. Fee receipt is treated as income on receipt basis.

3. Expenses for books purchased for library are treated as revenue expenses.

4. During the year two bank accounts namely, ICICI Bank & State Bank of India added in books of accounts. One account (Bank of Baroda) was already in books of accounts. Fees for examination and others charges such as Study Material Charges, Prospectus, Provisional Degree Issue Charges etc, are directly deposited by students in these accounts. It is practice of management to pass consolidated entries on monthly basis for fee received in books of accounts.

5. There are advances to staff & others for some assignments/work, but adjustment is pending in these advances, in some cases more than 2 years also. These entries should be adjusted as earlier as possible. It is advised to keep proper tracking of these advances and adjustment thereof.

6. During the year it was decided by management that old entries pending more than 90 days entries for cheque issued but not presented for payment, these entries should be transferred to **cheque issued reversal a/c (Unpaid Cheque)** as liability in Balance Sheet. In future, if fresh payment or cheque is issued, then this account will be adjusted by that payment entry. It is advised that there should be maintained a cheque reversal register in which all entries should be entered with proper care. However, during F.Y. 2016-17 only pending entries up to 31.03.2016 is reversed shown in Balance Sheet as liabilities **cheque issued reversal a/c (Unpaid Cheque)** Rs. 26,24,114.00

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES Chartered Accountants HALDWANI

Appendix XIV

क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची(List of Regional Centres)

S. No	Regional Centre	Code	Regional Director	Address	Contact No.	E-mail
1	Dehradun	11	Dr. Sandeep Negi	Sri Guru Ram Rai Post Graduate College (SGRR PG College), Patthribagh, Dehradun, India, Dehradun, Uttarakhand 248001	9412031183 0135-2720027	dehradun@uou.ac.in
2	Roorkee	12	Dr. Rajesh Chandra Paliwal	B.S.M. P.G. COLLEGE, Railway Road,Roorkee-247667 Disst.Haridwar(Uttarakhand)	919412439436 01332-274365	roorkee@uou.ac.in
3	Pauri	14	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B.Garhwal Central University, Pauri Campus, City - Pauri,PIN – 246001	9412960687 01368-223308	pauri@uou.ac.in
4	Uttarkashi	15	Dr. R.P.Singh, Associate Professor in Chemistry	Ram Chandra Uniyal Government Post Graduate College, Uttarkashi Tehsil- Bhatwari Uttarkashi - 249193	9412409442 01374-222004	uttarkashi@uou.ac.in
5	Haldwani	16	Dr. Rashmi Pant	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani - 263139	9411162527 05946-284149	haldwani@uou.ac.in
6	Ranikhet	17	Dr. B.K Singh	Government (PG) College Ranikhet, District Almora – 263647,	7579132634 05966-220474	ranikhet@uou.ac.in
7	Pithoragarh	18	Dr. R.P Dwivedi	L.S.M. Government PG College, Pithoragarh, PIN – 264015	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
8	Bageshwar	19	Dr. B.C Tiwari	Government PG College, Tehsil & Distt. - Bageshwar, PIN – 263642 (Uttarakhand)	9412044914 05963-221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix XV

अध्ययन केंद्रों की सूची(List of Study Centres)

Region: Dehradun (11)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	11000	UOU Model Study Centre Dehradun Campus	C-27, THDC Colony, Ajabpur kalan, Near Bangali kothi chowk, Doon University Road, Dehradun	Mr. Narendra Jaguri
2.	11004	Vision & Beyond Institute	Govind Garh Road, Idgah, Near Yamuna Colony, Tehsil & Distt. - Dehradun PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Sanchit Gupta
3.	11005	Nav Chetna College of Teacher's Education	Near Balasundari Mandir, Vill & PO Manduwala, Dehradun	Mr.Akshay Agarwal
4.	11017	Uttaranchal Ayurvedic College	17, Old Mussorie Road, Rajpur, City & Distt. - Dehradun PIN – 248009 (Uttarakhand)	Dr. Akshay Kumar Gaur
5.	11018	Amazon Institute Of Hotel Tourism & Management	Sahastradhara Road, Near Aasha Ram Bapu Ashram, Dehradun,PIN – 248001	Smt. Sheela Sharma
6.	11020	SGRR PG college, Pathribagh	Pathribagh, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarkhand)	Dr. Harshvardhan Pant
7.	11021	Doon Shikshan Sansthan	Career House, Behind Kamla Palace Hotel, GMS Road, Dehradun,PIN – 248001	Mr. Sunil Rana
8.	11024	Netcom Computers	Netcom Computers, Near Mandi Gate Vikasnagar, Post – Vikasnagar, PIN – 248198 (Uttarakhand)	Sh. Kamal Singh Negi
9.	11026	Institute of Hospitality Management (IHM)	Rishikesh – Haridwar Road Prem Vihar Shyampur, P.O. Satyanarayan Mandir, City – Rishikesh, , PIN – 249204 (Uttarakhand)	Mr. Sant Ram
10.	11034	The Renaissance institute of management and technology	Badripur Near nine palm, Jogiwala City – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Mitesh Semwal
11.	11037	Universal Institute of Hotel Management	156/1, A- Block, Nehru colony, City – Dehradun Distt. – Dehradun PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Ujjawal Dhingra
12.	11039	Cogent College Of Advanced Studies	219, Indira Nagar Colony, Seemadwar Road, City & Distt. - Dehradun PIN – 248001 (Uttarakhand)	Ms. Romika Joshi

13.	11041	Doon Vedic Shiksha Samiti	Near Civil Court, Haripur – Dhakrani, PO Herbertpur, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248142 (Uttarakhand)	Mr. Surendra Singh
14.	11053	Science	105/1, Vijay Colony, Phase II, New Cantt Road, City & Distt. – Dehradun,	Mr. Prabir De
15.	11056	Gangotri Vidya Niketan	Suman Vihar, Bapugram, Rishikesh, Distt. – Dehradun	Mr. P.K. Malasi
16.	11061	Janki Devi Educational Welfare Society (JDEWS)	74/35, Rajpur Road, Opposite Madhuban Hotel, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Ms. Monika Sharma
17.	11062	Nalanda Shikshan Sanstha	Vill. - Khadri, Shyampur, PO-Satyanarayan Mandir, City - Rishikesh, PIN – 249204 (Uttarakhand)	Mr. Mahavir Prasad Upadhyay
18.	11063	Advance Food Craft Institute	Amit Gram, PO - Gumaniwala, City – Rishikesh, Distt. – Dehradun, PIN – 249204 (Uttarakhand)	Mr. Satyaprakash Kupruwan
19.	11064	Asset Info Tech Ltd	1st Floor, 93 Subhash Road, Near Gurudwara& Heritage School Chowk, City - Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mrs. Divya Mittal
20.	11065	Akshat Foundation	G2, Nehru Colony, Haridwar road, Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Chandramauli Dhaundiyal
21.	11070	Global Computer Institute	Near Bypass Bridge, City – Sahiya, Dehradun Pin – 248196	श्रीअनिलसिंहतोमर
22.	11071	Doon Advance Technical Academy	1st Floor Prabhakar Market, Tilak Road, Rishikesh, PIN – 249201 (Uttarakhand)	Mr. Krishan Kumar Tyagi
23.	11073	Institute of Career Studies	B-146, Nehru Colony, City & Distt. - Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Ms. Rakhi
24.	11074	Korbet Institute of Hotel Management	Wing-3, Prem Nagar, Dehradun PIN – 248007	Ms. Kamayani Kandari
25.	11075	Academy of Computer & Management Training	Railway Road, Near Kothari Medical Hall, City - Rishikesh, Distt. – Dehradun PIN – 249201 (Uttarakhand)	Ms. Jyoti Badhani,
26.	11080	American Institute of Hotel Management	Hotel Gaurav Palace, Baurari, New Tehri, Distt. - Tehri Garhwal, PIN -249001 (Uttarakhand)	Ms. Susma Kothiyal
27.	11084	NRS Softech (Pvt.) Ltd.	21, Sewak Ashram Road, Near DBS	Mr. Rajesh Sharma

			(PG) College, City – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	
28.	11088	HIMALAYAN EDUCATION CENTRE	131 D.L ROAD, City –DEHRADUN, Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhnad)	Mr. Lekhraj
29.	11091	Guru Dronacharya Sanskrit College	592, Tapkeshwar Colony, Garhi Cant, Dehradun Pin- 248003	Acharya Bipin Chandra Joshi
30.	11094	Social Awareness Natural Development & Educational Society	Kanharwala, near - Bhaniyawala Tiraha, Town – Doiwala, Distt. – Dehradun PIN – 248140 (Uttarakhand)	Mr. Dinesh Prasad
31.	11096	Himadri Institute of Computer Education	Tarun Vihar, Mothrawala Road, Post – Banjarawala, Ajabpur kalan, City & Distt. – Dehradun,	Ms. Himani Nautiyal
32.	11099	S.B. College of Open Study	S.B.College of Education Bypass Road, Vikas Nagar, City & Distt. – Dehradun PIN – 248198 (Uttarakhand)	Mr. Aman Kumar Sharma
33.	11101	Madhuban Academy of Hospitality Administration & Research (MAHAR)	MAHAR-97, Campus Hotel Madhuban, Rajpur Road, Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Suraj Kumar
34.	11102	SMTA Institute of Academic Excellence	Samta Niketan, 27th Km Chakrata-Lakhamandal Road, Post Office – Mindal Via Chakrata, Distt. – Dehradun, PIN - 248123 (Uttarakhand)	Mr. Sanjeev John
35.	11104	Sanjivani Vidhyapith	Vill. & P.O. - Harbatpur Tehsil – Vikasnagar, Distt.- Dehradun, PIN - 248142 (Uttarakhand)	Ms. Arti Chabra
36.	11106	Fusion Institute of Hotel Management	Haridwar By-pass Road, Opposite Akashwani Bhawan, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248 001 (Uttarakhand)	Mr. Deepika Sajwan
37.	11107	Maheshanand Bahuguna College	Majra, P.O.- Majra, Dehradun-248171	Mrs Chhaya Juyal
38.	11108	CIAT (Computer Institute of Accounting & Technology)	Vill. - Babugarh, Tehsil & City - Vikasnagar Distt. – Dehradun PIN -248198	Mr. Jitendra Singh Negi
39.	11109	International Maritime and Global Educational Academy (IMAGE)	Village & P.O.- Pondha, Premnagar, Dehradun	Mr. Ravi Shankar Juyal
40.	11110	Mohit Computer Education	65, Chakrata Road,	Ms. Farhat Sultana

			Yamuna Colony, City & Distt. – Dehradun, PIN - 248001 (Uttarakhand)	
41.	11111	Fortune Aviation Academy, Dehradun	Thakur Niwas, Near Diya Properties, Behind Hill Grove School, Village - Jhajhra, Post Office - Sudhowala, Tehsil & Distt. - Dehradun,	Mr. Jitendra Chauhan
42.	11112	VSKC Govt. Degree College, Dakpather DEHRADUN	Govt. Degree College, Dakpatthar, City – Dehradun, Distt. – Dehradun, PIN – 222481 (Uttarakhand)	Dr. Anita Tomar
43.	11113	UTTARANCHAL INSTITUTE OF HOSPITALITY MANAGEMENT AND TOURISM DEHRADUN	Ghar Vihar Phase 2, Mohakampur, City & Distt. Dehradun, PIN – 248 005 (Uttarakhand)	Sh. Sanjay Joshi
44.	11114	RURAL STUDY CENTRE DEHRADUN	Nagagher, City – Rani Pokhari, Distt. – Dehradun, PIN – 248145 (Uttarakhand)	Mr. Shishir Anand Bourai
45.	11115	D.D. College	25, NIMBUWALA City & Distt. – Dehradun, PIN – 248 003 (Dehradun)	Sh. K.C. Joshi
46.	11117	RISHI BHOOMI SKILL DEVLOMENT CENTRE	BHOTTOWALA ROAD, GUMANIWALA, City - RISHIKESH, Distt. – Dehradun, PIN – 249204 (Uttarakhand)	Ms. Ranjana Raturi
47.	11118	THE BAJAJ INSTITUTE OF LEARNING & VOCATIONL TRANING	Dehradun, PO – Rajpur, Tehsil – Dehradun, Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mrs. Anjali Agrawal
48.	11119	CHITRANCHAL KALYAN SAMITY	215/1, KALIDAS ROAD, HATHI BARKALA, DEHRADUN – 248001 (Uttarakhand)	Ms. Neha Kochgaway
49.	11120	Munishabha sewa sadan evam punarwas sansthan	Garhi Maychak Shyampur, City – Rishikesh, Distt. – Dehradun, PIN – 249 204 (Uttarakhand)	Sh. Rajeshwar Uniyal
50.	11121	LAV KUSH MUKBADHIR EVAM MANDBUDHI VIDHYALAY	PREM VIHAR CHOK, HARIPUR KALAN, VIA RAIWALA , Dehradun, Pin 249 505 (Uttarakhand)	Sh. Mahipal Shastri
51.	11122	MALTIPAL DISAVILITY REHABILITATION SOCIETY	H.N -35, CROSS 2 B, Tapovan Enclave, City – Dehradun, Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Sh. Vijay Raturi

52.	11123	DEV COLLEGE OF EDUCATION	VILL-LODHIWALA PO- CHUTMALPUR Distt. – HARIDWAR	Sh. Mohit Singh
53.	11124	INSTITUTE OF DISTANCE LEARNING	Dehradun, Kargi Chowk, P.O. Kargi Chowk, Tehsil – Dehradun, Distt. – Dehradun,	Ms. Garima Bisht
54.	12036	Omkarananda Institute of Management & Technology	Swami Omkaranand Saraswati Marg, Muni ki Reti, Via – Rishikesh, P.O. - Shivananda Nagar City – Rishikesh,	Mr. Naveen Dwivedi

Region: Roorkee (12)

S. No.	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	12001	Divya Prem Sewa Mission	Shri Sai Complex, 2nd floor, Near HDFC Bank, Old Ranipur More, Haridwar – 249407	Ms. Neha Sukhija
2.	12002	HEC PG College	Kanya Gurukul Campus, Near Chhoti Nehar, Kankhal, Haridwar,	Mr. Tara Singh
3.	12004	Swami Darshnananda Institute of Management & Technology (SDIMT)	Gurukul Mahavidhyalay, Jwalapur, Haridwar-249404 (Uttarakhand)	Km Jai Laxmi
4.	12005	Maharishi dayanand Institute of Management &Technology	Vill. & Post - Dhanauri, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667 (Uttarakhand)	Mr. Ashwani Kumar
5.	12008	BSM PG College	B.S.M.P.G. COLLEGE, ROORKEE City – Roorkee,	Dr. V.P Gautam
6.	12009	SP Institute of Combined Education	Yoganand Shishu Mandir, Yoganand Vihar, Old Railway Road, Purva Dindayan, City - Roorkee,	Mr. Brajesh Gupta
7.	12010	Jamia Islahul Bannat	Mohalla - Toli City - Manglour, Distt. - Haridwar, PIN – 247656	Mr. Qari Naseem Ahmad Manglouri
8.	12011	RMP PG College	Vill. & Post – Gurukul Narsan City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Dr. Sarvendra Singh
9.	12012	Chamanlal Educational Society	Chaman Lal Degree College Landhaura, City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Atul Harit
10.	12015	Gyandeep Balniketan	Shivpuram - Subhash Nagar, Paniyala Road, Roorkee – 246776,	Mr. Vasu Dev Pant
11.	12020	Vidhya Vikasini College	Vill & Post – Gurukul Narsan, City – Roorkee,	Ms. Pooja Shree
12.	12022	City College Of Management & Technology	Mohlla, Sot Roorkee, City Roorkee, Distt. – Haridwar, PIN – 247667	Mr. Shubhdeep Verma
13.	12023	Rahamania Study Centre	Main Market, Bhagwanpur,	Dr. Sumbul Azam

			City - Roorkee, Distt. – Haridwar	
14.	12027	Nand Kishor Jakhmola	Hiltron Calc, Gangadutt Joshi Marg, Behind P.N.B., City - Kotdwar, Distt. – Pauri,	Dr. N.K Jakhmola
15.	12029	World Academy of Traditional Medical Science	Opp. Taxi Stand Swargashram/ Parmarth Niketan, City – Swargashram – Jaunk, Distt. Pauri Garhwal,	Dr.Vikas Suryavanshi
16.	12031	Hari Om Saraswati College	Village - Dhanauri, Post – Roorkee, City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Rakesh Kumar
17.	12032	Kripal Kanya college	Vill. - Rawli Mehdood, Bahadrabad, City – Haridwar, Distt. – Haridwar	Mr. Arvind Sharma
18.	12034	KNIMT (Kunti Naman Institute of Management & Technology)	NH-58, Near Patanjali Yogpeeth Phase –II, Bhadedi, Rajputan, City – Roorkee,	Mr. Narendra Kumar
19.	12037	Babu Ram Degree College, Roorkee	7 K.M. Milestone, Roorkee Dehradun Highway, Saliyar, Roorkee,	Sh. Yogesh Kumar
20.	12040	SMT Computer Institute	Bal Yogeshwar Dham, S.R.B. Jodhamal Road, Near Birla Ghat, Hardwar – 249 401 (Uttarakhand)	Mr. Anurag Goel
21.	12042	Government P.G College Kotdwar Kotdwar, Garhwal	Government Post Graduate College, City - Kotdwar, District - Garhwal PIN - 246149	Dr.A.N.Singh
22.	12043	M.S. Educational Institute	Vill - Chhangamajri, P.O.- Hallumazra, Distt.-Haridwar, PIN- 247661	Dr. Naveen Kumar
23.	12044	Shri Ram Educational Institute	Village & PO- Libberheri, Tehsil – Roorkee, Distt. Haridwar,	Mr. Bharat Sharma
24.	12045	Varnika Lalyan group of Educational Institute	Vill.- Haddipur Grant P.O.– Sohalpur, Distt.- Haridwar, City – Roorkee,	Ms. Sangeeta Devi
25.	12046	ABS Academy of Higher Education	Vill & PO Bahadurpur Jatt, City & Distt. - Haridwar, PIN – 249 405	Mr. Dharmendra Singh Chauhan
26.	12047	Roorkee Industrial Training Institute	Chudiyala Road, Bhagwanpur, City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Amit Kumar
27.	12051	S.K. Infotech	J-142, Shiwalik Nagar, BHEL, Ranipur, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Dr. Vikram Kapoor
28.	12052	Uttaranchal Degree College	Vill. Sultanpur Kunhari, P.O. – Laksar, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Mr. Sunil Saini
29.	12058	SHRI SAI INFOTECH	Jamuna Talkies Lane Haridwar, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Ms. Sristhi Chaddha
30.	12060	Damini Arya Vedic Ch. Pvt School Samiti	Vill & PO Imli Khera, City - Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Virendra Kumar Arya
31.	12061	Mohini Devi Institute of Management & Technology	Iqbalpur Road, Asaf Nagar (Near Shastri Puram),City - Roorkee, Distt. - Haridwar PI– 247667 (Uttarakhand)	Ms. Maneesha Singhal
32.	12062	Naveen Pvt. ITI Study Centre	Nath Nagar,Jwalapur, City – Haridwar, PIN – 249407	Ms. Rizu Gupta

33.	12066	Dev Bhoomi Institute of Advance Studies	Vill. +P.O.- Shahpur, Sheetla Khera, City – Haridwar,	Mr. Narender Singh
34.	12068	Institute of Management Studies, Roorkee	10Km. Karondi - Dehradun Road, City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Ankur Rana
35.	12069	Devbhoomi Siksha evam Gram Vikas Samiti	Vill.- Telpura, Post- Biharigarh, City – Haridwar, Distt.- Haridwar	Mr. Anil Kumar
36.	12070	Samrat Prithvi Raj Chauhan PG College	Rahalki Kishanpur, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Dr. P.L. Chauhan
37.	12071	RCP's (PG) College of Allied Sciences	Campus - 09 Milestones, Roorkee-Dehradun Highway, Village- Kishanpur, Post Box No.- 104, Roorkee- 247667,	Dr. Vishwas Chand
38.	12072	Pilot Baba Institute	Dakash road Kankhal Jagjitpur City - Kankhal, Distt. – Haridwar PIN – 249408	Mr. Satya Vir Singh
39.	12073	Kanya Pathshala College	Kanya Pathshala Inter College Ganeshpur, City - Roorkee,	Mr. Satyender Kumar
40.	12074	Central Institute of Open Studies	7-Kms Rke-DDn Highway, NH-73, Gram – Karondi, Post – Bhagwanpur, City & Tehsil – Roorkee, District – Haridwar,	Ms. Srishti Goyal
41.	12075	college of special education	College of Special Education, Green Field Academy Campus NH-58, Gurukul Narsan, City – Roorkee,	Ms. Savita Singh

Region: Pauri (14)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	14001	Swami Vivekanand Vidhya Mandir Veleshwar	Swami Vivekanand Vidya Mandir Beleshwar, P.O.-Siliyara, Tehsil – Ghansali, Distt. Tehri Garhwal,	Mr. Govind Singh Rawat
2.	14002	Dudhatoli Takniki Mahavidhyalaya, Tripalisain	Tirpalisain, P.O.- Bageli, City – Pauri, Distt. - Pauri Garhwal, PIN – 246130	Mr. Bhagat Ram Bhatt
3.	14005	Government PG College, Jaiharikhal	Govt. P.G. College Lansdowne (Jaiharikhal) Garhwal, – Jaiharikhal PIN – 246193	Dr. Vijay Kumar Agarwal,
4.	14008	Kargil Shaheed Dharam Singh College	Vill. &PO Kaljikhal, City & Distt. - Pauri Garhwal, PIN – 246113	Mr. Sravan Kumar Singh
5.	14009	H.N.B. Garhwal Central Univ. Campus Pauri	H.N.B. Garhwal Central University Campus Pauri,City – Pauri,	Prof. M.S. Bisht
6.	14012	Jayveer Memorial Satya Mahavidhyalaya	Vill. &PO Daangi, Nailchami, Vikas Khand Bhilangna, Tehsil – Ghansali, Distt. Tehri Garhwal	Mr. Kanak Pal Singh Bangari
7.	14013	J.I.C. Takolikhal	Janta Inter College Takolikhal, Post – Takolikhal, Block- Rikhanikhal, Distt.- Pauri Garhwal	Sh. Kuldeep Singh Chauhan
8.	14017	INTERFACE ACADEMY	Interface Academy, Near University Gate, Ist Floor,	Mr. Ajeet Negi

			New Padiyar Complex, City - Srinagar (Garhwal)	
9.	14018	Government PG College, Agastyamuni	Govt. P.G. College, City - Agastyamuni, Distt. – Rudraprayag, PIN - 246421(Uttarakhand)	Dr. D.S.Chauhan
10.	14021	Valley Vision Research Institute	Valley Vision Research Institute, Gurudwara Road, Near Hanuman Mandir, Srinagar Garhwal,	Dr. Rajesh Bhatt
11.	14023	MRC Academy	Vill. - Sumari, P.O. - Tilwara, City – Tilwara, Distt-Rudraprayag	Mr. Prateek Saklani
12.	14034	Paraaj Samajik Sansthan	Srinagar Road, City - Pauri, Distt. – Pauri Garhwal,	Dr. B.P Balodi
13.	14036	Himalayan Environmental College of Management & Technology	Place - Agstyamuni, Post – Agstyamuni, City - Agstyamuni, Distt. – Rudraprayag,	Mr. Rajendra Singh Negi
14.	14037	Jayanand Bhartiya J.H.S Panchpuri	Jaynand Bhartiya J.H.S. Panchpuri (Baijrao), P.O.- Baijrao, City – Pauri Distt.- Pauri Garhwal	Mr. Sushil Chandra
15.	14038	Deviokhal Shiksha Kendra	Siksha Kendra Devonkhal Maidani, PO- Dabri, City – Lansdown, Distt. – Pauri Garhwal,	Mr. B.S Bisht
16.	14041	Grace Institute of Hotel Management	Banghat Road, Satpuli Bazar, Satpuli Pauri Garhwal,	Mr. Manish Khugshal
17.	14045	Maitri Institute of Management and Study	'RISHIVAN', Malelgoan, Post- Diuli (Kothar) City - Swargashram (Pauri Garhwal)	Mr. Rishi Kumar
18.	14046	Govt. Degree College Chandrabadni	P.O. Jamnikhal, Tehri Garhwal (Naikhari) Pin - 249112	Dr. Pratap Singh Bisht
19.	14047	Govt. Degree College Nagnath Pokhari	Government Post Graduate College Nagnath Pokhari, Chamoli, Uttarakhand	Dr. Sanjiv Kumar Juyal
20.	17044	Devaki Nandan Siksha evam Grameen Vikas Samiti	Simli, P.O. – Simli (Karnprayag) Distt.- Chamoli,	Mr. Girish Chandra Thapliyal

Region: Uttarkashi (15)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	15001	Info International	Info International, Near SBI, Kapoor gali, City - Uttarkashi PIN- 249193	Mr. Ana7nd Butola
2.	15002	Birja Gramin Jan Vikas Siksha Sanshthan	Birja Gramin Jan Vikas Siksha Sansthan, City – Chinyalisour, Distt. - Uttarkashi	Mr. Shankar Dutt Ghildiyal
3.	15006	Subhash College, Thauldhar	Subhash Inter College Thauldhar, PO & City - Thauldhar (Udaipur), Distt.- Tehri Garhwal ,	Mr. P.N Saklani
4.	15008	AICE, Gramin Kshetra Vikash Samiti	Gramin Kshetra Vikas Samiti Radas, City – Ranichauri Tehri Garhwal	Mr. Sushil Bahuguna
5.	15009	Govt College, Kharadi	PO-Bhansari Tehsil - Barkot,City – Kharadi	Mr. Trilok Singh Rana

			Distt-Uttarakashi	
6.	15011	Annpurna Food Craft Institute (AFCI)	AFCI HM College Chamba,Near Sri Dev Suman Inter College , Chamba, Tehri Garhwal Pin Code- 249145	Sh. Bharat Bhushan Singh Rawat, Mr. Vinod Kumar Kuliyal
7.	15014	Matrichhaya Parvatiya Vikas Samiti	Matrichhaya Parvatiya Vikas Samiti Gaja, PO - Gaja, Patti Dharakriyan, City – Gaja Tehri Garhwal,	Mr. Arvind Uniyal
8.	15015	Government College	Govt. College Arakot, Post – Arakot, Block- Mori, City – Arakot, Distt. - Uttarkashi	Mr. Naresh Rawat
9.	15016	RCU Govt. PG College	RCU Govt. P.G. College Uttarkashi, Near Azad Maidan/ Police Kotwali, City –Uttarkashi,	Dr. R.S.Rawat
10.	15017	Bhagirathi Uchhatar Govt. College	Vill. – Kandi Saur PO- Chham Thauldhar, City – Sandi Saur, Distt - Tehri Garhwal	Mr. Jayendra Singh Bhandari
11.	15018	Baliram Maanav Sewa Ashram	Uniyal Bhawan, Court Road, Tehsil- bhatwari, City &Distt.- Uttarkashi,	Mr. Rajeev Nautiyal
12.	15019	Info International	Ward No. 06, ITI Road, Barkot, Shah Bhawan, Nagarpalika Parishad Barkot, City - Barkot, Distt- Uttarkashi,	Mr. Shobhendra Singh Rana
13.	15020	Garhwal Vikas Kendra	Sumankyari (Nainbagh), P.O.- Suman Kyari, Tehsil - Nainbagh, Distt. - Tehri Garhwal	Mr. Parendar Saklani
14.	15021	Trihari Institute of Management Education	189, Sector – 13A, Near Satyeshwar Mahadev Mandir, Dhungidhar Road, Baurari, City - New Tehri, Distt. – Tehri Garhwal	Sh. Ompal Singh
15.	15022	R.S. Academy	R.S. Public Education Academy, New Tehri Road,City - Badshahi Thaul, Distt. - Tehri Garhwal	Sh. Suresh Bharti
16.	15023	Gramin Mahila Swasthya Chetna evam swarojgar vikas samiti	C/o KCS Kumola Road, Purola, Tehsil – Purola, Distt. – Uttarkashi,	Mr. Kuldeep Arya
17.	15024	P.S.B. Govt. Degree College Lambgaon	Lambgaon, P.O. – Lambgaon, Tehsil - Pratapnagar, Distt.- Tehri Garhwal	Dr. Sharma
18.	15025	NEW HOLY LIFE Academy, BADKOT	Badkot Nagarpalika Ward No. 7, P.O. – Badkot, Tehsil – Badkot, Distt. – Uttarkashi,	SMT. PRIYANKA DABRAAL
19.	15026	RADHA KRISHNA SEWA EVAM VIKAS SAMITI, TEHRI GARHWAL	Vill. – Baur, P.O. – Jaulangi, Tehsil – Tehri, Distt. – Tehri Garhwal, PIN – 249130	Sh. Vikram Singh Gusain

Region: Haldwani (16)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	16000	UOU Model Study Centre	UTTARAKHAND OPEN UNIVERISYT, HQ,	Dr. Gagan Singh

			University Road, Behind Transport Nagar Haldwani-263 139,	
2.	16001	Unity Law college	Kashipur Road, Opposite Prem Ashram, Jaffarpur, City – Rudrapur Distt. – Udham Singh Nagar,	Dr. U.C. Joshi
3.	16002	Late Ratikant Biswas Memorial	Vill. - Pipliya No 1, P.O. - Premnagar, Tehsil - Gadarpur, Distt. – Udham Singh Nagar	Mr. Omiyo Kumar
4.	16003	Amrapali Institute of Applied Sciences	Shiksha Nagar, Lamachaur, City – Haldwani Distt. – Nainital, PIN – 263139	Mr. Pankaj Pandey
5.	16005	Vision Institute of Management & Technology	Prem nagar, Behind AXIS Bank City –Bajpur Distt. – Udham Singh Nagar	Mr. Dhrm Veer Sarna
6.	16011	The Indian Institute of Management & Technology, Nurturing Tomorrow	The IIMT, Near – Gas Godown Chauraha, Kaladhungi Road, City – Haldwani, Distt. – Nainital,	Ms. Soni Arya
7.	16013	CEFA Institute of Mangement & Technology	Behind Shivpuri Colony, Haripur Bachchi, Halduchaur, City – Lalkuan, Distt. – Nainital	Sh. Kailash Chandra Tewari
8.	16014	Bhagwati Swaroop Educational Welfare Society	Greenwood public school, City - Sitarganj, Distt. - U.S Nagar, PIN – 262405	Mr. Jeewan Singh
9.	16015	Aditya Yoga - Naturopathy Hospital and Research Institute	Aditya Sewa Sansthan, Narayni Niwas, Kankhal, Hardwar, Kichha - 263148 Distt. U.S. Nagar	Dr. D.N. Sharma
10.	16017	Royal College of Tourism & Hotel Management	Sheetlapuri, Vill.- Ranibagh, PO – Kathgodam, Tehsil – Nainital, Distt. – Nainital,	Mr. Lalit Pande
11.	16022	PNG Government PG College	PNGP PG College Ramnagar, City – Ramnagar, Distt. – Nainital,	Dr. Vikas Dubey
12.	16023	S.B.S Government P.G College	Fazalpur Mahraula, Rampur Road, City – Rudrapur, Distt. - U.S Nagar,	Dr. Y.K Sharma
13.	16026	Centre of Technical Excellence (Smart Skill)	Amravati Colony, phase 2,Talli Bamori, City – Haldwani, Distt. – Nainital,	Mr. Girja Shankar Pant
14.	16034	M.B.P.G College	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani (Nainital)	Dr. Rashmi Pant
15.	16038	Gandhi Smarak Prakatik Chikitsa Samiti	Near – Hanumaan Mandir, R.T.O. Road, Haripur Nayak, Kusumkhera, City – Haldwani,	Mr. Aditya Swaroop Bharadwaj
16.	16041	Mukti Nivesh Sahbhagi Vikas Evam Siksha Samiti	Green Wood Public School, KHANSUYN(खनस्यूँ) Block – OKHALKANDA Distt.- NAINITAL	Mr.Naveen Chandra Paneru
17.	16042	Janlax Welfare Society	JanLax Education, JanLax Marg Adarash Nagar, Mukhani, City – Haldwani	Mr. Sanjay Kumar Joshi
18.	16043	Shiksha Bhartiya College	Near Govt. Degree College, Khatima, Distt. -	Mr. H.K.Pandey

			U.S.Nagar	
19.	16047	Renaissance College of Hotel Management & Catering Techonology	Vill. - Basai, PO- Peerumadara, City – Ramnagar, Distt. – Nainital, PIN - 244715	Mr. Sunil Kumar
20.	16052	Government Degree College Kashipur	Kashipur, P.O. – Kashipur, Tehsil – Kashipur, Distt. - U.S Nagar	Dr. Vinod Kumar
21.	16053	Imperial Institute of Management Technology	Haripur, Kusumkhera, City – Haldwani, Distt. – Nainital, PIN – 263139	Ms. Kanchan Bisht
22.	16057	Agrahari Multimedia Institute of Animation	Near Ashoka Hotel, Mungali Garden, Rampur Road, City – Haldwani,	Ms. Beena Gupta
23.	16059	Faiz-e-aam college jaspur	Faiz-e-aam college, Jaspur, Disst U.S Nagar	Sh. Shahnawaz Ahmad
24.	16070	PPJ Saraswati Vihar	Vill. – Durgapur, P.O. – Bisht Estate Veerbhatti, Tehsil – Nainital, Distt. – Nainital	Mr. Rajat Kumar Singh
25.	16071	Govt. Degree College, Kotabagh	Vill. – Selsiya, Chak Dhauladi, Block – Kotabagh, City – Kotabagh, Distt.- Nainital	Dr. Bhuwan
26.	16072	Pt. Poornand Tiwari Government Degree College Doshapani	Pokhrad, P.O. – Pokhrad, Tehsil – Dhari, Distt. – Nainital, PIN – 263136	Dr. Alka Sharma
27.	16074	Oxford Academy	Near Hyundai Showroom, Kiccha Bypass road, Rudrapur (Practical Classes at Ark Hotel, Rudrapur Distt. - U.S.Nagar	Mr. Vinit Joshi
28.	16078	Uttarakhand Institute of Information Technology & Management	Bhagat Singh Chauk, Opposite- Puma Showroom,Sanatan Girls Inter College Road, Main Market, Rudrapur District- Udham Singh Nagar,	Ms. Sana Khan
29.	16081	Sri Sidha Nath Professional Education & Higher Studies Society	Vill.- Dhimri Block, P.O.- M.A. Singh, Chakki More, Distt.- U.S.Nagar, PIN -263160	Mr. Pushkar Singh Koshyari
30.	16085	Sant baba Fauja Singh Degree College	Vill.- Nanakpuri, P.O.- Darau,Tehsil- Kichha, Distt. - Udham Singh Nagar PIN – 263148	Mr. Rakesh Singh Yadav
31.	16087	Vivekanand Samojothan Samiti	G.I.C Road, City – Betalghat, Distt. – Nainital, PIN – 263134	Mr. Deep Chandra Rikhari
32.	16090	H.N.B. Govt. PG College Khatima	Near Telephone Exchange Khatima (U.S.Nagar)	Mr. Pankaj Kumar
33.	16094	J.N.Kaul Institute of Education, Bhimtal	S.O.S. J.N.Kaul Institute of Education, Tallital, Bhimtal, P.O. - Bhimtal, Distt. – Nainital,	Dr. Ranjana Ruhela
34.	16096	R.S.Dhillon Janta College, Mahadev Nagar	Vill. - Mahadev Nagar, Post- Dhakiya No. 1, Tehsil - Kashipur, Distt. - U.S.Nagar	Mr. Amar Nath Mishra

35.	16097	Pal College of Technology & Management	R.T.O. Road, P.O. - Kusumkhera Tehsil - Haldwani, Distt. – Nainital,	Mr. Rakesh Dani
36.	16098	Droan B.Ed. College	Vill. – Shivpur, Post- Khanpur, Tehsil – Rudrapur, Distt. - U.S.Nagar,	Mr. Vinod Kumar Budhlakoti
37.	16099	AIM Institute of Hotel Management	Bareilly Road, Goraparao, Haldwani Distt. Nainital, PIN – 263 139 (Uttarakhand)	Mr. Kamal Tiwari
38.	16100	Chanakya Law College, Rudrapur	Vill.- Bhamrola, P.O.- Bagwara, Kichha Road, Tehsil – Rudrapur, Distt. - U.S.Nagar	Dr. Deepakshi Joshi
39.	16101	Govt. Degree College Banbasa	Vill – Banbasa, P.O. – Chandani, Tehsil – Tanakpur, Distt.- Champawat,	Dr. Gurendra Singh
40.	16103	Dr. Susheela Tiwari Institute of Hotel Management	Shyam Vihar, Rampur Road, City – Haldwani, Distt. – Nainital PIN -263139	Mr. Kamlesh Harbola
41.	16104	Uttarakhand Ayurvedic College	Panchayat Ghar, Rampur road, City – Haldwani, Distt. – Nainital, PIN – 263139	Mr. Vimal Katiyar
42.	16105	Rudrapur College of Management & Technology	Vill.-Bhagwanpur Danpur,Post- Danpur, Tehsil – Rudrapur, Distt. – Udham Singh Nagar,	Mr. Amar Nath Verma
43.	16106	SARVAJAN SIKSHA SEWA SAMITI	Adarsh Colony, P.O. – Kathgodam, Tehsil – Haldwani, Distt. – Nainital,	Ms. Riddhi Sah
44.	16107	Dream Shaphers Institute of Management Studies, Haldwani	T-06, Phase -1, 3rd floor, Durga City Centre, City – Haldwani Distt. – Nainital	Sh. Kishan Bisht
45.	16108	DOON ACADEMY	Vill. - Gaujajali Uttar, P.O. - Old I.T.I. , Tehsil – Haldwani, Distt. – Nainital,	Sh. Hemant Sah
46.	16109	Tula Ram Raja Ram College, Kashipur	Tularam Rajaram Saraswati Vidya Mandir, City – Kashipur, Distt. – U.S.Nagar,	Sh. Suresh Chand Jha
47.	16111	Netcom Computer Education Centre	Netcom Computers, Mukhani Chauhara, Kaladhungi Road, City – Haldwani,	Ms. Neha S. Rajan
48.	16112	VIVEKA NAND VIDHYA MANDIR	Narayan Nagar, Bazpur Road, Near Radhe Hari P.G. College,– Kashipur, Distt. –Udham Singh Nagar,PIN- 244713	Sh. Satish Kumar Chauhan
49.	16113	UPKAR INSTITUTE	KHANDELWAL BHAWAN NAWABI ROAD HALDWANI	Sh. M.P.Singh
50.	16114	U S R INDU SAMITI	VILL. -BASAI P.O. – PEERUMADARA, City - RAMNAGAR, Distt. – Nainital,	Sh. Dinesh Mathpal
51.	16115	INSTITUTE OF DISTANCE LEARNING	Block Office Haldwani, P.O. – Kathgharia, Tehsil – Haldwani, Distt. – Nainital,	Ms. Neera Pathak

Region: Ranikhet (17)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	17007	Govt PG College Ranikhet	Govt. P.G. College Ranikhet Distt.- Almora Pin - 263645	Dr. Mukul Kumar
2.	17009	Governement College, Kalraon	G.I.C. Kalroan, P.O. Jairambakhal Via Ganai, City – Kalroan (Jairambakhal Chaukhutia) Distt. – Almora,	Dr. Manoj Kumar Singh
3.	17010	Infotech Technology	Maa Nanda Devi Complex, L.R.Shah Road , Almora PIN- 263601	Mrs Mili Latwal
4.	17013	Govt P.G.College Dwarahat	Govt. P.G. College Dwarahat, City – Dwarahat, Distt.- Almora, PIN – 263 653	Dr. Prem Prakash
5.	17019	Adarsh Institute Of Technology & Education	Upper Market, City - Karanprayag, Distt – Chamoli,	Mr. Laxman Singh Bisht
6.	17030	Government Degree College, Karanprayag	Government Degree College Karanprayag, Distt. – Chamoli,	Dr Gaurav Vashney
7.	17033	Himalayan Institute of Education & Technology	Village & PO Jilasu Via Langasu, Distt. – Chamoli PIN – 246444	Dr. Surendra Prasad Dimri
8.	17034	Dharohar Vikas Sansthan	Vill. - Chausala, PO- Dhauladevi, Distt-Almora,	Mr.Dev Chandra Pandey
9.	17035	Adarash College Suraikhet	Adarsh College, Vill. & P.O. – Bitholi, City - Dwarahat, Distt. – Almora,	Mr. Anil Kumar Pant
10.	17040	Kumaun Institute of Education and Techonology(RISE)	Near – GGIC Almora, Mall Road, Oppo. – Nariman Petrol Pump, City & Distt. – Almora,	Smt. Hema Chamyal
11.	17045	NEITS	Ground Floor, P.N.B. Chaughanpata, Mall Road, City & Distt. – Almora	Mr. Sambhu Datt Joshi
12.	17047	Shri Nanda Devi Development Committee	J. Keshav Bhawan, Gairsain Distt. – Almora PIN – 246428	Mr. Ranjan Bisht
13.	17052	Nachiketa Institute of Education & Technology	Nachiketa Institute of Education & Technology, Doonagiri Road, City – Dwarahat, Distt. - Almora	Mr. Yogesh Mainali
14.	17055	Jay Shree Educational & Development Society	Village- Pagsha, PO- Kwali, District- Almora PIN – 263653	Mr. Bhanu Prakash Joshi
15.	17056	'Seedlings' Study Centre	Vill.- Kama, P.O.- Bagwalipokhar, Almora, Distt. – Almora, PIN – 263601	Mr. Mukesh Pant
16.	17058	Nav Nirman Educational Centre	Nav Nirman Educational Centre, C/O Shivalic Public School Rashtriya Rajmarg, Badrinath Road, Gauchar, Distt. Chamoli, Pin – 246444	Mr. Bhagwati Prasad Thapliyal
17.	17060	Zonal Education Development Society	Patal Devi Road, Bakshi Khola, City &Distt. – Almora, PIN – 263601	Ms. Sangeeta Joshi

18.	17062	Govt. Degree College Chaukhutiya	P.O.- Chaukhutia (Ganai) Distt.- Almora, PIN - 263656	Dr. Siraj Ahmad
19.	17063	Government Degree Collerge, Gairsain (Chamoli), Chamoli	Govt. Degree College Gairsain Garkande, Distt. – Chamoli PIN – 246428 (Uttarakhand)	Dr. Shiv Narayan Sidh
20.	17064	Society for Application of Science & Technology for Rural Advancement	Kalika Ranikhet	Mr. Govind Singh Kirola

Region: Pithoragarh (18)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	18001	I.D. Pant Study Centre, Pithrogarh	Kedar Colony (Near New Stadium) Pithrogarh,	Mr. Kushal Singh Samant
2.	18002	Govt. P.G. College, Pithoragarh	L.S.M. Govt. P.G. College, Post – Degree College, Pithoragarh	Dr.R.S. Adhikari
3.	18004	Govt. P.G. College, Narayan Nagar	Post - Narayan Nagar, Tehsil – Didihat, Distt-Pithoragarh,	Dr. R.N. Pandey
4.	18005	Sayuankt Vikas Evam Pryavaran Kalayan Samiti, Nachni, Pithoragarh	Vill- Nachani Post-Nachani Distt-Pithoragarh	Mr. Laxmi Dutt Pathak
5.	18006	S.M.C., Gangolihat Pithoragarh	Post- Gangolihat Tehsil-Gangolihat Distt Pithoragarh	Mr. Dev Singh Brithwal
6.	18007	Care Computers	GIC Link Road Tiraha, Pithoragarh	Mr. Pankaj Joshi
7.	18011	Govt. P.G. College Lohaghat	Vill. Chori, Lohaghat, Distt. Champawat,	Dr. Dharmendra Rathod
8.	18021	Mahatma Gandhi Nature Cure & Yoga	Vill-Kaflang, P.O. Dudhpokhra, Distt-Champawat	Dr. Salila Tewari
9.	18025	G.C., Muwani	Post - Muwani, Distt. Pithoragarh, PIN – 262 552	Smt. Yashoda kandpal
10.	18026	Himalayan Study Circle for Enviornmental Child Education Health Research	Himalaya Bhawan, GIC Road, Pandey Gaon, Pithoragarh,	Dr. Dinesh Joshi
11.	18029	Govt. Degree College Champawat	Fulara Gaon, Champawat, Distt.Champawat, PIN - 262523	Dr. B.P.Oli
12.	18031	Govt. Degree College Baluwakote	Post – Baluwakote, Tehsil Dharchula , Distt. Pithoragarh,	Dr. Atul Chand
13.	18032	Govt. PG College Berinag	Berinag, Distt.- Pithoragarh, PIN – 262531	Dr. Jyoti Niwas Pant
14.	18033	Govt. Degree College Gangolihat	Gangolihat, P.O. & Tehsil – Gangolihat, Distt. Pithoragarh,	Dr. Bharat Singh
15.	18034	J B Manas Academy, Pithoragarh	J.B. Memorial Manas Academy, Manas Vihar Daula, Pithoragarh,	Mr. Devendra Kumar Pandey

Region: Bageshwar (19)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	19001	Govt PG College Bageshwar	G.P.G.CollegeBageshwar Kathayatbara Bageshwar	Dr Sharad Bhatt
2.	19005	G.C., Kapkote	Govt Adersh InterCollege Kapkot Post- Kapkot Tahsil- Kapkot Distt. - Bageshwar	Mr Umed Singh Aithani
3.	19011	V.M.J.S Government College	VMJS GIC Bageshwar, City & PO – Bageshwar, Distt. – Bageshwar, PIN – 263642	Mr. Deep Chandra Joshi
4.	19012	G.C., Badiyakote	Govt Inter College Badiyakote Post-Badiyakote Tahsil - Kapkot Distt. - Bageshwar	Mr. Trilok Singh Bisht
5.	19016	Late Chandra Singh Sahi Government Degree College	Late Chandra Singh Shahi Govt Degree College Kapkot Post- Ason, Kapkot Tahsil- Kapkot Distt. - Bageshwar	Dr. Munna Joshi
6.	19018	Govt. College, Wajula	Late Padam Singh Parihar Govt. Inter College Wajula Post- Wajula Tahasil- Garur Distt. - Bageshwar	Mr. Mohan Singh Bisht
7.	19020	Govt. College Tuper	Govt Inter College Tuper Post- Tuper Tahsil- Bageshwar Dist- Bageshwar	Sh. K.R.Arya
8.	19021	Society for Application of Science & Technology for Rural Advancement	Near Agnikund pull Bageshwar	Ms. Neelam Rautela

क्रम संख्या - 137 (ख)

पंजीकृत संख्या– यू.ए./डी.एन.-30/03
लाइसेन्स टू पोस्ट विदाउट प्रीपेमेन्ट

उत्तरांचल शासन

सरकारी गजट , उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई.
कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 608/विधायी एवं संसदीय कार्य/ 2005

देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना

विविध

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।"

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)